नई दिल्ली । बुधवार, 06 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्थी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :120 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल चीन के वू यिजे बने वर्ल्ड स्नूकर चैंपियन, स्टीफन...
@ विचार यह चुनाव भी सबक से कम नहीं...
@ व्यापार कंपनियों को इंश्योरेंस की पहुंच बढ़ाने को केंद्र में ...

जनादेश से नहीं, साजिश से हराया गया सीएम ममता बनर्जी का इस्तीफा से इंकार

कहा कि चुनाव नहीं हारा है

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि वह इस्तीफा नहीं देंगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि परिणामों के बावजूद वह चुनाव नहीं हारी हैं और दावा किया कि यह फैसला एक 'साजिश' का परिणाम है।

चुनाव परिणामों के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने दावा किया कि उनकी पार्टी 'नैतिक रूप से' जीत गई है और आरोप लगाया कि फैसले को ताकत के दम पर प्रभावित किया गया।

ममता बनर्जी ने कहा, 'अगर मैं हार जाती, तो इस्तीफा दे देती। लेकिन अगर कोई सोचता है कि मैं दबाव में पद छोड़ दूंगी, तो ऐसा नहीं होने वाला है। हम चुनाव नहीं हारे; यह एक जबरदस्ती की कोशिश थी। नैतिक रूप से, हम चुनाव जीत गए हैं।'

सोमवार को भाजपा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में दो-तिहाई का आंकड़ा पार करते हुए 206 सीटें जीतकर निर्णायक जीत हासिल की और टीएमसी के 15 साल के शासन को समाप्त कर दिया, जो राज्य में एक बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत है।

बनर्जी ने आरोप लगाया कि टीएमसी की लड़ाई भाजपा के खिलाफ नहीं बल्कि चुनाव आयोग के खिलाफ थी, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि उसने 'भाजपा के लिए' काम किया। उन्होंने मतगणना प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का भी आरोप लगाया और दावा किया कि लगभग 100 सीटों पर जनादेश 'लूटा' गया और उनकी पार्टी का मनोबल गिराने के लिए मतगणना जानबूझकर धीमी की गई।

उन्होंने कहा, 'कल जो हुआ उसे इतिहास एक काले अध्याय के रूप में याद रखेगा। हम चुनाव आयोग के रवैये की कड़ी निंदा करते हैं, हमारा मानना है कि उसने पक्षपातपूर्ण तरीके से काम किया।'

टीएमसी प्रमुख ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'चुनाव आयोग और उनके द्वारा उपयोग किए गए तंत्र के संबंध में हम कार्रवाई कर रहे हैं, लेकिन उस कार्रवाई के स्वरूप पर अभी और विचार-विमर्श की आवश्यकता है।'

बनर्जी ने चुनाव बाद की हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने और जमीनी स्थिति का आकलन करने के लिए 10 सदस्यीय तथ्य-खोज समिति की भी घोषणा की।

बंगाल में शपथग्रहण 9 मई को, मुख्यमंत्री को लेकर संशय बरकरार

एजेंसी ■ कोलकाता

बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद नई सरकार के गठन की कवायद तेज हो गई है और शपथ ग्रहण समारोह की तारीख भी तय हो गई है।

नई सरकार के मुख्यमंत्री और मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह आगामी नौ मई को कविगुरु रवींद्र नाथ टैगोर की जयंती के दिन आयोजित किया जाएगा।

चुनाव नतीजों के एक दिन बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने मंगलवार को संवाददाताओं से बातचीत में इसकी जानकारी दी। हालांकि नए मुख्यमंत्री के नाम की आधिकारिक घोषणा होना अभी बाकी है।

पार्टी के संसदीय बोर्ड ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बंगाल में भाजपा विधायक दल का नेता यानी नया मुख्यमंत्री चुनने के लिए मंगलवार को केंद्रीय पर्यवेक्षक जबकि ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माजी को सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार तीन नाम चर्चा में हैं—सुवेंदु अधिकारी, अग्निमित्रा पॉल और रूपा गांगुली। इन तीन नेताओं में से कोई एक राज्य की कमान संभाल सकता है, जहां से तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने इसे छोड़ा था।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट के जजों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने के प्रस्ताव को मंजूरी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र ने मंगलवार को भारत के सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या को भारत के मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर 33 से बढ़ाकर 37 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसका उद्देश्य न्यायिक क्षमता में सुधार करना और मामलों के निपटारे में तेजी लाना है।

नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया, जो अदालत के जजों की संख्या में पिछली वृद्धि के लगभग छह साल बाद आया है।

सरकार ने कहा कि इस विस्तार का उद्देश्य बढ़ते लंबित मामलों का समाधान करना है, क्योंकि वर्तमान में शीर्ष अदालत के समक्ष 92,000 से अधिक मामले निर्णय की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

इस प्रस्ताव को प्रभावी बनाने के लिए कैबिनेट ने संसद में सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 पेश करने को मंजूरी दे दी है। यह विधेयक सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में संशोधन करना चाहता है, जिससे न्यायिक प्रणाली पर बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि की जा सके।

संविधान के अनुच्छेद 124(1) के तहत, सर्वोच्च न्यायालय में भारत के मुख्य न्यायाधीश और उतनी संख्या में अन्य न्यायाधीश होते हैं जिन्हें संसद कानून द्वारा निर्धारित कर सकती है। इससे पिछली सरकारों को भी बढ़ते कार्यभार के जवाब में समय-समय पर अदालत की क्षमता को संशोधित करने की अनुमति मिली है। जब 1956 में सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम लागू किया गया था, तब मुख्य न्यायाधीश के अलावा स्वीकृत संख्या 10 न्यायाधीशों की तय की गई थी। इसे 1960 में बढ़ाकर 13 और फिर 1977 में 17 कर दिया गया था।

हालांकि, कामकाज की वास्तविक संख्या 1979 तक 15 तक ही सीमित रही, जिसके बाद तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश के अनुरोध पर इस सीमा को हटा दिया गया था।

गन्ने का उचित एवं लाभकारी मूल्य बढ़ाकर 365 रुपए प्रति क्विंटल किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने गन्ना किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए, चीनी उत्पादन सीजन 2026-27 (अक्टूबर-सितंबर) के लिए गन्ने का उचित एवं लाभकारी मूल्य 365 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। यह मूल्य पुनर्प्राप्ति न्यूनतम 10 दशमलव दो-पांच प्रतिशत दर पर आधारित है, जिसमें शून्य दशमलव एक प्रतिशत की प्रत्येक वृद्धि पर 3.56 रुपए प्रति क्विंटल का प्रीमियम और पुनर्प्राप्ति में शून्य दशमलव एक प्रतिशत की प्रत्येक कमी पर 3.56 रुपए प्रति क्विंटल की कमी का प्रावधान है।

सरकार ने गन्ना किसानों के हितों की रक्षा के लिए यह भी फैसला किया है कि जिन चीनी मिलों में चीनी पुनर्प्राप्ति दर 9 दशमलव 5 प्रतिशत से कम है, वहां कोई कटौती नहीं की जाएगी। चीनी पुनर्प्राप्ति दर गन्ने के कुल वजन के अनुपात में उससे प्राप्त चीनी की मात्रा को प्रतिशत में दर्शाता है।

बीएसएफ हेडक्वार्टर के बाहर ब्लास्ट

पंजाब की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं

एजेंसी ■ जालंधर

पंजाब के जालंधर में बीएसएफ मुख्यालय के बाहर मंगलवार देर शाम जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक धमाका इतना तेज था कि करीब एक किलोमीटर दूर तक इसकी गूंज सुनाई दी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धमाका एक स्कूटी में हुआ और उसके परखच्चे उड़ गए।

बीएसएफ मुख्यालय के बाहर स्कूटी में हुआ ब्लास्ट

सूत्रों के मुताबिक गुरप्रीत नाम का एक युवक बीएसएफ मुख्यालय के बाहर स्कूटी खड़ी कर अंदर पार्सल की डिलीवरी देने गया था कि पीछे से स्कूटी में धमाका हो गया। अचानक हुए धमाके से लोग सहम गए और कुछ देर तक स्थिति को समझ ही नहीं पाए। बीएसएफ के अधिकारी बाहर पहुंचे जिसके बाद स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी भी फारेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

घटनास्थल को किया गया सील

फिलहाल इलाके को घेरकर सघन जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने से पहले किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी लेकिन प्रारंभिक स्तर पर इसे गंभीर सुरक्षा चूक के रूप में देखा जा रहा है।

पंजाब में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

इस घटना ने राज्य में हाल ही में हुई अन्य संदिग्ध वारदातों की याद ताजा कर दी है। बीते कुछ दिन पहले चंडीगढ़ में बीजेपी ऑफिस के बाहर ब्लास्ट हुआ था जिसने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया था। वहीं, हाल ही में पटियाला के शंभू रेलवे ट्रैक पर भी ब्लास्ट हुआ था जिसमें ब्लास्ट करने वाले एक शख्स की मौत हुई थी। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं ने पंजाब की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच एजेंसियां अब इन सभी मामलों को जोड़कर देख रही हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं इनके पीछे कोई संगठित नेटवर्क या बड़ी साजिश तो नहीं है।हालांकि अभी अधिकारी खुलकर नहीं बोल रहे हैं और फारेंसिक जांच का इंतजार कर रहे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने चुनाव में मिली ऐतिहासिक और निर्णायक जीत पर पीएम मोदी को दी बधाई

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पश्चिम बंगाल में मिली 'ऐतिहासिक और निर्णायक चुनावी जीत' की बधाई दी है।

व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने आईएएनएस को बताया, 'पिछले महीने ही फोन पर राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी की तारीफ की और कहा कि भारत सौभाग्यशाली है कि उसका नेतृत्व आप कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को इस हालिया, ऐतिहासिक और निर्णायक चुनावी जीत के लिए बधाई दी है।'

द वाशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा की जीत से पहली बार पीएम मोदी की पार्टी ने पश्चिम बंगाल पर नियंत्रण हासिल किया है, जो राजनीतिक रूप से एक अहम राज्य है। ऐसा राज्य जिस पर लंबे समय से ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस का दबदबा था।

इस नतीजे से राज्य में बनर्जी की 15 साल की सत्ता खत्म हो गई है और यह

पीएम मोदी के लिए एक बड़ा सियासी फायदा है, जिससे उनका कद और बढ़ा है।

जीत की घोषणा के बाद नई दिल्ली में समर्थकों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने इसे राज्य के लिए नए युग की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि यह जनादेश भयमुक्त, विकास और विश्वास से भरे बंगाल की ओर एक निर्णायक कदम है। पीएम मोदी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों का जिक्र करते हुए कहा, 'अब दशकों का इंतजार खत्म हुआ है और जनता ने उस विजन को साकार करने का अवसर भाजपा को दिया है।

बीबीसी ने इसे पीएम मोदी की सबसे मुश्किल जीत बताया।

विश्लेषकों का कहना है कि यह नतीजा सत्ता विरोधी लहर और भाजपा के ज्यादा असरदार कैंपेन, दोनों को प्रतिफल है। द गार्डियन के मुताबिक, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च के राहुल वर्मा ने इसे पार्टी लीडरशिप के 'सात साल के प्रोजेक्ट' का नतीजा बताया।ह्य

वर्मा ने कहा, 'पश्चिम बंगाल में भाजपा पूरी मजबूती और सुव्यवस्थित तरीके से डटी रही। वहां पीएम मोदी को एक करिश्माई लीडर के तौर पर देखा जाता है,' रिपोर्ट में आगे कहा गया कि 'हिंदू वोटों के एकजुट हुए बिना ऐसा नतीजा मुमकिन नहीं था।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा कि पश्चिम बंगाल लंबे समय से क्षेत्रीय और वामपंथी राजनीति का गढ़ रहा है, जिससे भाजपा की यह कामयाबी भारत के सियासी माहौल में एक बड़े बदलाव को दर्शाती है।

आईएमएफः मध्य पूर्व संघर्ष 2027 तक जारी रहा तो वैश्विक आर्थिक प्रभावों पर और गंभीर असर पड़ेगा

एजेंसी ■ बीजिंग

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने 4 मई को अमेरिकी थिंक टैंक मिल्केन इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में कहा कि यदि मध्य पूर्व संघर्ष 2027 तक जारी रहता है और तेल की कीमतें लगभग 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच जाती हैं, तो इससे कीमतों और आर्थिक विकास पर प्रभाव और भी बढ़ जाएगा।

जॉर्जीवा ने कहा कि मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण आईएमएफ द्वारा इस वर्ष वैश्विक आर्थिक विकास में 3.1% की मंदी और 4.4% मुद्रास्फीति दर के पहले के पूर्वानुमान अब तर्कसंगत नहीं रह गए हैं।`उन्होंने चेतावनी दी कि हालांकि दीर्घकालिक मुद्रास्फीति की उम्मीदें स्थिर बनी हुई हैं और वित्तीय स्थितियां सख्त नहीं हुई हैं, लेकिन संघर्ष जारी रहने पर इनमें बदलाव आ सकता है।

जॉर्जीवा ने कहा कि यदि संघर्ष 2027 तक जारी रहता है और तेल की कीमतें लगभग 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच जाती हैं, तो और भी बुरे परिणाम अपेक्षित हैं। मुद्रास्फीति बढ़ेगी और मुद्रास्फीति की उम्मीदें अनिवार्य रूप से अनियंत्रित हो जाएंगी

जॉर्जीवा ने कहा कि यदि संघर्ष 2027 तक जारी रहता है और तेल की कीमतें लगभग 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच जाती हैं, तो और भी बुरे परिणाम अपेक्षित हैं। मुद्रास्फीति बढ़ेगी और मुद्रास्फीति की उम्मीदें अनिवार्य रूप से अनियंत्रित हो जाएंगी।

झारखंड में मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ खोला मोर्चा, सरकार के फैसलों पर उठाए सवाल

रांची। झारखंड सरकार में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राधाकृष्ण किशोर ने एक बार फिर पार्टी नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने पार्टी के प्रदेश प्रभारी के राजू को संबोधित करते हुए सोशल मीडिया पर एक खुला पत्र जारी किया है, जिसमें न सिर्फ संगठन की कार्यशैली की तीखी आलोचना की है, बल्कि राज्य सरकार के कई फैसलों पर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं।

किशोर ने अपने पत्र में साफ शब्दों में कहा कि यदि पार्टी राज्य के ज्वलंत मुद्दों पर चुप्पी साधे रखेगी तो संगठन का विस्तार या पदाधिकारियों की संख्या बढ़ाने का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। उन्होंने हाल ही में घोषित 300 से अधिक पदाधिकारियों वाली प्रदेश कांग्रेस कमेटी पर तंज कसते हुए कहा कि इसे 314 से बढ़ाकर 628 भी कर दिया जाए, तब भी जमीन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा, जब तक पार्टी जनता से जुड़े मुद्दों पर मुखर नहीं होती।

उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड कांग्रेस नेतृत्व राज्य के महत्वपूर्ण सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर लगातार मौन है। महिला आरक्षण विधेयक पर राहुल गांधी के राष्ट्रीय स्तर पर उठाए गए सवालों को राज्य स्तर पर प्रभावी तरीके से मुद्दा नहीं बनाए जाने पर भी उन्होंने नाराजगी जताई। उनका कहना है कि केवल कांग्रेस भवन में प्रेस कांफ्रेंस कर देने से महिलाओं तक संदेश नहीं पहुंचता। किशोर ने राज्य सरकार के फैसलों पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) से मगही और भोजपुरी भाषाओं को हटाने के सरकार के निर्णय को गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि इस पर प्रदेश कांग्रेस की चुप्पी समझ से परे है। उन्होंने अनुसूचित जाति से जुड़े मुद्दों का भी जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में लगभग 50 लाख एससी आबादी होने के बावजूद अनुसूचित जाति आयोग और परामर्शदात्री परिषद को पुनर्जीवित करने की मांग पर सरकार की ओर कोई पहल नहीं हुई।

मंत्री ने कानून-व्यवस्था के मामलों को उठाते हुए हजारीबाग के विष्णुगढ़ में नाबालिग के साथ दुष्कर्म और तीन अल्पसंख्यकों की हत्या की घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने सवाल किया कि इन मामलों में प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व की सक्रियता क्यों नहीं दिखी। किशोर ने संगठन में सामाजिक प्रतिनिधित्व को लेकर भी पारदर्शिता की मांग की। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष से सार्वजनिक तौर पर यह स्पष्ट करने को कहा कि नई कमेटी में दलित, पिछड़े, आदिवासी, अल्पसंख्यक और सामान्य वर्ग के नेताओं को कितनी भागीदारी दी गई है।

उन्होंने अपने पत्र में यह भी कहा कि पार्टी हित में उठाए गए सवालों को पार्टी विरोधी नहीं माना जाना चाहिए।

नमो भारत ने पार किया 3 करोड़ कम्यूटर ट्रिप्स का आंकड़ा

गाजियाबाद । दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर ने क्षेत्रीय परिवहन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 3 करोड़ कम्यूटर ट्रिप्स का आंकड़ा पार कर लिया है। कॉरिडोर के संपूर्ण खंड के परिचालन शुरू होने के कुछ ही महीनों के भीतर यह उपलब्धि हासिल होना इसकी बढ़ती लोकप्रियता और यात्रियों के भरोसे को दर्शाता है।

पिछले दो वर्षों में नमो भारत ने तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुविधा प्रदान कर एनसीआर के लाखों यात्रियों को आकर्षित किया है।

22 फरवरी को प्रधानमंत्री द्वारा मेरठ मेट्रो के साथ पूरे कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित किए जाने के बाद से राइडरशिप में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। वर्तमान में सामान्य दिनों में लगभग 90 हजार से 1.14 लाख यात्री प्रतिदिन इस सेवा का उपयोग कर रहे हैं, जबकि रविवार को यह संख्या करीब 85 हजार रहती है।

नमो भारत सेवा की शुरुआत 21 अक्टूबर 2023 को साहिबाबाद से दुहाई डिपो के बीच 17 किलोमीटर लंबे प्राथमिक खंड से हुई थी। शुरुआती दौर में ही यात्रियों का अच्छा रुझान देखने को मिला। इसके बाद मार्च 2024 में मोदीनगर नॉर्थ और अगस्त 2024 में मेरठ साउथ तक विस्तार किया गया, जिससे परिचालित नेटवर्क 42 किलोमीटर तक पहुंच गया। दिसंबर 2024 तक मासिक राइडरशिप लगभग 7 लाख तक पहुंच गई थी।

जनवरी 2025 में न्यू अशोक नगर से साहिबाबाद के बीच 13 किलोमीटर लंबे दिल्ली खंड के जुड़ने से यात्रियों की संख्या में बड़ा उछाल आया। आनंद विहार जैसे मल्टी-मॉडल हब के विकसित होने से दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों के लिए कनेक्टिविटी आसान हुई।

भोपाल रेल मंडल में चेन पुलिंग करने पर 440 लोगों पर कार्रवाई

भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल रेल मंडल में रेल यातायात को निर्बाध गति से जारी रखने के लिए रेल प्रशासन की ओर से कदम उठाए गए हैं। चेन पुलिंग करने वाले 440 लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है।

रेल प्रशासन की ओर से दी गई आधिकारिक जानकारी में बताया गया है कि रेल सुरक्षा और संचालन में व्यवधान को रोकने के लिए रेलवे सुरक्षा बल ने ट्रेनों में अलार्म चेन पुलिंग की घटनाओं को रोकने के लिए कई कठोर कदम उठाए हैं। अलार्म चेन का गलत उपयोग न केवल ट्रेन संचालन में देरी का कारण बनता है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी खतरा उत्पन्न करता है।

रेलवे अधिनियम की धारा 141 के तहत ट्रेनों में बिना उचित और पर्याप्?त कारण के चेन पुलिंग किया जाना अपराध है। ऐसा करते पाए जाने पर एक वर्ष तक कारावास या एक हजार रुपए तक के जुर्माने या दोनों से दंडित किया जा सकता है।

भोपाल मंडल द्वारा इस वित्तीय वर्ष के प्रथम माह अप्रैल, 2026 में रेलवे अधिनियम की धारा 141 के तहत कुल 440 मामले दर्ज कर न्?यायालय के माध्?यम से 62,150 रुपए का जुर्माना वसूल किया गया। भोपाल मंडल सभी रेल उपयोगकर्ताओं के लिए बेहतर यात्री सुविधाओं को उपलब्ध कराने के क्षेत्र में निरंतर प्रयासरत है।

इन्हीं प्रयासों के क्रम में, मंडल के वाणिज्य विभाग एवं रेलवे सुरक्षा बल द्वारा बिना उचित कारण के अलार्म चेन खींचने वालों के विरुद्ध निरंतर सघन चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। रेल प्रशासन ने यात्रियों से कहा कि बिना उचित एवं पर्याप्त कारण के चेन पुलिंग न करें। ऐसा करना दंडनीय अपराध है। ऐसा करने से ट्रेन की समय पालनता प्रभावित होती है, अन्य यात्रियों को परेशानी होती है, और रेलवे को आर्थिक नुकसान होता है।

सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि रेलवे सुरक्षा बल यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है ।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री ने भाजपा नेता के मौत की निष्पक्ष जांच का दिया आश्वासन

अगरतला। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने मंगलवार को कहा कि पुलिस भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) नेता राहुल किशोर रॉय की मौत की निष्पक्ष जांच के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी। रॉय का शव उत्तरी त्रिपुरा जिले में उनके आवास के बाथरूम में मिला था।

गृह विभाग का प्रभार भी संभाल रहे मुख्यमंत्री ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि उनकी (रॉय की) पत्नी द्वारा लगाए गए आरोपों की पूरी और निष्पक्ष जांच की जाएगी और कानून के अनुसार उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री साहा ने अपने सोशल मीडिया बयान में कहा कि धर्मनगर में युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष राहुल किशोर रॉय के असामयिक निधन से मैं अत्यंत दुखी हूं। मैं उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं और उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि धर्मनगर नगर परिषद के पार्षद और युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष, 38 वर्षीय रॉय मंगलवार सुबह अपने आवास पर रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाए गए।

यह घटना 4 मई को धर्मनगर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार की जीत की घोषणा के एक दिन बाद हुई, जिससे व्यापक संदेह और चिंता का माहौल बन गया।

इस घटना ने अगरतला के बाद दूसरे सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र धर्मनगर कस्बे में तीव्र राजनीतिक और सामाजिक अशांति को जन्म दिया।

पार्टी कार्यकर्ता, समर्थक और स्थानीय निवासी दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और उन्हें कड़ी सजा देने की मांग करते हुए सड़कों पर उतर आए।

प्रदर्शनकारियों ने धर्मनगर की प्रमुख सड़कों को अवरुद्ध कर दिया, जिससे स्थिति और बिगड़ गई।

धर्मनगर नगर परिषद के अध्यक्ष, कई पार्षदों, आम जनता और रॉय के पड़ोसियों ने भी प्रदर्शन में भाग लिया।

लंबे समय तक चले नाकाबंदी के कारण यातायात पूरी तरह ठप हो गया और यात्रियों को भारी असुविधा हुई।

रॉय का शव मंगलवार सुबह उनके आवास के बाथरूम से बरामद किया गया। हालांकि मृत्यु का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं है, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अधिकारियों ने कहा कि घटना की सच्चाई का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार नहीं किया गया तो आंदोलन और तेज हो जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में फर्जी नियुक्ति घोटाला, स्वास्थ्य विभाग का कर्मचारी गिरफ्तार

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर में फर्जीवाड़े और अवैध नियुक्तियों के लंबित मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जम्मू-कश्मीर पुलिस की क्राइम ब्रांच ने स्वास्थ्य विभाग के एक सरकारी कर्मचारी को गिरफ्तार किया है।

क्राइम ब्रांच जम्मू के अधिकारियों के मुताबिक, आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) कश्मीर ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। यह गिरफ्तारी वर्ष 2017 में दर्ज एफआईआर के तहत की गई है। यह मामला पहले पुलिस स्टेशन क्राइम ब्रांच कश्मीर में दर्ज था, जिसे अब ईओडब्ल्यू कश्मीर के रूप में नामित किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान श्रीनगर के टंकीपोरा, शहीद गंज निवासी शहनवाज अहमद मीर के रूप में हुई है, जो स्वास्थ्य विभाग में सीनियर असिस्टेंट के पद पर कार्यरत है।

यह पूरा मामला तब सामने आया जब कश्मीर के डिप्टी डायरेक्टर हेल्थ सर्विसेज की ओर से एक शिकायत मिली। इसमें बताया गया था कि बडगाम के मझामा निवासी बशीर अहमद सोफी ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए हेल्थ एजुकेटर के पद पर नियुक्ति हासिल की थी। आरोप है कि उसने नकली ट्रांसफर ऑर्डर और फर्जी 'लास्ट पे सर्टिफिकेट' प्रस्तुत कर सरकारी नौकरी पाई।

जांच में सामने आया कि बशीर अहमद सोफी ने बारामुला के ब्लॉक शीरी में अवैध रूप से नौकरी हासिल की और लंबे समय तक वेतन भी लिया, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचा। इसी जांच के दौरान शहनवाज अहमद मीर की भूमिका भी उजागर हुई, जिसे इस पूरे फर्जीवाड़े में सहयोगी या कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि शहनवाज एक आदतन आरोपी है और इस तरह के कई मामलों में उसकी संलिप्तता पहले भी सामने आ चुकी है। कुछ मामलों में जांच जारी है, जबकि कुछ में चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है।

फिलहाल पुलिस इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है, ताकि इस घोटाले से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा सके।

राजस्थानः बांसवाड़ा की माही नदी में नाव पलटने से हुआ हादसा, दो लोग लापता

बांसवाड़ा। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में मंगलवार को माही नदी में एक नाव पलटने से बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में दो लोग लापता हो गए, जिनमें एक आठ साल का बच्चा भी शामिल है।

अधिकारियों ने बताया कि नाव में सवार 10 लोगों में से आठ लोग, जिनमें नाविक भी शामिल है, तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए।

यह घटना लगभग दोपहर 3 बजे अर्थुना थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस के अनुसार, नाव नदी किनारे से लगभग 200 मीटर दूर पलट गई। लापता लोगों की पहचान 21 वर्षीय जयेश और 8 वर्षीय मानव के रूप में हुई है।

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है, जिसमें पुलिस, सिविल डिफेंस और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें मौके पर तैनात हैं।

स्थानीय गोताखोर और ग्रामीण भी खोज अभियान में मदद कर रहे हैं।

बांसवाड़ा एसपी सुधीर जोशी ने बताया कि पुलिस बल एसडीआरएफ की टीमें लगातार लापता लोगों की तलाश कर रही हैं।

करीब 10 सदस्यों की एक टीम दो नावों की मदद से रात तक सर्च ऑपरेशन चला रही है।

स्थानीय मछुआरों को भी अभियान में शामिल किया गया है ताकि लापता लोगों और डूबी हुई नाव का पता लगाया जा सके, जिसे अभी तक बरामद नहीं किया गया है।

जानकारी के अनुसार, सभी यात्री भानो का पाड़ा गांव के रहने वाले थे और वे संगमेश्वर महादेव मंदिर में पूजा करने गए थे। पूजा के बाद वे नदी में नाव की सवारी करने गए, तभी यह हादसा हो गया।

बताया गया है कि नाविक घटना के बाद मौके से फरार हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, किसी भी यात्री को लाइफ जैकेट नहीं दी गई थी।

अधिकारियों को संदेह है कि नाव में क्षमता से अधिक लोग सवार थे, जिससे यह हादसा हुआ। यह दुर्घटना उस स्थान पर हुई है जहां माही, अनास और जाखम नदियों का संगम होता है।

इंदौर में 9 से 13 जून तक होगा ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों का सम्मेलन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गर्व का विषय है कि ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों का सम्मेलन 9 से 13 जून तक इंदौर में होने जा रहा है। विश्व की प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के इस समूह को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अधिक सशक्त बनाया जा रहा है। सदस्य देशों के बीच आर्थिक सहयोग, व्यापार और भू-राजनीतिक संवाद को बढ़ाना ब्रिक्स आंदोलन का उद्देश्य है।

ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, युगांडा, मिस्त्र, सऊदी अरब, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड ,संयुक्त अरब अमीरात, कोलंबिया, इंडोनेशिया आदि 21 देश के मंत्री सम्मेलन में शामिल होंगे। सम्मेलन में वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक, नीति निर्धारक आदि भी सहभागिता करेंगे। यह पांच दिवसीय सम्मेलन पूर्ण गरिमा और गौरव के साथ हो, यह राज्य सरकार का दायित्व है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह जानकारी मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में दी।

सीएम मोहन यादव ने बताया कि खरगोन के जलूद में मेगा सोलर पॉवर प्लांट का लोकार्पण किया गया है। पीपीपी मोड पर 271 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित 60 मेगावाट क्षमता का यह पावर प्लांट नगर निगम इंदौर द्वारा ग्रीन बॉन्ड स्कीम के अंतर्गत लगाया गया है।

उन्होंने बताया कि जन भागीदारी से संचालित इस योजना में एक-एक लाख रुपए तक के 10 बॉन्ड तक लेने की अनुमति थी। इस पर वार्षिक 8.27 प्रतिशत की दर से ब्याज दिया जाएगा। परियोजना की लागत 8 साल में प्राप्त हो जाएगी, यह परियोजना 20 साल तक कार्यरत रहेगी। इससे लगभग 35 से 60 करोड़ रुपए तक की बचत नगर निगम इंदौर को होगी। इस परियोजना से जन भागीदारी के माध्यम से आय प्राप्त करने के अवसर भी जन सामान्य को प्राप्त हुए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण को अपने-अपने प्रभार के जिलों में नगरीय निकायों तथा अन्य संस्थाओं के माध्यम से सौर ऊर्जा आधारित इस प्रकार की परियोजनाओं की स्थापना और संचालन को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का ढाई वर्ष का कार्यकाल पूर्ण हो रहा है। 8 से 10 मई के बीच विभागवार मंत्रीगण और विभागीय अधिकारियों के साथ चर्चा का कार्यक्रम निर्धारित किया जा रहा है। इसमें मंत्री गण अपने विभाग और अपने प्रभार के जिले की उपलब्धियां, नवाचार, आगे की कार्य योजना और चुनौतियों के बारे में जानकारी देंगे।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने निर्देश दिए कि जिला विकास समितियों की बैठक 12 मई के पहले प्रभार के जिले में अनिवार्य रूप से आयोजित की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य शासन द्वारा प्रदेश के विभिन्न निगम/मंडलों में अशासकीय नियुक्तियां एवं नामांकन किए गए हैं। अपने-अपने विभाग में मंत्रीगण इन सभी का मार्गदर्शन एवं उन्मुखीकरण करें। राज्य स्तर पर भी इन सभी का एक दिवसीय उन्मुखीकरण आयोजित किया जाए।

उन्होंने बताया कि भोपाल में 30 अप्रैल को किसानों के सशक्तिकरण और उनकी आय वृद्धि के उद्देश्य से कृषि कर्मयोगी उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला के सभी 55 जिले, विकासखंड, क्लस्टर लेवल और ग्राम पंचायतों से कृषि से जुड़े 16 विभागों के 1627 चुनिंदा अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गेहूं उपार्जन के संबंध में बताया कि 19 लाख किसानों का पंजीयन किया जा चुका है। उपार्जन की अद्यतन स्थिति 41 लाख मीट्रिक टन है, जिसके लिए 6520 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। अब तक 14.70 लाख स्लाट बुकिंग कृषकों द्वारा की गई है। विक्रेता कृषकों की संख्या 7 लाख 77 हजार है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने काशी विश्वनाथ मंदिर वाराणसी में वैदिक घड़ी का अवलोकन किया। उन्होंने घड़ी के डिजिटल फलक पर प्रदर्शित हो रहे भारतीय पंचांग, मुहूर्त और ग्रह-नक्षत्रों की गणना की सराहना करते हुए इसे आधुनिक तकनीक और प्राचीन ज्ञान का अद्भुत संगम बताया।

पीएम मोदी द्वारा वर्ष 2024 में कालगणना केंद्र महाकाल की नगरी उज्जैन में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी स्थापना की गई थी।

संक्षिप्त खबरें

छत्तीसगढ़ में आंधी-तूफान और गरज-चमक के साथ हुई झमाझम बारिश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदल गया है। राजधानी रायपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, गरियाबंद, कांकेर, रायपुर और बिलासपुर समेत कई जिलों में आंधी-तूफान और गरज-चमक के साथ ही झमाझम बारिश हो रही है, जिससे लोगों को गर्मी और तेज धूप से राहत मिली है। बारिश के कारण तापमान में भी गिरावट आ गई है और ऐसे में मौसम खुशनुमा हो गया है।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में बदला मौसम का मिजाज

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में पिछले तीन दिनों से मौसम के मिजाज में बदलाव जारी है। दोपहर बाद बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिल रही है। मंगलवार दोपहर बाद भी मौसम का मिजाज बदल गया और आंधी-तूफान के साथ बारिश हो रही है, जिससे साप्ताहिक बाजार अस्त व्यस्त हो गया है। दुकानदारों की दुकानें बारिश से खराब हो गई। साथ ही बारिश से मौसम खुशनुमा हो गया है।

गरियाबंद में हुई बे-मौसम बारिश

गरियाबंद में भी तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हो रही है, जिससे लोगों को गर्मी से भारी राहत मिली है। वहीं बारिश के बाद मौसम भी खुशनुमा हो गया है, लेकिन इस बारिश से तेंदूपत्ता को भारी नुकसान हो सकता है। इसको लेकर अब ग्रामीणों के माथे पर चिंता की लकीरें हैं।

चारामा में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

कांकेर जिले के चारामा में मंगलवार दोपहर बाद मौसम का मिजाज बदल गया और तेज आंधी-तूफान के साथ झमाझम बारिश हुई। करीब एक घंटे की इस बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। तेज हवाओं और बारिश के कारण बिजली व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। कई इलाकों में बिजली आपूर्ती ठप हो गई है। कई जगहों पर पेड़ गिरने से सामान खराब होने की भी खबर सामने आई है।

अगले तीन दिन कैसा रहेगा मौसम ?

मौसम विभाग ने अगले 3 दिनों में पूरे छत्तीसगढ़ में तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई है। साथ ही अधिकतम तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। इसके बाद तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि होने के आसार है।

समर कोचिंग कैंप 2026 का भव्य शुभारंभ

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के स्कूल ऑफ स्टडीज इन फिजिकल एजुकेशन द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान विद्यार्थियों एवं युवाओं के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए समर कोचिंग कैंप 2026 का सफल आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप 1 मई 2026 से 31 मई 2026 तक प्रतिदिन प्रात: 06:30 बजे से 08:30 बजे तक संचालित हो रहा है।

इस कैंप का उद्देश्य युवाओं को खेलों के माध्यम से शारीरिक दक्षता, मानसिक सशक्तिकरण तथा अनुशासन की भावना विकसित करना है। 'कौशल से सफलता तक - हर कदम, एक नई उड़ान' के मूलमंत्र के साथ यह आयोजन प्रतिभागियों को एक सशक्त मंच प्रदान कर रहा है।

उपलब्ध खेल एवं गतिविधियाँ

समर कोचिंग कैंप में विभिन्न खेलों एवं फिटनेस गतिविधियों का समावेश किया गया है, जिनमें शामिल हैं: क्रिकेट, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, कबड्डी, मार्शल आर्ट, फिटनेस ट्रेनिंग, योग इन सभी खेलों का प्रशिक्षण अनुभवी एवं विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा आधुनिक तकनीकों के माध्यम से दिया जा रहा है।

प्रमुख विशेषताएँ

एक्सपर्ट कोचिंग - अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण
आधुनिक सुविधाएँ - उन्नत खेल संसाधन एवं उपकरण
संपूर्ण शारीरिक विकास - फिटनेस, स्टैमिना एवं कौशल विकास
अनुशासन एवं टीम वर्क -

इस कैंप का मुख्य उद्देश्य प्रतिभाओं को सही दिशा देना तथा युवाओं को स्वस्थ, अनुशासित एवं आत्मनिर्भर बनाना है। खेलों के माध्यम से न केवल शारीरिक क्षमता बढ़ती है, बल्कि नेतृत्व क्षमता, टीम भावना एवं मानसिक दृढ़ता का भी विकास होता है।

'प्रतिभा को मिले सही दिशा, फिटनेस से बनेगा बेहतर भविष्य' — इसी सोच के साथ यह कैंप युवाओं को उनके सपनों को साकार करने की दिशा में प्रेरित कर रहा है।

पद्मश्री फूलबासन बाई के अपहरण की कोशिश नाकाम, आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव। राजनांदगांव की शान और पद्मश्री से सम्मानित फूलबासन बाई के अपहरण की एक सनसनीखेज कोशिश का मामला सामने आया है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घटना में शामिल बेमेतरा की दो महिलाओं और कार सवार अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

यह घटना छत्तीसगढ़ की एक प्रतिष्ठित महिला हस्ती की सुरक्षा से जुड़ी है, जिसने प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की मिसाल पेश की है। राजधानी से सटे जिलों में इस तरह की वारदात सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है और स्थानीय समुदाय के बीच चिंता का विषय है।

दिनदहाड़े अपहरण का प्रयास: मुंह और हाथ बांधने की कोशिश

मिली जानकारी के अनुसार, बेमेतरा से आई दो महिलाओं और कार में सवार दो अन्य लोगों ने

पद्मश्री फूलबासन बाई को जबरन अगवा करने का प्रयास किया। अपहरण के दौरान आरोपियों ने अत्यंत हिंसक रुख अपनाते हुए फूलबासन बाई के दोनों हाथ और मुंह बांधने की भी कोशिश की, ताकि वे शोर न मचा

हालांकि, यह प्रयास विफल रहा और घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई। सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपियों को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर इस हमले के पीछे के उद्देश्यों का खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है।

पुलिस आरोपियों से कड़ी पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस अपहरण के प्रयास के पीछे कोई बड़ी साजिश या पुरानी रंजिश तो नहीं थी। जल्द ही पुलिस प्रशासन इस मामले में औपचारिक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर विस्तृत खुलासा कर सकता है।

नशा तस्करी, दुष्कर्म और जानलेवा मामले में दोषियों को अदालत ने दी सजा

छत्तीसगढ रायपुर, की विशेष अदालतों में मंगलवार को अलग-अलग गंभीर मामलों में सुनाए गए फैसलों ने अपराधियों के खिलाफ न्यायपालिका के सख्त रुख को स्पष्ट कर दिया। विशेष न्यायाधीश पंकज कुमार सिन्हा की अदालत ने नशा तस्करी, दुष्कर्म और जानलेवा हमले जैसे चार अलग अलग मामलों में आरोपियों को कठोर दंड सुनाते हुए कानून का मजबूत संदेश दिया। एनडीपीएस एक्ट के तहत पहले मामले में थाना आजाद चौक पुलिस द्वारा पकड़े गए ओडिशा निवासी सूरज सरदार और रंजन मंडल को 11 किलो 600 ग्राम गांजा तस्करी का दोषी पाया गया. दोनों को 10 - 10 वर्ष के कठोर कारावास और एक - एक लाख रुपये जुर्माने की सजा दी गई. वहीं टिकरापारा क्षेत्र में प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सिरप की अवैध तस्करी करने वाले कपिल सांखला और तनवीर खान को 15 - 15 वर्ष के कठोर कारावास तथा डेढ़-डेढ़ लाख रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया।

व्यावसायिक परीक्षा मंडल का हुआ विलय

रेणू पिल्ले बनी प्रथम अध्यक्ष

रायपुर। राज्य शासन ने 'छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल' के गठन का आदेश जारी किया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार अब 'छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल' का विलय नए कार्मिक चयन मंडल में किया गया है। राज्य शासन के आदेश में भारतीय राष्ट्रवादी सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी रेणू पिल्ले (1991 बैच) को आगामी आदेश तक छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल का अस्थायी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वर्तमान में वे छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल के अध्यक्ष के रूप में कर्मचारी वलय और छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के अतिरिक्त सहायक भी बने हुए हैं। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि नई जिम्मेदारी के साथ रेणू पिल्ले माध्यमिक शिक्षा मंडल के अतिरिक्त प्रावधानों का कार्य भी यथावत जारी करेगी। इस निर्णय के बाद राज्य में भर्ती एवं चयन प्रक्रिया से जुड़े सभी कार्य अब नए सिरे से गठित मंडल के अधीन संचालित होंगे।

टूरिज्म बोर्ड की महिला अधिकारी से फोन पर हुई अश्लीलता

रायपुर। टूरिज्म बोर्ड की महिला अधिकारी से फोन पर सेक्स की डिमांड की गई है। आरोप है कि अज्ञात नंबर से कॉल आया, शख्स महिला से उनके निजी जीवन के बारे में पूछने लगा। उससे संबंध बनाने की बात कही।

महिला ने विरोध किया तो गाली-गलौज की। इसके बाद व्हाट्सऐप पर अपनी न्यूड फोटो भी भेजी। महिला अधिकारी ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अश्लील कॉल करने और आपत्तिजनक फोटो भेजने की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने पीड़िता के शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है।झ टिकरापारा पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने बताया कि 30 अप्रैल की सुबह एक अज्ञात नंबर से उन्हें कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने आपत्तिजनक बातें करते हुए पीड़िता के निजी जीवन से जुड़े सवाल पूछे और सेक्स की डिमांड की। महिला ने जब इसका

विरोध किया, तो आरोपी ने उसे गालियां देना शुरू कर दिया। इसके बाद 4 मई की सुबह फिर उसी नंबर से कॉल और व्हाट्सऐप मैसेज आने लगे। इस बार आरोपी ने अपनी नग्न तस्वीरें भेजकर महिला को मानसिक रूप से परेशान किया। पीड़िता के अनुसार इस घटना का असर उनकी निजी जिंदगी पर भी पड़ रहा है। इस तरह की हरकतों से वह मानसिक तनाव में हैं। उन्होंने पुलिस से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में महिला ने संबंधित मोबाइल नंबर भी पुलिस को सौंपा है, जिसके आधार पर जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि साइबर सेल की मदद से आरोपी की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

बिछड़ों को अपनो से पुलिस ने मिलाया

4056 गुमशुदा को ढूंढ निकाला

'ऑपरेशन तलाश' को मिली बड़ी सफलता

रायपुर। अपनों से बिछड़े लोग जब वापस परिजनों से मिले तो उनकी खुशियों का ठिकाना नहीं रहा। किसी का बेटा वापस मिला तो बच्चों को मां मिली। यह सब छत्तीसगढ़ पुलिस के विशेष प्रयासों से संभव हो सका। पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम के निर्देशन में छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा गुमइंसानों की पतासाजी हेतु 'ऑपरेशन तलाश' अभियान 1 से 30 अप्रैल, 2026 तक चलाया गया। इस अभियान के माध्यम से उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा कुल 4056 गुमशुदा लोगों को खोज निकाला गया है, जिसमें 545 गुमशुदा बच्चे और 3511 महिला एवं पुरुष शामिल हैं।

राज्य पुलिस द्वारा समय-समय पर गुमइंसानों की पतासाजी हेतु विशेष अभियान चलाये जाते हैं। इसी अनुक्रम में 'ऑपरेशन तलाश' का संचालन किया गया। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी जिलों में पुलिस अधीक्षकों और नामांकित नोडल अधिकारियों ने अभियान को गंभीरता से लेते हुए इसे प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया।अभियान के दौरान विशेष गठित पुलिस टीमों द्वारा हर संभावित स्थानों पर सघन तलाशी अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप एक माह के भीतर ही 75 बालक, 470 बालिका, 972 पुरुष एवं 2539 महिलाओं सहित 4056 गुमशुदा व्यक्तियों का पता लगाया गया।

इस अभियान की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि 182 गुमशुदा व्यक्तियों जिसमें बालक- 03, बालिका 63, पुरुष 13 एवं महिला 103 को अन्य राज्यों जैसे महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान, झारखंड, तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश से खोजकर वापस लाया गया। अभियान के दौरान दुर्ग 683, बिलासपुर 648 एवं रायपुर 426 के द्वारा सर्वाधिक गुम इंसान की पतासाजी कर इस अभियान की सफलता में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

पुलिस द्वारा सभी बरामद बच्चों, महिलाओं एवं पुरुषों को विधिवत उनके परिजनों से मिलाया गया, जिससे लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है। यह सफलता छत्तीसगढ़ पुलिस की संवेदनशीलता, प्रतिबद्धता और जवाबदेही का सशक्त उदाहरण है।

रायपुर नगर निगम में 4 माह से वेतन को तरसती हैं स्वच्छंदता दीदियां

रायपुर। नगर निगम में स्वच्छता की निगरानी वाली 150 स्वच्छता दीदियों को पिछले 4 महीने से वेतन नहीं मिला है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। इस मुद्दे को लेकर ग्रुप दीदियों के आदर्श ने नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी से मुलाकात कर अपना व्यथा सुनाया और जल्द भुगतान की मांग की।

राजधानी रायपुर में एक ओरास्वतंत्रता सर्वेक्षण चल रहा है, वहीं दूसरी ओर स्वतंत्रता के आधार पर बनी महिलाओं को अप्राप्त नगर निगम की भर्ती पर गंभीर सवाल उठाया गया है। इस

स्थिति से केवल शहर की सफाई व्यवस्था ही प्रभावित हो सकती है, बल्कि शासन की 'महतारी वंदन' जैसी महिला संवैधानिक मंजूरी के संबंध में भी भागीदारी पर प्रश्नचिह्न लगाती है।

वेतन की आस में स्वच्छता दीदियां: बेंचमार्क पर हकीकत

स्वच्छता दीदियों ने बताया कि वे सूखा और गंदा कूड़ा अलग करने से लेकर राजस्व तक के कार्य में नगर निगम का पूरा सहयोग करते हैं। इसके बावजूद उन्हें अपने हक के वेतन का महीनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। दीदियों के अनुसार, उन्होंने महामहिम से भी कई बार शिकायत की, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला।

बर्खास्त प्रोफेसर को जमीन की धोखाधड़ी में मिली जेल की सजा

कोरबा। जमीन के फर्जीवाड़े में न्यायालय ने सख्त रुख अपनाते हुए प्रो. सुरेशचंद्र तिवारी को दोषी करार दिया है। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश डॉ. ममता भोजवानी ने सुपर सेशन वारंट जारी कर आरोपी को सीधे जेल भेजने का आदेश दिया। इस फैसले के बाद न्यायालय से ही उन्हें जेल दाखिल कराया गया। कोरबा के केएन कॉलेज में पदस्थ रहे प्रोफेसर तिवारी को निचली अदालत में हुई सजा के बाद बर्खास्त कर दिया गया था।

कोर्ट ने उदारता से किया इंकार

न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए किसी प्रकार की नरमी उचित नहीं है। आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 420 के तहत 3 वर्ष के कठोर कारावास और 10,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है। साथ ही जुर्माना अदा न करने की स्थिति में अतिरिक्त 6 माह की सजा का प्रावधान भी रखा गया है।

पीड़ित को 25 लाख रुपये लौटाने के आदेश

कोर्ट ने धारा 357 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत पीड़ित जगदीश मिश्रा को राहत देते हुए आरोपी को 16.50 लाख रुपये की मूल राशि के साथ वर्ष 2016 से 6 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज सहित कुल 25.50 लाख रुपये तीन माह के भीतर चुकाने का आदेश दिया है। साथ ही भुगतान में देरी होने पर अतिरिक्त ब्याज भी देना

दूसरे की जमीन को पत्नी का बताकर बेचा

बिहार सरकार में अंडर सेक्रटरी के पद से रिटायर्ड सेवानिवृत्त जगदीश मिश्रा ने इस मामले में साल 2020 में पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करायी थी। उन्होने अपनी शिकायत में बताया था कि आरोपी प्रो. सुरेशचंद्र तिवारी ने अपनी पत्नी के नाम पर जमीन बताकर 12 डिसमील जमीन का सौदा किया और उनसे 16.50 लाख रुपये लेकर जमीन की रजिस्ट्री कर दी। इस दौरान पता चला कि जमीन प्रो तिवारी के नाम पर है ही नहीं।

इसके बाद जब पीड़ित ने अपने पैसे वापस मांगे, तो उसके साथ मारपीट और धमकी दी गई। इसके बाद मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई और जांच के बाद प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। पूर्व में इस मामले में निचली अदालत ने आरोपी सुरेशचंद्र तिवारी और उनकी पत्नी सुधा तिवारी को दोषी मानते हुए कारावास की सजा सुनाई। इसके बाद फरार पति पत्नी ने ऊंची अदालत से जमानत ले ली।

एक चौपाल ऐसा जहाँ खुशियों और तालियों की रही गूंज

लखपति दीदियों के हौसले की उड़ान देख गदगद हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, सबको और मेहनतकर अब करोड़पति बनने की राह पर चलने कहा

रायपुर। मई की तपती गर्मी में लगातार दूसरे दिन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय दूरस्थ गांवों के औचक दौरे पर रहे । कबीरधाम ज़िले के पंडरिया स्थित लोखान पंचायत में मुख्यमंत्री का आगमन हुआ । इस अवसर पर वे बैगा बाहुल्य कमराखोल में पीएम जनमन योजना के तहत हुए कार्यों का निरीक्षण किए और वहीं पास में आम के पेड़ों के नीचे अपनी चौपाल लगा लिए । अपने बीच मुख्यमंत्री को देख ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई । बीरनमाला, कमल के फूल से मुख्यमंत्री का आत्मीय अभिनंदन करते हुए ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे।

इस दौरान महतारी शक्ति को सामने बैठा देख मुख्यमंत्री ने पूछ लिया कितनी महतारी यहाँ लखपति हो गई हैं ? एक साथ अनेक हाथ

हवा में उठ गए । मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते सबको करोड़पति बनने की दिशा में आगे बढ़ने कहा । उन्होंने बारी- बारी से लखपति दीदियों से बातचीत की । यहाँ जंगल से बीन कर लाए महुआ और चार को मुख्यमंत्री साय को उपहार के रूप में देते हुए कुकदूर की लखपति दीदी श्रीमती कचरा तेलगाम ने मुख्यमंत्री से कहा कि महुआ का पौष्टिक लड्डू बनाकर खाइएगा , वरना मैं बना कर दूँगी । मुख्यमंत्री भी उनकी आत्मीयता देख भाव विभोर होकर मुस्कुराते हुए बोले कि घर जाकर बनवाकर खाऊँगा । कचरा तेलगाम दीदी आस पास के गांवों में बन रहे प्रधानमंत्री आवासों में सेंट्रिंग प्लेट लगाती हैं और इससे उन्हें एक साल में 80 हज़ार की आय हुई है । उन्होंने कहा कि आज चौपाल लगा देख वे साहस वहाँ पहुँची और मुख्यमंत्री के लिए भेंट स्वरूप जंगल से बीने महुआ और चार दी हैं।

वहीं डीलर दीदी रजमत बाई धुर्वे ने बताया कि वे प्रधानमंत्री आवासों के लिए मटेरियल सप्लाई का काम करती हैं । उन्हें सालाना 2.50 - 3 लाख का मुनाफा हुआ है। लखपति पशु सखी शिवरानी पटेल का कहना है कि समूह से जुड़ सीआईएफ से उन्होंने व्यवसाय के लिए ऋण लिया और अपने खेत में सब्जी- भाजी लगायी ।

एम्स रायपुर ने असंगत किडनी ट्रांसप्लांट कर रचा नया कीर्तिमान

रायपुर। मध्य भारत में ट्रांसप्लांट चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित करते हुए, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर ने सफलतापूर्वक अपना पहला असंगत किडनी ट्रांसप्लांट संपन्न किया है। चिकित्सा क्षेत्र की यह उपलब्धि उन अनगिनत मरीजों के लिए आशा की एक नई किरण लेकर आई है, जो उपयुक्त डोनर और ब्लड ग्रुप मेल न खाने के कारण लंबे समय से प्रतीक्षा सूची में थे।

यह जटिल प्रत्यारोपण भिलाई (सुपेला) के एक 30 वर्षीय युवक में किया गया, जो 'एंड स्टेज किडनी रोग' से ग्रसित होने के कारण विगत एक माह से डायलिसिस पर निर्भर था। मरीज का ब्लड ग्रुप O-

पॉजिटिव होने के कारण समान ब्लड ग्रुप का डोनर मिलना अत्यंत कठिन था। ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थिति में मरीज की 59 वर्षीय माता ने अंगदान का निर्णय लिया, जिनका ब्लड ग्रुप A-पॉजिटिव था। रक्त समूह की इस भिन्नता के बावजूद, अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीकों के माध्यम से इस ट्रांसप्लांट को संभव बनाया गया।

ट्रांसप्लांट से पूर्व मरीज को विशेष उपचार प्रक्रिया, जिसे 'डिसेंसिटाइजेशन' कहा जाता है, से गुजरना पड़ा। इसमें 'रित्वुक्सीमैब' दवा के प्रयोग के साथ-साथ पांच बार प्लाज्माफेरेसिस की प्रक्रिया अपनाई गई, ताकि मरीज के खून से डोनर के रक्त समूह के विरुद्ध काम करने वाली एंटीबॉडीज को हटाया जा सके।

'किसी राजनीतिक दल का सेवक नहीं': बंगाल के सीईओ का ममता बनर्जी को करारा जवाब

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार अग्रवाल ने मंगलवार को निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा के लिए काम करने के आरोपों को लेकर पलटवार किया। अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि वह एक लोक सेवक हैं और किसी राजनीतिक दल के सेवक नहीं हैं।

मीडिया से बात करते हुए अग्रवाल ने कहा कि (बंगाल के) मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जनता के लिए काम किया है। मैं यहां भाजपा या किसी अन्य पार्टी के लिए काम करने नहीं आया हूं।

उन्होंने आगे कहा कि मैंने यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण की है और अपनी योग्यता के बल पर यहां आया हूं। मैं यहां जनता के लिए काम करने आया हूं। मैं एक लोक सेवक हूं, किसी राजनीतिक दल, राजनीतिक व्यक्ति या राजनीतिक पद का सेवक नहीं।

बनर्जी के इस आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए कि मतगणना केंद्र के दौरे के दौरान उन्हें लात मारी गई, बंगाल के सीईओ ने ऐसी किसी औपचारिक शिकायत मिलने से इनकार किया।

उन्होंने कहा कि अगर उनके साथ मारपीट हुई होती तो सीसीटीवी फुटेज जरूर होता। अगर किसी पर हमला होता है, तो वह शिकायत दर्ज कराएगा।

इस बीच, तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने विधानसभा चुनाव परिणामों में चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा मतगणना में गड़बड़ी के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आरोप का समर्थन किया।

बीईएल को मिली 1,476 करोड़ रुपए की बड़ी डील, भारतीय सेना के लिए बनाएगी 5 मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), हैदराबाद के साथ भारतीय सेना के लिए पांच ग्राउंड-बेस्ड मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम की खरीद के लिए 1,476 करोड़ रुपए के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए, जिसमें कम से कम 72 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री शामिल है।

यह अनुबंध 'खरीद (भारतीय स्वदेशी डिजाइन, विकास और निर्माण)' श्रेणी के तहत किया गया, जिस पर राष्ट्रीय राजधानी में कर्तव्य भवन में रक्षा सचिव कुमार सिंह की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए।

बीईएल भारतीय सेना के लिए अत्याधुनिक स्वदेशी ग्राउंड-बेस्ड मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम का निर्माण करती है, जो इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर (ईडब्ल्यू), निगरानी और सुरक्षित टैक्टिकल कम्युनिकेशन पर केंद्रित होते हैं।

रक्षा मंत्रालय के बयान के अनुसार, यह सिस्टम भारतीय सेना की यूनिट्स को आधुनिक बनाएगा और देश के स्वदेशी रक्षा विनिर्माण इकोसिस्टम को भी मजबूत करेगा। यह अनुबंध प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के आत्मनिर्भर भारत और 'मेक इन इंडिया' पहल के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। ग्राउंड-बेस्ड मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम एक वाहन पर लगा इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म होता है, जिसे दुश्मन के रडार और इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल्स का रियल-टाइम में पता लगाने, उनका विश्लेषण करने और निगरानी के लिए डिजाइन किया जाता है। आमतौर पर इनमें हाई-सेंसिटिविटी रिसीवर्स, 360-डिग्री कवरेज और 3डी मैपिंग जैसी सुविधाएं होती हैं, जिससे युद्धक्षेत्र की स्थिति का तेजी से आकलन किया जा सकता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि सरकार ने रक्षा अनुसंधान को अपनी प्राथमिकताओं के केंद्र में रखा है और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) अब तक 2,200 तकनीकों को विभिन्न उद्योगों को हस्तांतरित कर चुका है।

भारतीय सेना द्वारा आयोजित नॉर्थ टेक सिम्पोजियम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में भविष्य के लिए तैयार रहने के लिए अनुसंधान पर लगातार ध्यान देना और सरप्राइज एलिमेंट बनाए रखना बेहद जरूरी है।

उन्होंने बताया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास बजट का 25 प्रतिशत हिस्सा उद्योग, अकादमिक संस्थानों और स्टार्टअप्स के लिए निर्धारित किया गया है और अब तक इन संस्थाओं ने 4,500 करोड़ रुपए से अधिक का उपयोग किया है। उन्होंने कहा कि सरकार के आत्मनिर्भरता के प्रयास सकारात्मक परिणाम दे रहे हैं, जहां वित्त वर्ष 2025-26 में देश का रक्षा उत्पादन 1.54 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जबकि रक्षा निर्यात 38,424 करोड़ रुपए के अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप शॉटगन : फाइनल में जगह बनाने से चूके भारतीय स्कीट शूटर

नई दिल्ली। इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप शॉटगन के दूसरे दिन, भारतीय स्कीट निशानेबाज पुरुष और महिला दोनों ही इवेंट्स के फाइनल में जगह बनाने से चूक गए। भारतीय खिलाड़ियों में ओलंपियन मिराज अहमद खान और रायजा ढिल्लों का प्रदर्शन सबसे शानदार रहा।

कजाकिस्तान स्थित अल्माटी में असानोव शूटिंग क्लब में जारी प्रतियोगिता में मिराज, जिन्होंने सोमवार को 75 में से 71 का स्कोर करके दूसरे दिन की शुरुआत 26वें स्थान पर की थी, उन्होंने आखिरी दो सीरीज में 23 और 25 का स्कोर किया। इसके साथ मिराज ने क्वालिफिकेशन राउंड कुल 119 अंकों के साथ 18वें स्थान पर समाप्त किया। रैंकिंग प्वाइंट्स के लिए खेल रहे भवतेग सिंह गिल दूसरे सबसे बेहतरीन खिलाड़ी रहे, जिन्होंने कुल 119 (24, 24, 23, 24, 24) का स्कोर किया और मिराज से एक स्थान नीचे 19वें स्थान पर रहे। ओलंपियन अनंतजीत सिंह नरूका ने चौथी सीरीज की शुरुआत पूरे 25 अंकों के साथ की और उसके बाद 23 अंकों की एक और सीरीज खेली। इस तरह उन्होंने इस सीजन का अपना पहला वर्ल्ड कप कुल 117 अंकों के साथ 38वें स्थान पर समाप्त किया।

इस मुकाबले में शामिल तीसरे भारतीय खिलाड़ी और नेशनल चैंपियन गुरजोत सिंह खंगुरा ने अपनी आखिरी दो सीरीज में 22 और 23 का स्कोर किया। इसके साथ ही वे कुल 115 अंकों के साथ 54वें स्थान पर रहे। रैंकिंग प्वाइंट्स के लिए खेल रहे अभय सिंह सेखों ने चौथी और पांचवीं सीरीज में 23 और 20 का स्कोर किया। इस तरह उन्होंने कुल 113 अंकों के साथ 71वां स्थान हासिल किया।

महिलाओं के इवेंट में, गनेमत सेखों, जो पहले दिन टॉप आठ स्थानों से ठीक एक स्थान नीचे थीं, अपनी आखिरी दो सीरीज में सिर्फ 22 और 20 का स्कोर ही कर पाईं, जिससे वे कुल 112 अंकों के साथ 33वें स्थान पर खिसक गईं। भारतीय एथलीट्स में रायजा ढिल्लों 115 (22, 23, 24, 23, 23) अंकों के साथ 17वें स्थान पर रहीं, जो सबसे अच्छा प्रदर्शन था। परिनाज धालीवाल ने आखिरी दो सीरीज में 24 और 22 का स्कोर करने के बाद 112 अंकों के साथ 32वें स्थान पर रहते हुए गनेमत से ठीक एक स्थान ऊपर फिनिश किया। रैंकिंग अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहीं वंशिका तिवारी 112 अंकों के साथ 29वें, जबकि रश्मि राठौर 102 अंकों के साथ 47वें पायदान पर रहीं।

झारखंड: पत्नी ने भाई और मायके वालों के साथ मिलकर कराई थी पति की हत्या, चार गिरफ्तार

सरायकेला। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में चर्चित बाया सरदार हत्याकांड में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि यह वारदात उसकी पत्नी सुनीता सरदार ने अपने भाई और अन्य परिजनों के साथ मिलकर अंजाम दी थी।

एसडीपीओ समीर सवैया ने मंगलवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला बाहरी साजिश का लग रहा था, लेकिन तकनीकी साक्ष्यों और मानवीय सूचनाओं के आधार पर जांच का दायरा घर के भीतर तक पहुंचा। इसके बाद पुलिस ने सुनियोजित तरीके से कार्रवाई करते हुए पत्नी सुनीता सरदार, उसके भाई सोमा मुंडा उर्फ लुबू मुंडा, बीर सिंह मुंडा और बिरा मुंडा को गिरफ्तार कर लिया।

विगत 2 मई की रात खरसावां थाना क्षेत्र के कांटाडीह गांव में बाया सरदार (41) की गला काटकर हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में मृतक के भाई सुखराम सरदार के बयान पर खरसावां थाना में मामला दर्ज किया गया था। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि आपसी रंजिश और पारिवारिक विवाद के चलते हत्या की साजिश रची गई थी। योजना के तहत वारदात को अंजाम देने के लिए धारदार हथियार फरसा का इस्तेमाल किया गया।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त खून से सना फरसा, वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी और चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। ये सभी सामान घटना की साजिश और क्रियान्वयन की पुष्टि करते हैं।

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी सोमा मुंडा का आपराधिक इतिहास रहा है। वह वर्ष 2019 में कुचाई थाना क्षेत्र में आर्म्स एक्ट और यूएपीए जैसे गंभीर मामलों में जेल जा चुका है। एसडीपीओ ने बताया कि इस पूरे मामले के खुलासे में खरसावां थाना प्रभारी गौरव कुमार और तकनीकी शाखा की टीम की अहम भूमिका रही। फिलहाल, सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

लगातार चौथे साल जहान हेमराजानी ने जीता ओ'पेन स्किफ अंडर-17 नेशनल टाइटल

मुंबई। जहान हेमराजानी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार चौथी बार ओ'पेन स्किफ अंडर-17 नेशनल टाइटल अपने नाम किया। जहान ने आठ रेसों में दबदबा बनाए रखा, जहां मौसम हल्की हवा से लेकर मध्यम ब्रीज और छोटे-बड़े वेव्स जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों वाला रहा।

जहान ने आठ में से सात रेस सीधे तौर पर जीतीं। पांचवें स्थान की पेनाल्टी को डिस्कार्ड करने के बाद उनका नेट स्कोर सिर्फ 7.0 अंक रहा, जो पूरे फ्लीट में सबसे बेहतरीन और सबसे साफ-सुथरी सीरीज स्कोरलाइन रही।

एक बहुत ही कड़े मुकाबले वाली रेस में, जिसमें फिनिश लाइन पर फैसला 'फोटो-फिनिश' जैसा था, जहान पीछे से आकर सबसे पहले फिनिश लाइन पार करने में कामयाब रहे, लेकिन लाइन पर मौजूद कमेटी बोट के निशान से टकराने की वजह से उन्हें पेनाल्टी मिली और उन्हें पांचवीं रैंक दी गई, लेकिन 'डिस्कार्ड रूल' (खराब स्कोर हटाने का नियम) की वजह से इसका असर नहीं पड़ा। जिस रेस में उन्होंने आगे निकलने के लिए इतनी जोरदार लड़ाई लड़ी और फिनिशिंग निशान से टकराने की वजह से नतीजा गंवा दिया।

पोषण पखवाड़ा 2026 : टॉप 5 में गुजरात, 73 लाख से अधिक गतिविधियां

गांधीनगर। गुजरात ने 'पोषण पखवाड़े' के 8वें संस्करण में देश में चौथा स्थान हासिल किया है। 9 से 23 अप्रैल तक चले इस अभियान के दौरान पूरे देश में हुई कुल गतिविधियों में गुजरात का योगदान 10 प्रतिशत से ज्यादा रहा।

आंकड़ों के मुताबिक, पखवाड़े भर चलने वाली पहल के दौरान पूरे राज्य में पोषण से जुड़ी 73.14 लाख गतिविधियां की गईं। राष्ट्रीय स्तर पर, गुजरात का हिस्सा कुल रिपोर्ट की गई गतिविधियों का 10.77 प्रतिशत रहा, जिससे यह 'राष्ट्रीय पोषण मिशन' के कार्यान्वयन में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों में शामिल हो गया।

यह अभियान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में चलाया गया और महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. मनीषा वकील की देखरेख में पूरा हुआ। अकेले महिला एवं बाल विकास विभाग ने ही 33.91 लाख गतिविधियां कीं, जो राज्य की कुल गतिविधियों का 46.36 प्रतिशत है।

इसके साथ ही, स्वास्थ्य, शिक्षा और पंचायत सहित 18 से ज?यादा विभागों ने विभिन्न प्रशासनिक स्तरों पर पहुंच बढ़ाने के लिए मिलकर काम किया। पोषण पखवाड़े के 2026 संस्करण का मुख्य विषय था, जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करना। यह पहल इस आधार पर थी कि किसी भी बच्चे के मस्तिष्क का लगभग 85 प्रतिशत विकास छह साल की उम्र तक हो जाता है। इसलिए, इसमें पोषण के साथ-साथ संज्ञानात्मक विकास पर ज्यादा जोर देते हुए बचपन की शुरुआती देखभाल पर विशेष ध्यान दिया गया। इस अभियान को पांच मुख्य स्तंभों पर आधारित किया गया था। इनमें गर्भवती महिलाओं के पोषण में सुधार, स्तनपान की प्रथाओं को मजबूत करना और शिशुओं के लिए उचित पूरक आहार सुनिश्चित करना शामिल था।

एडमिरल त्रिपाठी की अहम बैठक, भारत-म्यांमार नौसेना सहयोग को मजबूत करने पर जोर

नेप्यीडॉ। चीफ ऑफ नेवल स्टाफ (सीएनएस) एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने म्यांमार की राजधानी नेप्यीडॉ में म्यांमार नौसेना के कमांडर-इन-चीफ एडमिरल ह्टिन विन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच बढ़ते रिश्तों पर बात हुई। साथ ही समुद्री सहयोग बढ़ाने, ट्रेनिंग, क्षमता निर्माण, मोबाइल ट्रेनिंग टीम्स (एमटीटीएस), हाइड्रोग्राफी और आपसी तालमेल (इंटरऑपरेबिलिटी) को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'म्यांमार दौरे के दौरान चार मई को एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने नेप्यीडॉ में एडमिरल ह्टिन विन से मुलाकात की। वहां पहुंचने पर म्यांमार नौसेना ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। यह बैठक दोनों नौसेनाओं के रिश्तों को और मजबूत करने और बंगाल की खाड़ी में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है।'

उन्होंने कहा, 'दोनों पक्षों ने भारत-म्यांमार रिश्तों को और आगे बढ़ाने पर बात की। खास तौर पर समुद्री सहयोग, ट्रेनिंग, क्षमता निर्माण, मोबाइल ट्रेनिंग टीम्स, हाइड्रोग्राफी और आपसी तालमेल को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। बातचीत में समुद्री सुरक्षा से जुड़े साझा नजरिए और समुद्र में बढ़ते खतरों से मिलकर निपटने की जरूरत पर भी चर्चा हुई।'

एडमिरल त्रिपाठी ने सोमवार को म्यांमार के रक्षा मंत्री जनरल ह्टुन आंग से भी मुलाकात की और दोनों देशों के रिश्तों की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। एडमिरल त्रिपाठी का चार दिन का यह दौरा मंगलवार को खत्म होने वाला है।

वर्ल्ड हैंड हाइजीन डे: सही तरीके से हाथ धोना जरूरी, 'सुमंक' विधि करेगा संक्रमण से बचाव

नई दिल्ली। बढ़ता प्रदूषण, मौसम में बदलाव अपने साथ न जाने कितनी ही बीमारियों को लेकर आते हैं। हालांकि, कोविड-19 के बाद से पर्सनल हाइजीन को लेकर लोगों में जागरूकता भी बढ़ी है। फिर भी संक्रमण से फैलने वाली बीमारियां लगातार चुनौती बनी हुई हैं। हाथों की साफ-सफाई इन बीमारियों को रोकने में सबसे अहम भूमिका निभाती है। 'वर्ल्ड हैंड हाइजीन डे' के मौके पर नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) से 'सुमंक' विधि को समझें, जो हाथ धोने का आसान और प्रभावी तरीका है।

हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि सही तरीके से हाथ धोने की आदत डालकर कई बीमारियों को पनपने से रोका जा सकता है। यह सस्ता, आसान और सबसे प्रभावी उपाय है, जो परिवार के स्वास्थ्य की सुरक्षा करता है। 'वर्ल्ड हैंड हाइजीन डे' पर विशेषज्ञों का संदेश है कि बार-बार हाथ धोने की आदत डालें। खाना बनाने, खाने, बाथरूम इस्तेमाल करने, बाहर से आने या बच्चे को छूने के बाद जरूर 'सुमंक' विधि अपनाएं। स्वस्थ रहने के लिए छोटी-छोटी आदतें बहुत महत्वपूर्ण हैं।

सुमंक का तरीका जानने से पहले ये जानें कि 'सुमंक' क्या है? यह अंग्रेजी शब्द एसयूएमएएनके के अक्षरों से बना है। यह हाथ धोने की 6-स्टेप प्रक्रिया को याद रखने का एक आसान तरीका है।

एस (सीधा): सबसे पहले दोनों हथेलियों को साबुन लगाकर सीधे रखते हुए अच्छी तरह रगड़ें।

यू (उल्टा): हाथों को उल्टा करके भी दोनों तरफ से रगड़ें।

एम (मुट्ठी): मुट्ठी बंद करके हाथों को साबुन से अच्छी तरह घिसें।

ए (अंगूठा): अंगूठों को मुट्ठी में लेकर दोनों तरफ से रगड़ें।

एन (नाखून): नाखूनों को साबुन से अच्छी तरह साफ करें, क्योंकि यहां सबसे ज्यादा गंदगी और बैक्टीरिया छिपे रहते हैं।

के (कलाई): अंत में दोनों कलाइयों को भी अच्छी तरह रगड़कर साफ करें।

यूनिसेफ के अनुसार, इन 6 स्टेप्स को पूरा करने में कम से कम 40 सेकंड तक साबुन से हाथ धोने चाहिए। उसके बाद साफ बहते पानी से हाथ धोकर साफ तौलिए या एयर ड्रायर से सुखा लें। नेशनल हेल्थ मिशन के 'स्वच्छ हाथ, सुरक्षित जीवन' अभियान के तहत बताया गया है कि 'सुमंक' विधि बैक्टीरिया, वायरस और अन्य रोगजनकों को प्रभावी ढंग से हटाती है। इससे फ्लू, कोविड-19, डायरिया, पेट के संक्रमण जैसी बीमारियों से बचाव होता है। यह विधि खासकर बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर स्वास्थ्य वाले लोगों के लिए बहुत उपयोगी है। अस्पतालों में संक्रमण कम करने और रक्त प्रवाह सुधारने में भी यह मददगार साबित होती है।

भवानीपुर के निवासियों और मूर्तिकारों ने नई सरकार से समस्याओं को दूर करने की मांग की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद भवानीपुर के निवासियों ने आने वाली भाजपा सरकार से राहत, आशावाद और उम्मीदों का मिला-जुला भाव व्यक्त किया।

उन्होंने उन चुनौतियों का जिक्र किया, जिनका सामना वे वर्षों से कर रहे थे, और उन बदलावों की उम्मीद जताई जिन्हें वे अब देखना चाहते हैं। इनमें पारंपरिक मूर्ति बनाने वाले भी शामिल हैं।

मूर्तिकारों ने कहा कि उनकी आजीविका पर संकट मंडरा रहा था। इसके लिए उन्होंने मिट्टी जैसे कच्चे माल की आपूर्ति में रुकावट और संस्थागत सहयोग की कमी जैसी समस्याओं का हवाला दिया। कई लोगों ने आरोप लगाया कि अवसरों और लाभों तक पहुंच अक्सर राजनीतिक आज्ञापालन से जुड़ी होती थी।

एक निवासी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि हमने बहुत सारी समस्याओं का सामना किया है। कई बार तो मिट्टी की आपूर्ति भी रोक दी जाती थी। हमारे बच्चों को छोटे-मोटे काम दिए जाते थे, लेकिन तभी जब हम कुछ खास आदेशों का पालन करते थे। अब हम उम्मीद कर रहे हैं कि नई सरकार बिना किसी ऐसी शर्त के हमारे लिए काम करेगी। स्थानीय निवासियों ने चुनाव नतीजों को राज्य के लिए एक निर्णायक मोड़ बताया। एक अन्य निवासी ने कहा कि आज बंगाल के लिए एक नई सुबह है, और बंगाल की जनता ने सच्ची आजादी हासिल कर ली है।

संपादकीय

पत्रकारिता केवल माइक या कैमरे का खेल नहीं , हर हाथ में माइक, हर आवाज़ पत्रकार नहीं

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज के डिजिटल युग में सूचना का प्रवाह पहले से कहीं अधिक तेज़ और व्यापक हो चुका है। स्मार्टफोन और सस्ते इंटरनेट ने हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति का मंच दे दिया है। एक ओर यह लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है, वहीं दूसरी ओर यह स्थिति कई गंभीर चुनौतियाँ भी लेकर आई है। विशेषकर तब, जब कुछ लोग मात्र 100-200 रुपये के माइक और कैमरे के सहारे स्वयं को 'पत्रकार' घोषित कर लेते हैं और बिना किसी जिम्मेदारी के सूचनाएँ प्रसारित करने लगते हैं। यह समस्या केवल व्यक्तियों की नहीं, बल्कि उस सोच की है, जो पत्रकारिता को एक जिम्मेदार सामाजिक दायित्व की बजाय व्यूज़ और लाइक्स के खेल में बदल देती है।

डिजिटल मीडिया ने पत्रकारिता को लोकतांत्रिक बनाया है। अब केवल बड़े मीडिया हाउस ही सूचना के वाहक नहीं रहे, बल्कि आम नागरिक भी घटनाओं को रिकॉर्ड कर समाज के सामने ला सकते हैं। कई बार यही नागरिक पत्रकारिता उन मुद्दों को उजागर करती है, जिन्हें मुख्यधारा का मीडिया नजरअंदाज कर देता है। यह बदलाव लोकतंत्र के लिए शक्ति का स्रोत भी है, क्योंकि इससे आवाज़ों की विविधता बढ़ती है और सत्ता के हर स्तर पर जवाबदेही की मांग मजबूत होती है। लेकिन यही खुलापन जब बिना जिम्मेदारी के इस्तेमाल होता है, तो यही ताकत कमजोरी में बदल जाती है।

आज सोशल मीडिया पर 'वायरल' होना ही सफलता का पैमाना बन गया है। इस दौड़ में कुछ लोग विवाद, सनसनी और अधूरी जानकारी के सहारे लोकप्रियता हासिल करने की कोशिश करते हैं। वे जानते हैं कि तीखी भाषा, आरोप और उत्तेजना लोगों का ध्यान खींचती है, इसलिए वे तथ्यों की बजाय भावनाओं को उकसाने पर अधिक जोर देते हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि समाज में भ्रम फैलता है और सच-झूठ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है। लोग बिना पुष्टि किए ही किसी भी सूचना को सच मान लेते हैं, जिससे अफवाहें तेजी से फैलती हैं और उनका प्रभाव गहरा होता जाता है। इसका सीधा असर सरकारी संस्थाओं पर भी पड़ता है। सरकारी संस्थाएँ किसी भी राष्ट्र की प्रशासनिक रीढ़ होती हैं और उनका उद्देश्य जनसेवा है। यदि उनके बारे में गलत या भ्रामक जानकारी फैलती है, तो जनता का विश्वास कमजोर होता है। यह विश्वास किसी एक खबर से नहीं, बल्कि लगातार फैलती अधूरी या भ्रामक सूचनाओं से धीरे-धीरे क्षीण होता है। परिणामस्वरूप, लोग व्यवस्था पर संदेह करने लगते हैं, जो अनावश्यक टकराव और असंतोष को जन्म दे सकता है। यह भी उतना ही सच है कि सरकारी संस्थाएँ त्रुटिहीन नहीं हैं, लेकिन उनकी कमियों को उजागर करने का तरीका तथ्यपूर्ण और जिम्मेदार होना चाहिए, न कि केवल सनसनी के लिए।

हर छोटे माइक वाले व्यक्ति को 'नकली पत्रकार' कहना भी उतना ही गलत है, जितना हर वायरल खबर को सच मान लेना। पत्रकारिता का मूल्य उपकरणों से नहीं, बल्कि दृष्टिकोण, ईमानदारी और जिम्मेदारी से तय होता है। कई बार छोटे और स्वतंत्र पत्रकार ही जमीनी सच्चाई सामने लाते हैं, जबकि बड़े संस्थान भी कभी-कभी दबावों में चूक कर बैठते हैं। इसलिए समस्या को 'छोटे बनाम बड़े' के रूप में देखने के बजाय 'जिम्मेदार बनाम गैर-जिम्मेदार' के रूप में समझना अधिक उचित है। असली संकट पत्रकारिता के मूल्यों में गिरावट का है, जहाँ नैतिकता और तथ्य-जांच की जगह जल्दबाजी और लोकप्रियता ने ले ली है।

समाधान किसी एक कदम में नहीं छिपा है; यह सामूहिक प्रयास से ही संभव है। सबसे पहले समाज को मीडिया साक्षर बनना होगा, ताकि लोग हर सूचना को बिना जांचे-परखे स्वीकार न करें। उन्हें समझना होगा कि किसी खबर की विश्वसनीयता उसके स्रोत, प्रमाण और संदर्भ से तय होती है, न कि उसके वायरल होने से। साथ ही, फर्जी खबर फैलाने वालों पर सख्त और निष्पक्ष कार्रवाई भी जरूरी है, ताकि यह स्पष्ट संदेश जाए कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता नहीं है।

यह चुनाव भी सबक से कम नहीं

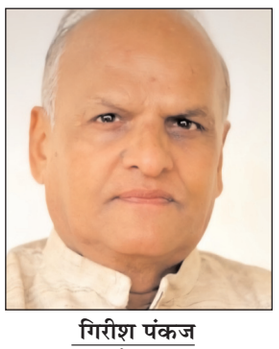

गिरीश पंकज

पांच राज्यों के चुनावी नतीजे किसी बड़े सबक से कम नहीं हैं. जनता बेवजह किसी दल को सत्ता से अपदस्थ नहीं करती. अगर करती है तो उसके पीछे सबसे बड़ा कारण यह होता है कि वह धीरे-धीरे जनमानस से दूर हो गई है. जनता के दिलों में राज करने वाली पार्टी लंबे समय तक सत्ता पर काबिज रहती है। लेकिन जैसे ही वह अराजक होती है, भ्रष्ट होती है, जनता परिवर्तन का मन बना लेती है. पश्चिम बंगाल में यही हुआ. तीन बार वहां राज करने वाली तृणमूल कांग्रेस का इस बार समूल नाश हो गया. इससे बुरी बात और क्या हो सकती है कि मुख्यमंत्री रहते हुए ममता बनर्जी बुरी तरह पराजित हुई। पंद्रह सालों के शासनकाल में टीएमसी से जुड़े अनेक लोगों का अराजक व्यवहार पश्चिम बंगाल के लोगों को रास नहीं आया. अनेक कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी खुलकर सामने आया करती थी. टीएमसी कार्यकर्ता सैयां भये कोतवाल तो फिर डर काहे का की मानसिकता के शिकार होकर नंगा नाच कर रहे थे। ममता बनर्जी जिस तरह से एक वर्ग विशेष को निरंतर तवज्जो दे रही थी,उसे देखते हुए एक बहुत बड़ा वर्ग उनसे नाराज भी था. पश्चिम बंगाल में हालात यह थी कि हिंदुओं को दुर्गा पूजा और काली पूजा करने के लिए हाई कोर्ट की शरण भी लेनी पड़ी थी. एक तरफ तीस प्रतिशत मतदाता थे, दूसरी तरफ सत्तर प्रतिशत मतदाता. वे निरंतर अन्याय के शिकार हो रहे थे.यही कारण रहा कि इस बार भारतीय जनता पार्टी ने ध्रुवीकरण की कोशिश की और बहुसंख्यक हिंदू मतदाताओं की सुप्त चेतन को जाग्रत करने में सफलता हासिल कर ली. और परिणाम सामने है.

संतुलित व्यवहार ज़रूरी

लोकतंत्र में संतुलित, निष्पक्ष और ईमानदार व्यवहार ही किसी दल को लंबे समय तक टिकाए रख सकता है। असम में भारतीय जनता पार्टी तीसरी बार सत्ता में आई,इसके पीछे वर्तमान मुख्यमंत्री हिमंत विस्व सरमा का व्यवहार भी था. जो नेता जनता से अधिक से अधिक जुड़ेगा,वह लोकप्रिय रहेगा। वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात में मुख्यमंत्री रहते हुए जनता से निरंतर कनेक्ट रहे, इसलिए हर बार वहां भाजपा विजयी होती रही. प्रधानमंत्री बनने के बाद भी नरेंद्र मोदी जनता के साथ निरंतर जुड़े रहे. उनकी अपनी विशेष शैली रही, जिसे लोगों ने पसंद किया। उनके कहने का तरीका, उनका समय सापेक्ष रहन-सहन लोगों को खूब पसंद आता रहा. पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान एक विवाह समारोह में अचानक पहुंच जाना, झालग्राम में रख कर अचानक झलमुरी खा लेना, यह सब उनकी चुनावी रणनीति का हिस्सा था. लेकिन जनता को यह सब अच्छा लगा. मोदी से विपक्षी चिढ़ते रहते हैं. समय-समय पर बदलती उनकी वेशभूषा को लेकर भी, या अचानक कोई अप्रत्याशित काम करने को लेकर, लेकिन यही राजनीति का सफल गुण है, जो मोदी से सीखना चाहिए. इसके लिए वैसा आत्मबल भी तो चाहिए। समय आने पर सफाई कर्मियों के पैर धोना भी कलेजे का काम है. इन्हीं सब कारणों से मोदी लोगों के दिलों पर राज करते हैं. छोटे-छोटे बच्चों को गले से लगा लेना, उन्हें प्यार करना ऐसे न जाने कितने दृष्टांत हैं जिसके कारण मोदी जनता में काफी लोकप्रिय हैं.इसलिए उनकी बातों को लोग ध्यान से सुनते हैं.प्रधानमंत्री अपने कार्यकर्ताओं के बीच भाषण देने आए, तो वह बंगाली शैली का धोती कुर्ता पहन कर आए थे. बिल्कुल बंगाली मानुष लग रहे थे. इसको लेकर के भी विपक्षी उनकी आलोचना कर सकते हैं, लेकिन हमारे यहां कहावत है जैसा देश वैसा वेश. मोदी तमिलनाडु में भाषण देने गए थे उनका हुलिया तमिल व्यक्ति के जैसा था. परिवेश के हिसाब से आदमी कपड़े भी पहनता है.

हर जगह जादू नहीं चलता

बेशक लोग मोदी लोकप्रिय हैं, लेकिन यह बात भी है कि हर जगह उनका जादू नहीं चलता. अगर ऐसा होता तो तमिलनाडु में भी कुछ जादू चला केरल में चल जाता, लेकिन वहां नहीं चला. हर जगह हर घड़ी कोई व्यक्ति सफल नहीं हो पाता लेकिन मोदी या भाजपा के हिस्से में जितनी सफलताएं मिली हैं,उतनी एक पार्टी की प्रतिष्ठा के लिए पर्याप्त है. वामपंथियों को अब आत्ममंथन करना चाहिए कि इस देश में उन्हें स्वीकारोक्ति क्यों नहीं मिल पा रही है ?क्यों धीरे-धीरे वे हाशिये पर चले गए. केरल में इस बार हुए चुनाव में वहां हार के बाद वे एकदम किनारे हो गए.केरल में वामपंथियों की सरकार थी लेकिन इस चुनाव में लोकतांत्रिक मोरचा की विजय हुई.मुख्यमंत्री विजयन तो जीत गए, लेकिन उनके अनेक मंत्री हार गए। तमिलनाडु में भी स्टालिन सरकार का पतन हुआ, क्योंकि पिछले अनेक वर्षों से उनके और उनके साथियों के भ्रष्टाचार के किस्से लोकव्यापी हो चुके थे. जनता उनसे हो चुकी थी वह मौके की तलाश में थी तभी तमिलनाडु के उभरते हुए हीरो विजय चंद्रशेखर का उदय होता है और दो साल पहले गठित टीवीके (तमिलगा वेत्री कषगम) द्रमुक और अन्नाद्रमुक का खेल खत्म कर देती है।

जनता साफ सुथरी छवि वाले नेताओं को पसंद करती है. उस दल को पसंद करती है, जो विकास की राह पर चलता है. छत्तीसगढ़ में भी पिछली बार कांग्रेस का पतन सिर्फ इसलिए हुआ कि उनके राज में नेता-अफसर भ्रष्टाचार में लिप्त हो गए थे.। इसलिए इस बार हुए पांच राज्यों के चुनाव को एक सबक के रूप में देखता हूँ.अच्छा काम करेंगे तो निरंतर बने रहेंगे.अगर अराजक हो जाएंगे, तो पतन सुनिश्चित है. पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने जिस निर्ममता के साथ एक तरफा राज चलाया, उसी का दुष्परिणाम यह हुआ कि बहुसंख्यक समाज कुपित हो गया।

विपक्षी दल चुनाव आयोग को कोसते रह गए लेकिन चुनाव आयोग ईमानदारी के साथ अपना काम करता रहा. गनीमत है कि इस बार ईवीएम पर ठीकरा नहीं फूटा.फोड़ा गया लेकिन चुनाव आयोग पर. यह विपक्षी हताशा का ही परिणाम था. आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से ऊपर उठकर और विपक्ष को अब आत्ममंथन करना चाहिए कि उनके पतन का कारण क्या रहा. वामपंथियों को भी. जिस बंगाल में कभी उनका शासन हुआ करता था, वहां से वह बुरी तरह कैसे निष्कासित हो गए? न केवल पश्चिम बंगाल में पूरे देश में उनकी दुर्गति हुई. केवल विचारधारा से काम नहीं चलता. विचारधारा के साथ आचरण भी वैसा होना चाहिए.

बदला नहीं बदलाव की बात करें

जनता की नजर बड़ी पैनी होती है. उसकी नजर को देखना हो तो 4 मई को आए पांच राज्यों के चुनाव परिणामों को देखा जा सकता है। सबक यही है कि जो दल चुनकर आए हैं, अब इस बात को गांठ बांध ले कि जनता भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं करेगी. उसे राजनेताओं का विनम्र व्यवहार भी चाहिए।

पक्षपात की नीति नहीं चलेगी.केवल विकास की नीति चाहिए. प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच जो उद्बोधन दिया वह उद्बोधन बेहद महत्वपूर्ण उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव जीतने के बाद हमें बदले की भावना से काम नहीं करना है. हमें बदला नहीं, बदलाव चाहिए. भय नहीं,हम भविष्य की बात करें. अगर चिंतन को आत्मसात करके भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल में केवल विकास का काम करेगी और सबको साथ में लेकर चलेगी (फिर चाहे वह हिंदू हो या मुसलमान)तो लंबे समय तक वहां टिक सकेगी। सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास ही लोकतंत्र का सही नारा है. भारतीय जनता पार्टी जहां-जहां भी लंबे समय तक टिकी है उसके पीछे सिर्फ हिंदुत्व का एजेंडा नहीं रहा.उसके पीछे उनकी विकास की नीति भी काम करती रही। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार अगर दूसरी बार सत्ता में आई तो उसके पीछे भी यही देती रही. भले ही भारतीय जनता पार्टी को हिंदूवादी पार्टी कहें,लेकिन उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने सबका साथ सबका विकास के नारे के तहत मुस्लिम बिरादरी को भी विकास का समुचित लाभ मुहैया कराया।

परिवर्तन की बयार और सत्ता के बदलते समीकरण

महेन्द्र तिवारी

वर्तमान विधानसभा चुनावों के परिणाम केवल सत्ता के हस्तांतरण की कहानी नहीं कहते, बल्कि वे भारतीय लोकतंत्र के विकसित होते स्वरूप का एक जीवंत दस्तावेज हैं। भारत के राजनीतिक मानचित्र पर पूरब से दक्षिण तक जो लहर दिखाई दी है, उसने स्थापित मान्यताओं को ध्वस्त करते हुए एक नई वैचारिक धरातल तैयार की है। पश्चिम बंगाल से लेकर तमिलनाडु और केरल से लेकर असम तक, मतदाताओं ने जिस प्रकार का विवेक प्रदर्शित किया है, वह यह स्पष्ट करता है कि अब भारतीय राजनीति केवल प्रतीकों के सहारे नहीं, बल्कि ठोस परिणामों और नए विकल्पों के आकर्षण पर आधारित हो चुकी है। इन चुनावों में सबसे चौंकाने वाला और ऐतिहासिक परिवर्तन पश्चिम बंगाल की धरती पर देखा गया। भारतीय जनता पार्टी ने यहाँ पहली बार पूर्ण बहुमत प्राप्त कर राज्य में अपनी सरकार बनाने की स्थिति हासिल की है। यह परिवर्तन साधारण नहीं है क्योंकि इसने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले लगभग 15 वर्ष लंबे शासन का अंत कर दिया है। बंगाल की राजनीति, जो दशकों तक वामपंथी और फिर तृणमूल कांग्रेस के इर्द-गिर्द घूमती रही, अब एक बिल्कुल नई दिशा में मुड़ गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यहाँ सत्ता-विरोधी लहर के साथ-साथ सांस्कृतिक और संगठनात्मक बदलाव की जो प्रक्रिया वर्षों से चल रही थी, उसने 2026 में अपना पूर्ण स्वरूप प्राप्त कर लिया। यह जीत केवल एक राज्य की जीत नहीं है, बल्कि इसे पूर्वी भारत में एक बड़ी राष्ट्रीय विचारधारा के विस्तार के रूप में देखा जा रहा है। बंगाल के मतदाताओं ने इस बार भ्रष्टाचार और प्रशासनिक जड़ता के विरुद्ध विकास और नई कार्यसंस्कृति को प्राथमिकता दी है। तृणमूल कांग्रेस के लिए यह एक बड़ा झटका है क्योंकि उनकी पकड़ न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में कमजोर हुई, बल्कि शहरी मध्यम वर्ग ने भी इस बार परिवर्तन के पक्ष में मतदान किया।

दक्षिण की ओर रुख करें तो तमिलनाडु ने पूरे देश को अपनी राजनीतिक परिपक्वता और नए नेतृत्व के प्रति उत्साह से विस्मित कर दिया है। अभिनेता विजय की नवगठित पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम ने अपने पहले ही चुनाव में जो प्रदर्शन किया है, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है। तमिलनाडु की राजनीति दशकों से द्रविड़ मुनेत्र कझगम और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम जैसी दो पारंपरिक पार्टियों के वर्चस्व में बंधी हुई थी। विजय की पार्टी ने इस द्विपक्षीय चक्र को तोड़कर स्वयं को एक सशक्त विकल्प के रूप में स्थापित किया। आंकड़ों की दृष्टि से देखें तो उनकी पार्टी ने 100 से अधिक सीटों पर अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई है, जिससे वह राज्य की राजनीति में केवल तीसरी ताकत नहीं, बल्कि एक नई धुरी बनती दिख रही है। यह परिणाम इस बात का संकेत है कि तमिलनाडु का युवा वर्ग अब पुरानी द्रविड़ राजनीति के पारंपरिक ढांचों से बाहर निकलकर कुछ नया और आधुनिक देख रहा है। विजय ने अपनी रैलियों में जिस तरह से सामाजिक न्याय और सुशासन की बात की, उसने युवाओं और पहली बार मतदान करने वाले नागरिकों को गहराई से प्रभावित किया।

बोधकथा

शांति-धीरज महत्वपूर्ण...

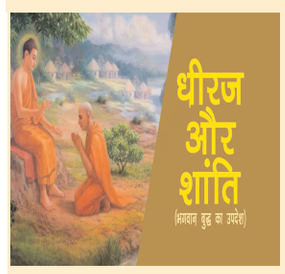

नए विचारों का जन्म प्रकृति के बीच एकांत और शांति के द्वारा ही संभव है, कुछ पल एकांत में रहे।

एक बार महात्मा बुद्ध अपने शिष्य आनंद के साथ कहीं जा रहे थे। राह में काफी चलने के बाद दोपहर में एक वृक्ष तले विश्राम को रुक गए और उन्हें प्यास लगी। आनंद पास स्थित पहाड़ी झरने पर पानी लेने गया लेकिन झरने में अभी-अभी कुछ पशु दौड़ कर निकले थे।

जिससे उसका पानी गंदा हो गया। पशुओं की भागदौड़ से झरने में कीचड़ ही कीचड़ और सड़े पत्ते बाहर उभर कर आ गए थे। गंदा पानी होने के कारण आनंद पानी बिना पीए ही लौट आए। उसने महात्मा से कहा कि झरने का पानी निर्मल नहीं है। मैं पीछे लौटकर नदी से पानी ले आता हूं , लेकिन नदी बहुत दूर थी तो बुद्ध ने उसे झरने का पानी ही लाने को वापस लौटा दिया। आनंद थोड़ी देर में फिर खाली लौट आया। पानी अब भी गंदा था। पर बुद्ध ने उसे इस बार भी वापस लौटा दिया। कुछ देर बाद जब तीसरी बार आनंद झरने के पास पहुंचा तो देखकर चकित हो गया। झरना अब बिल्कुल निर्मल और शांत हो गया था। कीचड़ बैठ गया था और जल बिल्कुल निर्मल हो गया था। महात्मा बुद्ध ने उसे समझाया कि यही स्थिति हमारे मन की भी है। जीवन की दौड़ - भाग मन को भी छिन्न कर देती है।

व्यंग्य केसरी

संबंध तोड़ने की प्रेक्टिकली आदत

असीम अनमोल

जब संबंध तोडने होते है तो हम किसी की तरफ देखना पसंद नही करते। यह हमारी प्रेक्टिकली आदत है। इस आदत के अनुसार सम्बंधित दूरियां बनाना आरम्भ कर देता है। इस बीच मेरी संबंध तोड़ने की सुनोयोजित प्लानिंग पूरी हो जाती है। मिसेस शर्मा अपनी सहेली को नए जमाने से जुड़कर जीने के टिप्स दे रहीं थीं। तजुर्बेकार सहेली ने आहें भरते हुए कहा यार पता नही कैसे तुम संबंध तोड़ लेती हो सपा मुखिया के परिवार की तरह ।

मुझे देखो पिछले पांच साल से अहंकारी सहेली से रिश्ता तोड़ने की मुहिम चला रही हूँ । कमल के फूल की तरह सफलता कहीं दिखाई ही नही देती। इतना बेहतरीन किस्म का मुंह सिकोड़ती हूँ। घर बैठकर परिपक्व आलोचनाएं करती हूँ। इधर उधर की उस पर अकारण ही बुराइयां थोप देती हूँ। पर न जाने वो किस मिट्टी की बनी है। बार बार मिलने पय्यां पय्यां चली आती है। सहेली की कुंठामय परेशानी समझकर मिसेस शर्मा ने अपना एक और टिप्स वाला पैंतरा फेंका। बोली बात को गहराई से समझो। जब तुम्हे संबंध तोडना नही आता तो सीखो। नहीं तो समझ लो इस कलयुगी संसार में तुम अनाड़ी हो ।

आजकल इंसान हर क्षेत्र में संबंध तोड़कर ही आगे बढ़ रहा है। और तुम पीछे होती जा रही हो । ज़रा सोचों तुम्हारे और औरों के बीच संबंधों में जरूर तुम्हारी तरफ से कुछ लचक रहती होगी। तभी तुम्हारे संबंध टूटने के बजाए और मजबूत हो रहें हैं।

तुम ऐसा करो। आँखे खुली रखो। दुनिया के लिए अंधी बन जाओ । कोई दरवाज़े पर आए तो दरवाज़े पर हो रही नॉक को सुन तो लो । पर दरवाज़ा यह बहाना बनाकर न खोलो कि मैं तो गहरी नींद में सो रही थी। ऐसा तुम कई बार करो । फिर देखना संबंध कितनी आसानी से टूटेगा।

सम्बन्ध तोड़ने का एक उम्दा तरीका और भी है। अपने आपको व्यस्त न रहकर भी व्यस्त रखना। घर पर रिश्तेदारों के जितने भी शादी के कार्ड आएं उनको बेहद प्यार से अपनाकर शादी वाले दिन व्यस्त रहने या कोई अचानक आई विपत्ति का इतना खूबसूरत बहाना बना दीजिए जिससे सम्बन्ध बिगड़ने के कागार पर पहुंच जाएं। बस सम्बन्धो को बिगाड़ने की कोशिश उम्दा होनी चाहिए। कोशिशें इंसान को कामयाब करती हैं। जिससे लगे कि आप वाकई सम्बन्धो को बिगाड़ने में एक्सपर्ट हो।

एक बार हमारे घर पर मेहमान पधारे। हमको उनसे संबंध तोडना था।

इससे अच्छा मौका कहाँ मिलता। मैं किचन से सीधे बैडरूम में जा घुसी। हौले हौले निकली उनके जाने के बाद। कुछ मिनट के बाद देखा कि आने वाला अपने थोमडे का मिला जुला नृत्य करते हुए वहां से खिसक लिया।

इतिहास

5 मई 2026 के इतिहास में भारत का पहला उपग्रह 'आर्यभट्ट' (1975) का प्रक्षेपण प्रमुख है। आज के दिन विश्व स्तर पर, 1862 में मेक्सिको ने सिन्को डी मेयो (Cinco de Mayo) के रूप में फ्रांसीसी सेना के खिलाफ अपनी जीत दर्ज की थी। इसके अतिरिक्त, 1260 में कुबलई खान मंगोल साम्राज्य का शासक बना था।आज के दिन (5 मई) की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ:1975: भारत ने अपना पहला उपग्रह 'आर्यभट्ट' लॉन्च किया, जो भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था।1862: मेक्सिको में प्यूब्ला की लड़ाई (Battle of Puebla) में फ्रांसीसी सेना को पीछे धकेल दिया गया, जिसे अब 'सिन्को डी मेयो' के रूप में एक राष्ट्रीय अवकाश के रूप में मनाया जाता है।1260: चंगेज खान के पोते, कुबलई खान को मंगोल साम्राज्य का शासक घोषित किया गया। 1941: इथियोपिया के सम्राट हैले

कंपनियों को इंश्योरेंस की पहुंच बढ़ाने को केंद्र में रखकर अपनी पॉलिसी बनानी चाहिए : वरिष्ठ अधिकारी

नई दिल्ली। कंपनियों को अपनी पॉलिसी को इंश्योरेंस की पहुंच ज्यादा आबादी तक बढ़ाने को केंद्र में रखकर डिजाइन करना चाहिए। यह बयान वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू की ओर से दिया गया।

उन्होंने जनसंख्या के बड़े वर्ग तक बीमा कवरेज का विस्तार करने की आवश्यकता को जरूरी बताते हुए कंपनियों को सलाह दी कि उन्हें बड़ी पॉलिसियों पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित करने के बजाय अधिक से अधिक व्यक्तियों को बीमा के दायरे में शामिल करने को प्राथमिकता देनी चाहिए।

नागराजू यह सलाह तीन सार्वजनिक क्षेत्र की इंश्योरेंस/रीइंश्योरेंस कंपनियों - लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी), जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (जीआईसी) और ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (ओआईसीएल) - के विजन रणनीति दस्तावेजों की व्यापक समीक्षा करने के लिए एक बैठक बुलाई में दी।

वित्त मंत्रालय के एक दस्तावेज के अनुसार, कंपनियों को हानि अनुपात कम करने के लिए निवेश और बीमा रणनीतियां तैयार करने की सलाह दी गई।

जिन प्रमुख क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया गया, उनमें नए उत्पादों का विकास, निर्धारित साइबर सुरक्षा ढांचों का पालन करते हुए डिजिटल और तकनीकी क्षमताओं का संवर्धन, ऑनलाइन प्लेटफार्मों के माध्यम से बीमा सेवाओं का विस्तार, जनता की शिकायतों का समय पर समाधान वितरण नेटवर्क का विस्तार करना और सोशल मीडिया सहित विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से संचार और प्रचार को बढ़ाना शामिल हैं।

बैठक के दौरान मध्यम अवधि (तीन वर्ष) और लंबी अवधि (पांच वर्ष) के दृष्टिकोण रणनीति दस्तावेजों की समीक्षा की गई। डीएफएस सचिव ने परिचालन दक्षता बढ़ाने और वित्तीय स्थिरता को मजबूत करने के उद्देश्य से रणनीतिक दिशा-निर्देश प्रस्तुत किए, साथ ही सतत विकास को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया।

बयान में कहा गया है कि समग्र सेवा वितरण को बेहतर बनाने के लिए मानव संसाधन और सूचना प्रौद्योगिकी रणनीतियों को और विकसित करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

इस बीच, केंद्र सरकार ने स्वचालित मार्ग के तहत बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को अधिसूचित कर दिया है, जिससे विदेशी निवेशकों की अधिक भागीदारी का मार्ग खुल गया है।

बीमा कंपनियों में विदेशी निवेश बीमा अधिनियम, 1938 के प्रावधानों के अनुपालन और बीमा एवं संबंधित गतिविधियों के लिए भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) से अनिवार्य अनुमोदन प्राप्त करने के अधीन होगा।

मध्य पूर्व में तनाव के बीच सोने और चांदी में सीमित दायरे में कारोबार

मुंबई। मध्य पूर्व में तनाव के बीच सोने और चांदी में मंगलवार को सीमित दायरे में कारोबार हो रहा है और दोनों कीमती धातु हल्की गिरावट के साथ लाल निशान में थे।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट सुबह 9:50 पर 14 रुपए या 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 1,49,325 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,49,325 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,49,950 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

चांदी का 3 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 673 रुपए या 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,43,222 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,42,907 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,43,927 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। खबर लिखे जाने तक कॉमेक्स पर सोना 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,540 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 73.21 डॉलर प्रति औंस थी।

मध्य पूर्व में लगातार तनाव बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उनकी सेना ने ईरान के 7 छोटे जहाजों को डुबो दिया है।

ट्रंप ने बताया कि यह हमला उस समय किया गया था, जब यह छोटे जहाज होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर हमला कर रही थीं। हालांकि, ईरान ने कोई जवाब नहीं दिया है, लेकिन दावा है कि हॉर्मुज पर उसका ही कंट्रोल है।

दूसरी तरफ, वैश्विक अस्थिरता के बीच डॉलर के मुकाबले रुपए में लगातार कमजोरी देखी जा रही है। इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज (आईसीई) के डेटा के मुताबिक, डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोरी के साथ खुला और फिर इसमें और गिरावट देखी गई। फिलहाल यह 26 पैसे की कमजोरी के साथ 95.33 पर बंद हुआ है।

वोल्टैम्प ट्रांसफॉर्मर्स का मुनाफा वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में आधा हुआ, शेयर करीब 19 प्रतिशत फिसला

मुंबई। वोल्टैम्प ट्रांसफॉर्मर्स की ओर से मंगलवार को वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही के नतीजे पेश किए है। जनवरी-मार्च अवधि में कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर घटकर करीब आधा हो गया है।

कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि मार्च तिमाही में मुनाफा 48 करोड़ करोड़ रुपए रहा है, जो कि पिछले साल समान अवधि के आंकड़े 97 करोड़ रुपए से 50.51 प्रतिशत कम है।

इस दौरान कंपनी का एबिटा सालाना आधार पर 30 प्रतिशत घटकर 79.77 करोड़ रुपए रह गया है। वहीं, मार्जिन 18.63 प्रतिशत से कम होकर 13.17 प्रतिशत रह गया है।

वहीं, कंपनी ने आय के मोर्चे पर भी कमजोर प्रदर्शन किया है। मार्च तिमाही में कंपनी की आय 617.22 करोड़ रुपए रही है, जो कि पिछले साल की समान अवधि की आय 624.81 करोड़ रुपए से कम है।

तिमाही आधार पर कमजोर प्रदर्शन के चलते कंपनी के शेयर में बड़ी गिरावट देखी गई है और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर शेयर 18.79 प्रतिशत कम होकर 10,168 रुपए पर बंद हुआ।

यह शेयर में हाल के महीनों में देखी अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। हालांकि, कंपनी के शेयर ने बीते एक महीने में 13 प्रतिशत, बीते छह महीने में 43 प्रतिशत और बीते एक साल में 24 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

वार्षिक आधार पर वोल्टैम्प ट्रांसफॉर्मर्स का प्रदर्शन सबसे मजबूत रहा है।

वित्त वर्ष 26 में कंपनी की शुद्ध बिक्री और सेवा से आय 11.34 प्रतिशत बढ़कर 2,153.68 करोड़ रुपए हो गई है।

कंपनी के बोर्ड ने 100 रुपए प्रति शेयर के डिविडेंड का ऐलान किया है।

वोल्टैम्प ने बताया कि नए वित्त वर्ष में उसके पास 1,200 करोड़ रुपए का मजबूत ऑर्डर बैकलॉग था और अप्रैल में उसे 310 करोड़ रुपए के अतिरिक्त ऑर्डर मिले।

कंपनी ने तिमाही मुनाफे में आई भारी गिरावट का कारण कई कारकों को बताया, जिनमें उसके निवेश पोर्टफोलियो में प्रतिकूल बदलाव भी शामिल हैं।

पिछले दो वर्षों में, वोल्टैम्प ने लंबी अवधि की सरकारी प्रतिभूतियों और म्यूचुअल फंडों में काफी निवेश किया था, जिनसे पहले मजबूत मार्क-टू-मार्केट लाभ प्राप्त हुए थे।

हालांकि, मार्च तिमाही के दौरान लंबी अवधि के सरकारी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि के कारण नकारात्मक एमटीएम समायोजन हुआ, जिससे रिपोर्ट किए गए मुनाफे पर असर पड़ा।

वियतनाम राष्ट्रपति तो लाम की भारत यात्रा से व्यापार और सप्लाई चेन संबंधों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली। वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम का भारत दौरा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देने वाला माना जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत और वियतनाम अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत सहयोग को और गहरा करने और विकास के लिए नया ढांचा तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

वियतनाम न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, डिजिटल टेक्नोलॉजी, मैन्युफैक्चरिंग और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग तेजी से बढ़ रहा है।

2016 में व्यापक रणनीतिक साझेदारी स्थापित होने के बाद से दोनों देशों ने लगातार राजनीतिक भरोसा मजबूत किया है और व्यावहारिक सहयोग को भी विस्तार दिया है।

द्विपक्षीय व्यापार इस संबंध का एक स्तंभ बनकर उभरा है।

वियतनाम के उद्योग एवं व्यापार मंत्रालय के अनुसार, 2016 में 5.4 अरब डॉलर का व्यापार 2025 में बढ़कर रिकॉर्ड 16.46 अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

यह तेजी 2026 में भी जारी रही है, जहां पहले ही तिमाही में व्यापार 4.8 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो साल-दर-साल आधार पर 28 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी दर्शाता है।भारत को वियतनाम के निर्यात में इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और कृषि उत्पाद जैसे मैन्युफैक्चरिंग और प्रोसेस्ड सामान प्रमुख हैं, जबकि भारत से वियतनाम को टेक्सटाइल मटेरियल, प्लास्टिक, फार्मास्यूटिकल्स और स्टील का निर्यात होता है, जो वहां के उत्पादन और निर्यात ढांचे को समर्थन देता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, दोनों अर्थव्यवस्थाएं अब एक-दूसरे के पूरक बनती जा रही हैं। जहां भारत कच्चे माल, दवाइयों और सॉफ्टवेयर में मजबूत है, वहीं वियतनाम मैन्युफैक्चरिंग और वैश्विक व्यापार नेटवर्क में आगे है।

यह पूरकता दोनों देशों को सीधे प्रतिस्पर्धा से आगे बढ़ाकर सप्लाई चेन एकीकरण और उत्पादन साझेदारी को मजबूत करने में मदद कर रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक कंपनियों के मैन्युफैक्चरिंग बेस में विविधता लाने के बीच भारत और वियतनाम क्षेत्रीय सप्लाई चेन के पुनर्गठन में अहम भूमिका निभाने की दिशा में खुद को स्थापित कर रहे हैं।

निवेश संबंध भी तेजी से बढ़ रहे हैं। भारतीय कंपनियां वियतनाम के 20 से अधिक प्रांतों और शहरों में प्रोजेक्ट्स चला रही हैं।

अमेरिका-ईरान के बीच तनाव बढ़ने से शेयर बाजार लाल निशान में बंद, सेंसेक्स 251 अंक गिरा

मुंबई। मध्य पूर्व में अमेरिका-ईरान के बीच तनाव बढ़ने से वैश्विक बाजारों में कमजोरी के चलते हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 251.61 अंक यानी 0.33 प्रतिशत गिरकर 77,017.79 पर पहुंच गया, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 86.50 अंक (0.36 प्रतिशत) फिसलकर 24,032.80 पर था।

दिन के कारोबार के दौरान, सेंसेक्स 77,103.72 पर खुलकर 77,151.33 का इंट्रा-डे हाई और 76,515.03 का लो बनाया, जबकि निफ्टी 24,052.60 पर खुलकर 24,081.70 का इंट्रा-डे हाई तो 23,882.05 का लो बनाया।

मंगलवार को बीएसई सेंसेक्स 165.68 अंक या 0.21 प्रतिशत गिरकर 77,103.72 पर खुला, जबकि एनएसई निफ्टी 50 66.70 अंक या 0.28 प्रतिशत गिरकर 24,052.60 पर खुला। वहीं बैंक निफ्टी सूचकांक 187.20 अंक या 0.34 प्रतिशत गिरकर 54,691.30 पर खुला।

इस दौरान व्यापक बाजारों में तेजी देखने को मिली। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.28 प्रतिशत और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.17 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी, निफ्टी बैंक, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज का प्रदर्शन खराब रहा, वहीं निफ्टी ऑटो, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी फार्मा और निफ्टी आईटी का प्रदर्शन बेहतर रहा।

निफ्टी 50 पैक में से 16 शेयरों को छोड़कर बाकी सभी लाल निशान में बंद हुए, जिसमें महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, हिंडाल्को, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी लाइफ, नेस्ले इंडिया और बजाज फाइनेंस के शेयरों में तेजी देखने को मिली, जबकि आईसीआईसीआई बैंक, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, कोल इंडिया, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, जेएसडब्ल्यू स्टील और इटरनल के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

वैश्विक स्तर पर, एशियाई बाजारों में गिरावट देखी गई, जबकि अमेरिकी शेयर बाजार में रात भर में गिरावट आई, और एसएंडपी 500 रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आ गया।

अमेरिका-ईरान युद्ध में तनाव बढ़ने से चार सप्ताह से चल रहा नाजुक संघर्ष विराम टूटने की कगार पर पहुंच गया है। अचानक शुरू हुई गोलीबारी में अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भी शामिल हो गया है, जिससे क्षेत्र में फिर से अराजकता फैल गई है और ईरानी ठिकानों पर तत्काल जवाबी हमले करने की मांग उठ रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करेगा और कहा कि अगर ईरान मालवाहक जहाजों की रक्षा करने वाले अमेरिकी जहाजों को निशाना बनाता है तो उसे 'धरती के नक्शे से मिटा दिया जाएगा'।

भारत-यूके एफटीए का असर! जेएलआर इंडिया ने रेंज रोवर एसवी की कीमतों को 75 लाख रुपए तक घटाया

नई दिल्ली। जगुआर लैंड रोवर इंडिया ने मंगलवार को अपनी फ्लैगशिप एसयूवी रेंज रोवर एसवी की कीमतों में 75 लाख रुपए तक की भारी कटौती की घोषणा की। इसके जरिए कंपनी की कोशिश प्रस्तावित भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से होने वाले संभावित लाभों को ग्राहकों तक पहुंचाना है।

कंपनी ने बताया कि यह मूल्य कटौती ब्रिटेन से आयातित पूर्णत: निर्मित यूनिट (सीबीयू) मॉडलों पर लागू होती है। यह लैंड रोवर की हाई-एंड एसयूवी रेंज रोवर एसवी की कीमतों में की गई अब तक की सबसे बड़ी कटौती है।

इस कटौती के बाद रेंज रोवर एसवी की एक्स-शोरूम कीमत 4.25 करोड़ रुपए से घटाकर 3.5 करोड़ रुपए कर दी गई है,

जबकि रेंज रोवर स्पोर्ट एसवी की शुरुआती कीमत 2.75 करोड़ रुपए से घटकर अब 2.35 करोड़ रुपए हो गई है।

कंपनी के अनुसार, संशोधित मूल्य निर्धारण भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लागू होने के बाद नई शुल्क संरचना के तहत अपेक्षित परिवर्तनों को दर्शाता है। नए मूल्य तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं, जो समझौते के सफल क्रियान्वयन के प्रति कंपनी के विश्वास को दर्शाते हैं।

इस कदम पर टिप्पणी करते हुए प्रबंध निदेशक राजन अम्बा ने कहा कि कंपनी व्यापार समझौते के अपेक्षित लाभों को अपने ग्राहकों तक पहले से ही पहुंचा रही है।

उन्होंने कहा कि संशोधित मूल्य निर्धारण जेएलआर इंडिया के ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण को मजबूत करता है और इसका उद्देश्य प्रीमियम एसवी रेंज को खरीदारों के लिए अधिक सुलभ बनाना है। कंपनी ने कहा, 'संशोधित कीमतें मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) द्वारा लागू की गई नई शुल्क संरचना को दर्शाती हैं और तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

ट्विटर हिस्सेदारी विवाद में 1.5 मिलियन डॉलर का जुर्माना भरेंगे मस्क

नई दिल्ली। ट्विटर में हिस्सेदारी को लेकर 2022 के मामले में दिग्गज टेक्नोलॉजी कारोबारी एलन मस्क यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) को 1.5 मिलियन डॉलर का जुर्माना भरने के लिए तैयार हो गए है।

यूएस एसईसी ने मस्क पर आरोप लगाया था कि 2022 में उन्होंने ट्विटर के शेयरधारकों को बिना बताए कंपनी में हिस्सेदारी बढ़ाई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह जुर्माना मस्क द्वारा गठित एक ट्रस्ट एसईसी को मुकदमे को समाप्त करने के लिए अदा करेगा, लेकिन इसे अभी भी अदालत की मंजूरी मिलना बाकी है। हालांकि, मस्क ने नियामक के आरोपों को स्वीकार नहीं किया है।

अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह एसईसी की ओर से मस्क से इससे पहले मांगे गए जुर्माने से काफी कम है।

दिसंबर 2024 में एसईसी ने मस्क से 200 मिलियन डॉलर से अधिक का जुर्माना मांगा था।

जनवरी 2025 में, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पदभार संभालने से कुछ दिन पहले, एसईसी ने मस्क पर मुकदमा दायर किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के 5 प्रतिशत से अधिक शेयर जमा करने की जानकारी देने की समय सीमा का उल्लंघन किया।

नियामक के अनुसार, इस देरी के कारण ट्विटर के शेयरधारकों को 150 मिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ। हालांकि, बाद में मस्क ने 2022 में कंपनी को खरीद लिया और इसका नाम बदलकर एक्स कर दिया।

एसईसी के एक प्रवक्ता ने कहा कि यदि यह समझौता अंतिम रूप ले लेता है, तो यह एजेंसी द्वारा किसी संस्था या व्यक्ति पर कथित तौर पर समय पर लाभकारी स्वामित्व रिपोर्ट दाखिल न करने के लिए लगाया गया अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना होगा।

हालांकि, मस्क के वकील ने इसे 'मामूली जुर्माना' बताया।

मस्क के वकील एलेक्स स्पिरो ने एक बयान में कहा, 'जैसा कि हमने शुरू से कहा था, मस्क को ट्विटर अधिग्रहण से संबंधित फॉर्म देर से दाखिल करने के सभी मामलों से बरी कर दिया गया है।

क्या क्रिएटिन पीने से झड़ते हैं बाल? जिम जाने वाले हो जाएं सावधान

क्रिएटिन एक नेचुरल कंपाउंड है, जो हमारे शरीर में भी बनता है और मांसपेशियों को ऊर्जा देने में अहम भूमिका निभाता है। खासतौर पर हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट जैसे वेट ट्रेनिंग या स्प्रिंट के दौरान यह शरीर को तुरंत ऊर्जा उपलब्ध कराता है। यही वजह है कि जिम जाने वाले लोग इसे सप्लीमेंट के रूप में लेते हैं, ताकि उनकी ताकत, स्टैमिना और ओवरऑल परफॉर्मेंस बेहतर हो सके।

हेल्थलाइन की रिपोर्ट के अनुसार, क्रिएटिन और हेयर फॉल के बीच संबंध की चर्चा एक छोटे से रिसर्च के बाद शुरू हुई थी। इस अध्ययन में यह पाया गया कि क्रिएटिन लेने से शरीर में DHT (डाइहाइड्रोटेस्टोस्टेरोन) नामक हार्मोन का स्तर बढ़ सकता है। DHT को Androgenetic Alopecia यानी पैटर्न बाल्डनेस से जोड़ा जाता है। हालांकि, इस रिसर्च में कहीं भी सीधे तौर पर यह साबित नहीं हुआ कि क्रिएटिन लेने से बाल झड़ने लगते हैं।

क्या सच में क्रिएटिन से होता है हेयर फॉल?

अब तक के ज्यादातर वैज्ञानिक शोध इस बात की पुष्टि नहीं करते कि क्रिएटिन सीधे तौर पर बाल झड़ने का कारण बनता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर किसी व्यक्ति में पहले से ही जेनेटिक हेयर लॉस की समस्या है, तो DHT का बढ़ा हुआ स्तर इस प्रक्रिया को थोड़ा तेज कर सकता है। लेकिन यह हर व्यक्ति के साथ नहीं होता। यानी जिन लोगों में बाल झड़ने की पारिवारिक समस्या नहीं है, उनमें क्रिएटिन से हेयर फॉल होने की संभावना काफी कम होती है।

क्रिएटिन के फायदे भी जान लें

क्रिएटिन सिर्फ एक सप्लीमेंट नहीं, बल्कि फिटनेस के लिहाज से काफी असरदार माना जाता है। यह मसल्स रिकवरी को तेज करता है, वर्कआउट के दौरान एनर्जी लेवल बढ़ाता है और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग में बेहतर रिजल्ट देने में मदद करता है। यही कारण है कि यह दुनियाभर में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले सप्लीमेंट्स में शामिल है।

क्रिएटिन लेने का सही तरीका क्या है

कई लोग क्रिएटिन लेने के समय और तरीके को लेकर कन्फ्यूज रहते हैं। कुछ लोग इसे खाली पेट वर्कआउट से पहले ले लेते हैं, जो हर किसी के लिए सही नहीं होता।

बेहतर यह है कि इसे किसी मील के साथ या वर्कआउट के बाद लिया जाए, ताकि शरीर इसे आसानी से एब्जॉर्ब कर सके। इसके साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बेहद जरूरी है, क्योंकि क्रिएटिन शरीर में पानी की जरूरत बढ़ा सकता है।

7 से 22 राज्यों तक: 12 वर्षों में कैसे एनडीए की 'सुनामी' ने भारत के राजनीतिक मानचित्र को भगवा रंग दिया

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का 2014 में सीमित उपस्थिति से बढ़कर मई 2026 तक 22 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शासन करने वाला प्रमुख गठबंधन बनना निरंतर चुनावी रणनीतियों, मजबूत नेतृत्व और पारंपरिक क्षेत्रों से बाहर आक्रामक विस्तार का परिणाम है।

यह विस्तार 2014 की तुलना में बेहद बड़ा बदलाव दर्शाता है, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने दम पर केवल 7 राज्यों में सत्ता में थी। 2026 तक एनडीए देश की 70% से अधिक आबादी और भू-भाग पर नियंत्रण स्थापित कर चुका है।

12 वर्षों की इस यात्रा के प्रमुख पड़ाव क्या हैं?

2014: मोदी के नेतृत्व में एनडीए केंद्र में सत्ता में आया, उस समय भाजपा केवल 7 राज्यों में शासन कर रही थी।

2018: एनडीए का तेजी से विस्तार हुआ और उसने 21 राज्यों में सत्ता स्थापित की, खासकर पूर्वोत्तर में बड़ी बढ़त दर्ज की।

2024: लोकसभा में सीटों में कमी के बावजूद एनडीए ने सरकार बनाने लायक संख्या बनाए रखी, जिसमें बिहार और आंध्र प्रदेश से नए प्रमुख सहयोगी जुड़े।

2026: एनडीए 22 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों तक पहुंच गया, पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत और असम में तीसरे कार्यकाल के साथ इसका प्रभाव बढ़कर भारत के 76% भू-भाग तक हो गया, जो 2014 में 34% था।

एनडीए की सफलता के पीछे क्या काम करता है?

एनडीए की सफलता नेतृत्व, जमीनी संगठन और खास तरह की कल्याणकारी राजनीति के 'तीन स्तंभों' पर आधारित है।

कल्याणकारी मॉडल (लाभार्थीवाद)

'लाभार्थी' वर्ग का निर्माण इसकी सबसे मजबूत रणनीति है। सरकारी योजनाओं ने महिलाओं और ग्रामीण गरीबों के बीच मजबूत समर्थन आधार तैयार किया है, जो पारंपरिक जातीय सीमाओं से भी आगे जाता है।

राष्ट्रवादी और सांस्कृतिक नैरेटिव

एनडीए ने विकास और पहचान को सफलतापूर्वक जोड़ा है। राम मंदिर और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर जैसे प्रोजेक्ट बहुसंख्यक मतदाताओं के बड़े वर्ग से जुड़ते हैं। सुरक्षा और विदेश नीति में 'राष्ट्र प्रथम' दृष्टिकोण शहरी और मध्यम वर्ग के मतदाताओं को स्थिरता का एहसास देता है। भारत को उभरती वैश्विक शक्ति (विश्व गुरु) के रूप में प्रस्तुत करना मतदाताओं में सामूहिक उद्देश्य की भावना पैदा करता है।

'चुनावी मशीन'

एनडीए का प्रमुख दल भाजपा कॉर्पोरेट शैली की दक्षता से काम करता है:

पन्ना प्रमुख: मतदाता सूची के हर पन्ने पर एक कार्यकर्ता नियुक्त कर हर घर तक व्यक्तिगत पहुंच सुनिश्चित की जाती है।

कोई 'ऑफ-सीजन' नहीं: कई विपक्षी दलों के विपरीत, जो केवल चुनाव के समय सक्रिय होते हैं, एनडीए की मशीनरी पूरे साल सक्रिय रहती है।

गठबंधन में लचीलापन: बड़े लक्ष्य के लिए यह क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ सीटें छोड़ने या 'जूनियर पार्टनर' बनने को भी तैयार रहती है (जैसे बिहार या महाराष्ट्र में)।

नेतृत्व का अंतर

एनडीए 'मोदी बनाम कौन?' के सवाल को केंद्र में रखता है। चुनाव को 'परीक्षित नेता' और 'बिखरे गठबंधन' के बीच विकल्प के रूप में पेश किया जाता है। सोशल मीडिया, 'मन की बात' और स्थानीय रैलियों के माध्यम से नेतृत्व का संदेश सीधे जनता तक पहुंचाया जाता है।

2014 से 2026 के बीच विस्तार के प्रमुख कारण क्या हैं?

भाजपा ने 'डबल इंजन सरकार' मॉडल को जोर-शोर से आगे बढ़ाया, जिसमें राज्य और केंद्र में एक ही पार्टी होने से तेज विकास का दावा किया गया। इसके साथ ही स्थानीय संगठन को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया।

एनडीए ने पूर्वोत्तर भारत में सफलतापूर्वक विस्तार किया और असम, नागालैंड तथा मेघालय जैसे राज्यों में सरकारें बनाईं। 2026 तक गठबंधन ने ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे क्षेत्रों में भी अपनी पकड़ मजबूत कर ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लगातार लोकप्रियता ने एक एकजुट शक्ति के रूप में काम किया, जिससे पार्टी ने विभिन्न सामाजिक वर्गों को जोड़ते हुए उन क्षेत्रों में भी जीत हासिल की, जहां पहले विपक्ष मजबूत था।

22 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से बाहर होने के बाद, कांग्रेस-नेतृत्व वाला इंडी गठबंधन कहाँ सत्ता में है?

हालिया विधानसभा चुनावों में बड़े राजनीतिक बदलावों के बाद भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी (इंडी) गठबंधन वर्तमान में छह राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में शासन कर रहा है।

2024 के आम चुनावों के बाद अपने चरम से इस गठबंधन का दायरा कुछ हद तक सिमट गया है, जिसका मुख्य कारण पूर्वी भारत में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का मजबूत होना है।

इंडी गठबंधन द्वारा शासित राज्य

हालाँकि इंडी गठबंधन अभी भी मौजूद है, लेकिन यह एक संगठित गठबंधन से अधिक भाजपा-विरोधी एक लचीले मंच के रूप में कार्य करता है। राज्य स्तर की प्रतिद्वंद्विताएँ पूर्ण समन्वय को सीमित करती हैं।

वर्तमान में निम्नलिखित क्षेत्र इंडी गठबंधन से जुड़े दलों के शासन में हैं:

हिमाचल प्रदेश: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा शासित।

कर्नाटक: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा शासित।

तेलंगाना: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा शासित।

केरल: भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) द्वारा शासित, जो राष्ट्रीय स्तर पर इंडी गठबंधन का हिस्सा है।

झारखंड: झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) द्वारा शासित।

जम्मू और कश्मीर (केंद्रशासित प्रदेश): जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) द्वारा शासित।

हाल के बदलाव क्या हैं?

पश्चिम बंगाल: मई 2026 के चुनावों में बड़े उलटफेर के तहत, भाजपा-नेतृत्व वाले गठबंधन ने कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को तीन कार्यकाल के बाद सत्ता से बाहर कर दिया।

तमिलनाडु: 2026 के चुनावों से मिली जानकारी के अनुसार, द्रमुक-नेतृत्व वाले गठबंधन को अभिनेता विजय (टीवीके) के नेतृत्व वाली नई राजनीतिक शक्ति से कड़ी चुनौती मिली, हालांकि मई के शुरुआती दिनों में सरकार गठन की प्रक्रिया प्राय: जारी रहती है।

स्वतंत्र क्षेत्र: आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब में स्वतंत्र रूप से शासन कर रही है, जबकि जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) मिजोरम में सत्ता में है; दोनों फिलहाल दो प्रमुख राष्ट्रीय गठबंधनों से बाहर हैं।

मई तक गठबंधन की स्थिति

एनडीए: भाजपा, तेदेपा, एसकेएम, एनपीएफ, एनपीपी, एआईएनआरसी

सत्ता में राज्य/केंद्रशासित प्रदेश: 22

इंडिया: (कांग्रेस, द्रमुक, जेएमएम, जेकेएनसी, भाकपा (मार्क्सवादी))

सत्ता में राज्य/केंद्रशासित प्रदेश: 7

अन्य: आप (पंजाब), जेडपीएम (मिजोरम)

सत्ता में राज्य: 2

इनकी चुनौतियाँ क्या हैं?

इंडिया गठबंधन के पास मुद्दों की कमी नहीं है, लेकिन इसकी सबसे बड़ी समस्या आंतरिक मतभेद और क्रियान्वयन की कमजोरी है। इसे पीछे खींचने वाली प्रमुख चुनौतियाँ इस प्रकार हैं:

स्पष्ट राष्ट्रीय नेता का अभाव: राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की केंद्रीकृत नेतृत्व व्यवस्था के विपरीत, इंडिया गठबंधन में कई शक्ति केंद्र हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है, लेकिन तृणमूल कांग्रेस या आम आदमी पार्टी जैसे दल इसे सर्वमान्य नेता के रूप में स्वीकार नहीं करते।

सीट बँटवारे के विवाद: कागज पर गठबंधन मजबूत दिखते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर टूट जाते हैं। पश्चिम बंगाल, पंजाब और दिल्ली जैसे राज्यों में सहयोगी दल अक्सर भाजपा के बजाय एक-दूसरे से ही मुकाबला करते हैं।

राज्य स्तर की प्रतिद्वंद्विता: कई सहयोगी दल स्थानीय स्तर पर सीधे प्रतिस्पर्धी हैं, जिससे एकजुट राष्ट्रीय अभियान चलाना लगभग असंभव हो जाता है।

क्या है हंता वायरस जिसने ली 3 लोगों की जान?

दुनिया अभी महामारियों के दौर से पूरी तरह उबर भी नहीं पाई है कि एक और वायरस 'हंता वायरस' (Hantavirus) ने दस्तक दे दी है। हाल ही में अटलांटिक महासागर में एक क्रूज शिप पर इस वायरस के कारण 3 लोगों की मौत की खबर ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों को अलर्ट कर दिया है। यह वायरस चूहों से फैलता है और इसकी मृत्यु दर काफी अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की हालिया 'डिजीज आउटब्रेक न्यूज' और विशेषज्ञों के अनुसार, अर्जेंटीना से दक्षिण अफ्रीका जा रहे क्रूज जहाज 'MV Hondius' पर यह संक्रमण फैला, जिसमें 3 यात्रियों की जान चली गई। तो चलिए जानते हैं कि यह वायरस क्या है, कितना खतरनाक है और बचाव का क्या तरीका है।

हंता वायरस असल में क्या है?

जवाब: हंता वायरस विषाणुओं का एक परिवार है, जो मुख्य रूप से चूहों (Rodents) के जरिए फैलता है। यह कोई नया वायरस नहीं है, लेकिन इसकी घातकता इसे डरावना बनाती है। यह इंसान के फेफड़ों (HPS) या किडनी (HFRS) पर सीधा हमला करता है। फेफड़ों में संक्रमण होने पर सांस लेना लगभग नामुमकिन हो जाता है, जिससे मरीज की मौत हो सकती है।

यह चूहों से इंसानों तक कैसे पहुँचता है?

जवाब: यह वायरस हवा के जरिए फैलता है, जिसे 'एरोसोल' (Aerosolization) प्रक्रिया कहते हैं। जब संक्रमित चूहों का मल, मूत्र या लार सूख जाती है और धूल के कणों में मिल जाती है, तो वे हवा में तैरने लगते हैं। जब कोई व्यक्ति उस हवा में सांस लेता है, तो वायरस सीधे उसके फेफड़ों में चला जाता है। इसके अलावा, संक्रमित सतह को छूने और फिर मुँह या नाक पर हाथ लगाने से भी यह फैल सकता है।

क्या यह कोरोना की तरह एक इंसान से दूसरे इंसान में फैलता है?

जवाब: राहत की बात यह है कि हंता वायरस आमतौर पर एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता।

यह केवल चूहों के सीधे संपर्क या उनके दूषित वातावरण में रहने से होता है। हालांकि, दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले 'एंडिस' (Andes) स्ट्रेन में इंसान से इंसान में फैलने के कुछ दुर्लभ मामले देखे गए हैं, लेकिन फिलहाल के मामले चूहों से ही संबंधित हैं।

हंता वायरस के शुरुआती लक्षण क्या हैं?

जवाब: इसके लक्षण शुरू में एक सामान्य फ्लू (Flu) की तरह दिखते हैं, जो भ्रम पैदा कर सकते हैं:

तेज बुखार और कंपकंपी (Chills)

हाथों-पैरों और पीठ की मांसपेशियों में तेज दर्द।

सिरदर्द, चक्कर आना और थकान।

पेट में दर्द, उल्टी या दस्त (डायरिया)।

सेहत, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म-ज्योतिष से जुड़ी कोई निजी उलझन है तो हमें WhatsApp करें, आपका नाम गोपनीय रखकर जानकारी दी जाएगी।

संक्रमण गंभीर होने पर क्या होता है?

जवाब: संक्रमण के 4 से 10 दिनों के बाद 'हंता वायरस पल्मोनरी सिंड्रोम' (HPS) के लक्षण दिखते हैं:

फेफड़ों में पानी भर जाना।

सांस लेने में भारी तकलीफ (ऐसा महसूस होना जैसे छाती पर कोई बैठा हो)।

खांसी और लो ब्लड प्रेशर।

किडनी का काम बंद होना (HFRS की स्थिति में)।

इसका मृत्यु दर (Death Rate) कितना है?

जवाब: हंता वायरस को बहुत घातक माना जाता है। CDC (Centers for Disease Control) के अनुसार, हंता वायरस पल्मोनरी सिंड्रोम (HPS) में मृत्यु दर 38% से 40% के बीच है।

एससी ने एसिड हमलों को रोकने के लिए कानून के 2 सिद्धांत बदले: क्या हैं ये?

भारत के सर्वोच्च न्यायालय (एससी) ने हाल ही में एसिड हमलों जैसे 'बर्बर' अपराधों पर सख्त रोक लगाने के लिए आपराधिक कानून के दो मूलभूत सिद्धांतों में बदलाव करने की पहल की है।

दो प्रमुख बदलाव

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने पारंपरिक आपराधिक न्यायशास्त्र से दो मामलों में अलग रुख अपनाया:

सबूत के भार में बदलाव

पुराना नियम: अभियोजन पक्ष को 'संदेह से परे' अपराध साबित करना होता है।

नया नियम: पीड़िता द्वारा आरोपी का नाम लिए जाने के बाद अपनी बेगुनाही साबित करने की जिम्मेदारी आरोपी पर आ जाती है। यह व्यवस्था दहेज मृत्यु के मामलों में लागू ढांचे जैसी है।

सुधारात्मक दंड से अलग रुख

पुराना सिद्धांत: सजा का उद्देश्य अपराधी का सुधार और पुनर्वास होना चाहिए।

नया रुख: अदालत ने कहा कि एसिड हमलावरों के लिए सुधारात्मक दृष्टिकोण की कोई जगह नहीं है। इसके बजाय, कड़ा संदेश देने के लिए 'असाधारण' और सबसे कठोर सजा की आवश्यकता है।

अन्य महत्वपूर्ण निर्देश

अदालत ने कानूनी ढांचे को मजबूत करने और पीड़ितों को समर्थन देने के लिए कई अन्य अहम निर्देश भी दिए:

विस्तारित परिभाषा: एससी ने कहा कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत 'एसिड अटैक पीड़ित' की परिभाषा में अब उन लोगों को भी शामिल किया जाएगा जिन्हें जबरन एसिड पिलाया गया हो, भले ही बाहरी चोट न दिखे लेकिन आंतरिक नुकसान हुआ हो।

संपत्ति जब्ती: दोषियों की संपत्ति जब्त कर नीलाम करने की सिफारिश की गई, ताकि पीड़ितों को तुरंत और सार्थक मुआवजा दिया जा सके।

विक्रेता की जिम्मेदारी: अदालत ने सुझाव दिया कि अवैध रूप से एसिड बेचने वालों को भी सह-आरोपी बनाया जाए, ताकि खुलेआम बिक्री पर जवाबदेही तय हो सके।त्वरित सुनवाई: सभी उच्च न्यायालयों को निर्देश दिया गया कि लंबित मामलों के लिए समय-सीमा तय करें और सुनवाई में तेजी लाएं। कुछ मामले (जैसे शहीन मलिक का मामला) 16 साल से अधिक समय से लंबित हैं।

क्या स्विट्जरलैंड आव्रजन पर सख्ती कर रहा है?

स्विट्जरलैंड में प्रस्ताव है कि आगामी जनमत संग्रह के जरिए देश की आबादी को 1 करोड़ (10 मिलियन) तक सीमित किया जाए। यह कदम न केवल उसकी आव्रजन नीति और दीर्घकालिक विकास को प्रभावित कर सकता है, बल्कि उसकी अर्थव्यवस्था और यूरोपीय संघ (श्व) के साथ संबंधों पर भी असर डाल सकता है।

दक्षिणपंथी स्विस पीपुल्स पार्टी (SVP) द्वारा समर्थित इस प्रस्ताव को पिछले मार्च में सरकार ने खारिज कर दिया था, लेकिन हालिया जनमत सर्वेक्षण के अनुसार लोगों के बीच इसका समर्थन बढ़ रहा है।

यह मुद्दा तब और प्रमुख हो गया जब स्विट्जरलैंड की आबादी 90 लाख (9 मिलियन) के पार पहुंच गई, जिसमें विदेशी नागरिकों की हिस्सेदारी भी काफी है। कई मतदाताओं के लिए तेजी से बढ़ती आबादी चिंता का कारण बन गई है, जिससे स्थिरता, बुनियादी ढांचे और राष्ट्रीय पहचान पर बहस तेज हो गई है।

यह विचार क्यों लोकप्रिय हो रहा है?

प्रस्ताव को समर्थन मुख्य रूप से रोजमर्रा की समस्याओं से जुड़ा है। कई लोगों का कहना है कि बढ़ती आबादी के कारण घरों के किराए बढ़ रहे हैं, सार्वजनिक परिवहन भीड़भाड़ वाला हो गया है और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ रहा है।

उच्च जीवन स्तर वाले इस देश में ये बदलाव लोगों में चिंता पैदा कर रहे हैं कि क्या मौजूदा बुनियादी ढांचा भविष्य की जरूरतों को पूरा कर पाएगा।

इसके साथ ही एक राजनीतिक पहलू भी है। कुछ लोगों के लिए यह बहस सामाजिक संरचना को बनाए रखने और आव्रजन नीति पर नियंत्रण रखने से जुड़ी है।

22 और 23 अप्रैल को 16,176 लोगों पर किए गए एक सर्वे में 52% लोगों ने प्रस्ताव का समर्थन किया, जबकि 46% इसके खिलाफ थे और 2% अनिर्णीत रहे। यह सर्वे टैमेडिया, 20 मिनटेन और लीवास संस्थान द्वारा किया गया था और इसके नतीजे 'टागेस-अनजाइगर' अखबार में प्रकाशित हुए।

यह नतीजे जनमत में बदलाव का संकेत देते हैं। मार्च की शुरुआत में इसी तरह के एक सर्वे में 45% समर्थन और 47% विरोध था। हालांकि, 'टागेस-अनजाइगर' के अनुसार स्विट्जरलैंड में जनमत संग्रह के समर्थन में समय के साथ कमी भी देखी जाती है।

यह बहस स्विट्जरलैंड में तेजी से बढ़ती आबादी के बीच हो रही है, जो मुख्य रूप से आव्रजन के कारण बढ़ी है।

2000 के बाद से आबादी में लगभग 19 लाख की वृद्धि हुई है। पिछले साल कुल आबादी 90 लाख पार कर गई, जिसमें लगभग 27% विदेशी नागरिक हैं। भारतीय दूतावास के अनुसार, इनमें करीब 28,000 भारतीय मूल के लोग भी शामिल हैं।

फराह खान अली ने शेयर की इटली की लेक कोमो ट्रिप की तस्वीरें, मां की यादों में

मुंबई। कई बार कुछ जगहें सिर्फ खूबसूरत नहीं होतीं, बल्कि उनसे जुड़ी यादें उन्हें और भी खास बना देती हैं। जानी-मानी ज्वेलरी डिजाइनर और दिग्गज अभिनेता संजय खान की बेटी फराह खान अली ने अपनी यूरोप ट्रिप की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। यह यात्रा उनके लिए अपनी दिवंगत मां की यादों को फिर से जीने का एक जरिया बनी। फराह खान अली अपनी इटली ट्रिप पर लेक कोमो भी घूमने गईं। यह जगह उनकी मां जरीन खान के दिल के बेहद करीब थी। इंस्टाग्राम पर फराह ने पोस्ट किया, ''मेरी मां इस जगह को बहुत पसंद करती थीं और हर साल यहां आया करती थीं। ऐसे में इस जगह पर जाना मेरे लिए सिर्फ एक यात्रा नहीं, बल्कि मां की यादों के करीब पहुंचने जैसा था। फराह न एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें उनकी पूरी ट्रिप के कई छोटे-छोटे पल नजर आ रहे हैं। वीडियो में फराह अपनी बहन सिमोन अरोड़ा समेत परिवार के अन्य सदस्यों के साथ नजर आ रही हैं। सभी यूरोप की खूबसूरत गलियों में घूमते हुए दिखाई दे रहे हैं।

वीडियो में लेक कोमो के मनमोहक नजारे, मिलान शहर की रौनक भरी सड़कों और ज्यूरिख की खूबसूरती को भी दिखाया गया है। फराह और उनकी बहन इन जगहों की सैर करती नजर आ रही हैं। कभी वह झील के किनारे टहलती दिखाई देती हैं तो कभी लोकल स्ट्रीट फूड का आनंद लेती हैं। कैप्शन में फराह ने बताया, ''पिछले हफ्ते मैं अपनी बहन और आंटी के साथ लेक कोमो, मिलान और ज्यूरिख गई थीं। मेरी मां को लेक कोमो से बहुत लगाव था और वह बार-बार यहां लौटकर आती थीं। इस बार जब हम वहां गए, तो ऐसा लगा जैसे हम उन्हीं रास्तों पर चल रहे हैं, जिन पर मेरी मां चला करती थीं।''

फराह ने आगे कहा, ''किसी भी जगह की खूबसूरती सिर्फ वहां के नजारों में नहीं होती, बल्कि उससे जुड़ी यादों और अपने लोगों में होती है। इस ट्रिप के दौरान मैंने अपनी मां की यादों को हर पल महसूस किया और अब हमने साथ में मिलकर कुछ नई यादें भी बना ली हैं। यह अनुभव हमारे लिए बेहद खास और भावनात्मक रहा।' गौरतलब है कि फराह की मां जरीन खान का निधन 7 नवंबर 2025 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने 81 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। वह उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थीं।

इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5: करिश्मा कपूर-जावेद जाफरी समेत ये सितारे बनेंगे जज, 'इंडिया वाला डांस' के साथ लौटेगा मंच

मुंबई। देश में डांस रियलिटी शोज का क्रेज हमेशा से ही खास रहा है। इसी कड़ी में अब एक बार फिर मशहूर डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' अपने पांचवें सीजन के साथ लौटने जा रहा है। इस बार शो को और भी खास बनाने के लिए जज पैनल में कई बड़े नाम शामिल किए गए हैं, जिससे दर्शकों की उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं।

इस नए सीजन में बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर, अभिनेता और डांसर जावेद जाफरी, मशहूर कोरियोग्राफर गीता कपूर और टेरेंस लुईस जज की भूमिका में नजर आएंगे।

करिश्मा कपूर ने शो में वापसी को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, ''इस मंच पर लौटना मेरे लिए घर लौटने जैसा है। इस शो में आने वाला हर डांसर अपने साथ अपनी भावनाएं और संस्कृति लेकर आता है। मैं एक बार फिर से डांसर्स के जुनून और मेहनत को करीब से देखने के लिए उत्साहित हूं।''

वहीं, जावेद जाफरी ने भी लंबे समय बाद जज की कुर्सी पर लौटने को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'करीब एक दशक बाद इस तरह के शो में लौटना मेरे लिए बहुत खास है।

मैं परफेक्ट स्टेप्स नहीं, बल्कि डांसर में वह ऊर्जा और अलग पहचान भी तलाश करता हूं, जो दर्शकों को बांधकर रखे।'

इस बार शो की खास थीम 'इंडिया वाला डांस' रखी गई है, जो देश की विविधता और संस्कृति को दर्शाएगी। शो को हर्ष लिम्बाचिया होस्ट करेंगे। इस सीजन में अलग-अलग डांस फॉर्म्स को सामने लाया जाएगा, जिसमें बॉलीवुड स्टाइल के साथ-साथ पारंपरिक नृत्य भी शामिल होंगे।

गीता कपूर ने शो के बारे में बात करते हुए कहा, ''हर सीजन के साथ इस शो का स्तर और भी ऊंचा होता जा रहा है, लेकिन इसकी असली पहचान 'इंडिया वाला डांस' ही है। मैं ऐसे डांसर्स की तलाश में हूं, जो सिर्फ अपने पैरों से नहीं, बल्कि दिल से डांस करें। असली डांस वही होता है जो सीधे दिल तक पहुंचे।''

टेरेंस लुईस ने भी डांस को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा, ''कोई भी डांसर तकनीक सीख सकता है, लेकिन असली कला तब सामने आती है जब उसमें भावनाएं जुड़ी हों। मेरा मानना है कि केवल सही मूव्स करना काफी नहीं होता, बल्कि डांस में आत्मा और अभिव्यक्ति भी होनी चाहिए, तभी वह लोगों के दिलों को छू पाता है।''

'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' शो 9 मई से सोनी एंटरटेनमेंट टेलिविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होगा।

टीवी अभिनेता राहुल सिंह तोमर साइबर ठगी का शिकार, बैंक खाते से 85 हजार रुपए गायब

मुंबई। मुंबई में साइबर अपराध के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इसी कड़ी में अब प्रसिद्ध टीवी अभिनेता राहुल सिंह तोमर भी इस ठगी का शिकार हो गए हैं। ठगों ने बड़ी चालाकी से अभिनेता को निशाना बनाया और उनके बैंक अकाउंट से 85 हजार रुपए निकाल लिए। हालांकि, समय रहते अकाउंट को ब्लॉक कर देने से एक बड़ी रकम बचा ली गई।

इस मामले में मुंबई के अंबोली पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया गया है और पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, 32 वर्षीय राहुल सिंह तोमर मूल रूप से मध्य प्रदेश के पीथमपुर के रहने वाले हैं और वर्तमान में मुंबई के अंधेरी पश्चिम स्थित अंबोली इलाके में रह रहे हैं। वे लंबे समय से टीवी इंडस्ट्री में सक्रिय हैं और कई लोकप्रिय सीरियल्स और वेब सीरीज में काम कर चुके हैं। घटना उस समय हुई, जब उन्हें एक अज्ञात नंबर से कॉल आया।

कॉल करने वाले व्यक्ति ने उनसे उनके नाम, पते और पेशे से जुड़ी जानकारी ली। चूंकि राहुल अभिनय क्षेत्र से जुड़े हैं, इसलिए उन्होंने इसे काम से जुड़ा कॉल समझा और बिना किसी संदेह के सामान्य जानकारी साझा कर दी। इसके बाद महज आधे घंटे के भीतर राहुल के मोबाइल पर बैंक अकाउंट से 85,000 रुपए ट्रांसफर होने का मैसेज आया।

यह रकम 'डोंगरी सुप्रिया' नाम के एक व्यक्ति के यूपीआई आईडी पर भेजी गई थी।

आदिवी शेष अब करेंगे रोमांस, दो नई रोमांटिक फिल्मों का ऐलान कर बोले- 'एक ही जोन में नहीं रहना चाहता'

मुंबई। फिल्म अभिनेता अदिवी शेष ने इंडस्ट्री में अपनी पहचान एक्शन और थ्रिलर फिल्मों के दम पर बनाई है। हाल ही में वह फिल्म 'डकैत' में नजर आए, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। अब वह अपने करियर में एक नया मोड़ लेते हुए रोमांटिक फिल्मों की ओर रुख कर रहे हैं। उन्होंने दो नई रोमांटिक फिल्मों को साइन किया है। बताया जा रहा है कि ये फिल्में उनके अभिनय के एक बिल्कुल अलग पहलू को दर्शकों के सामने लाने वाली हैं।

इन दो फिल्मों में से पहली फिल्म का निर्देशन साई मार्तंड कर रहे हैं, जिन्होंने अपनी पहली तेलुगु फिल्म 'लिटिल हार्ट्स' से बड़ी सफलता हासिल की थी। इस फिल्म की कामयाबी के बाद अब दर्शकों को उनकी अगली फिल्म से भी काफी उम्मीदें हैं। ऐसे में आदिवी शेष का इस प्रोजेक्ट से जुड़ना इसे और खास बना देता है। कहा जा रहा है कि यह फिल्म एक लव स्टोरी होगी।

अपने हालिया प्रोजेक्ट 'डकैत' के बारे में बात करते हुए आदिवी शेष ने कहा, ''यह फिल्म मेरे लिए बेहद खास रही है। इस फिल्म को दर्शकों से जो प्यार मिला, वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं एक अभिनेता के तौर पर खुद को किसी एक तरह के किरदार में सीमित नहीं रखना चाहता। मेरा मानना है कि कलाकार को हमेशा नई चुनौतियों को स्वीकार करना चाहिए और खुद को अलग-अलग भूमिकाओं में आजमाना चाहिए।''

शेष ने आगे कहा, ''पिछले कुछ सालों में मैंने ज्यादा एक्शन और गंभीर विषयों पर आधारित फिल्मों में काम किया है। इन फिल्मों को दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसके लिए मैं हमेशा लोगों का आभारी रहूंगा। फैंस से मिल रहे प्यार के कारण मेरे मन में अब कुछ अलग करने की इच्छा जाग रही है।''

उन्होंने कहा, ''इन इच्छाओं के चलते मैं अब रोमांटिक कहानियों की ओर बढ़ा हूं। मैं एक ही जोन में नहीं रहना चाहता। मुझे अब ऐसी कहानियां ज्यादा पसंद आ रही हैं जो दिल से जुड़ी हों और जिनमें भावनाओं की गहराई हो। अगर रोमांस को सही तरीके से प्रस्तुत किया जाए, तो यह दर्शकों के दिल को छू सकता है और उन्हें अपनी जिंदगी से जोड़ सकता है। यही कारण है कि मैंने इन दो नई फिल्मों को करने का फैसला लिया।''

इन फिल्मों के बारे में बात करते हुए शेष ने कहा, ''दोनों कहानियां एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। ये सिर्फ साधारण प्रेम कहानियां नहीं हैं, बल्कि इनमें इंसान की भावनाएं, उनकी कमजोरियां और उनके फैसलों को गहराई से दिखाया जाएगा। ये फिल्में रिश्तों की सच्चाई को दर्शाने की कोशिश करेंगी, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर सकती हैं।

ओजस गौतम ने मनाया अपना जन्मदिन; यामी, सुरीली और आदित्य धर ने दी बधाई

मुंबई। अभिनेत्री यामी गौतम के भाई और असिस्टेंट डायरेक्टर ओजस गौतम मंगलवार को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर उनके परिवार के सदस्यों ने सोशल मीडिया के माध्यम से जन्मदिन की बधाई दी।

यामी गौतम के पति और निर्देशक आदित्य धर ने ओजस की इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। ये तस्वीरें फिल्म 'धुरंधर' के सेट की हैं, जिनमें ओजस फिल्म के कलाकारों के साथ काम करते हुए नजर आ रहे हैं।

आदित्य ने ओजस की तारीफ करते हुए उसे 'फ्यूचर लेजेंड' बताया। निर्देशक ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो ओजस। तुम्हारी किस्मत में एक दिन लिजेंड बनना लिखा है। मेरी दुआ है कि तुम्हें हमेशा ढ़ेर सारा प्यार, अच्छी किस्मत और खुशियां मिलती रहें। तुम हमेशा इसी तरह चमकते रहो, क्योंकि तुम वाकई बहुत खास हो।'

यामी की छोटी बहन सुरीली गौतम पंजाबी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री हैं। उन्होंने भी अपने भाई ओजस को इंस्टाग्राम के जरिए जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए ओजस को परिवार की 'शान' और अपनी 'दुनिया' बताया।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ओजस की तस्वीर पोस्ट करके लिखा, 'इस अद्भुत और होशियार बच्चे को जन्मदिन की बहुत बहुत बधाई। ओजस, तुम वो बच्चे हो जिसने मुझे पहली बार बड़ी बहन होने का अहसास कराया। तुम पहले बच्चे थे जिसे मैंने अपनी बाहों में लिया था, और उसी पल से मैं तुम्हारी दूसरी मां बन गई थी।'

उन्होंने आगे लिखा कि ओजस ने अपने काम और व्यवहार से पूरे परिवार का सिर गर्व से ऊंचा किया है।

अभिनेत्री यामी गौतम ने भी इंस्टाग्राम पर ओजस के साथ एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में यामी, ओजस और उनके माता-पिता नजर आ रहे हैं।

यामी ने लिखा, 'सबसे होनहार गौतम को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। भगवान करे तुम हमेशा समझदारी, हुनर और दयालुता से भरपूर रहो। मेरे प्यारे छोटे भाई, ओजस हमेशा ऐसे ही रहना।'

ओजस गौतम धीरे-धीरे निर्देशन और एडिटिंग की दुनिया में अपना नाम बना रहे हैं।

'ताकत नहीं, जिम्मेदारी है', सुविंदर विक्की ने बताई 'अल्फा' की परिभाषा

मुंबई। पंजाबी सिनेमा जगत को एक से बढ़कर एक फिल्में देने वाले अभिनेता सुविंदर विक्की बॉलीवुड में भी अपनी जड़े जमा चुके हैं। अभिनेता हालिया रिलीज वेब सीरीज 'ग्लोरी' में अपने दमदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस बीच अभिनेता ने बताया कि अल्फा होने का मतलब ताकत दिखाना या दूसरों पर कंट्रोल करना नहीं है, बल्कि परिवार की जिम्मेदारी निभाना और सबको साथ लेकर चलना है।

अभिनेता के किरदार में अल्फा यानी जिम्मेदारी, विश्वसनीयता और लीडरशिप दिखाई देगी। ऐसे में वेब सीरीज 'ग्लोरी' के प्रमोशन के दौरान आईएएनएस से बात करते हुए सुविंदर विक्की ने अल्फा शब्द को सरल और भावुक तरीके से परिभाषित किया। उन्होंने बताया, 'मैंने इस टैग को अपना लिया है। परिवार का मुखिया होना, घर के खर्चों का इंतजाम करना, बच्चों की देखभाल करना, पत्नी के लिए चीजें खरीदना और पूरे परिवार को साथ लेकर चलना, मेरे हिसाब से यही अल्फा होने का मतलब है।'

अभिनेता के अनुसार असली सफलता परिवार को खुश रखने में छिपी है।

उन्होंने कहा, 'अगर आपका परिवार आपसे खुश है, तो आप भी खुश हैं। माता-पिता खुश हैं और लोग आपके काम की सराहना करते हैं तो यही असली अल्फा और सफलता है। सुविंदर विक्की का मानना है कि आज के समय में युवाओं के लिए ये सोच खास मायने रखता है, जब अक्सर गलत तरीके से 'अल्फा' होने को ताकत के साथ जोड़कर देखा जाता है।

अपने करियर में सुविंदर विक्की ने हर किरदार में गहराई लाने की कोशिश की है। 'ग्लोरी' में भी उन्होंने एक मजबूत और जिम्मेदार किरदार निभाया है, जिसे लेकर उनका मानना है।

चीन के बड़े पटाखा प्लांट में भीषण धमाका, 21 लोगों की मौत और 61 घायल

चांग्शा। सेंट्रल चीन के हुनान प्रांत में एक पटाखा प्लांट में बड़े धमाके की जानकारी सामने आई है। चीनी अधिकारियों की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, इस धमाके में 21 लोगों की मौत हो गई और 61 अन्य घायल हो गए। धमाके के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से शुरू कर दिया गया है।

चीनी मीडिया के अनुसार, धमाका सोमवार शाम करीब 4:43 बजे हुशेंग पटाखे बनाने और डिस्प्ले वाली कंपनी के प्लांट में हुआ। यह हुनान की राजधानी चांग्शा के प्रांतीय स्तर के शहर लियुयांग में है।

बचाव के लिए पांच टीमों में 480 से ज्यादा बचाव दल भेजे गए हैं और तीन बचाव रोबोट भी तैनात किए गए हैं।

जिस जगह पर धमाका हुआ है, उसके आसपास दो ब्लैक पाउडर गोदाम भी हैं। इसलिए बचाव दल ने आस-पास के लोगों को इलाके से निकाला और दूसरा हादसा रोकने के लिए एक बफर जोन बना दिया है।

मंगलवार सुबह 8 बजे तक, बचाव दल ने पहले राउंड की खोज के बाद हताहतों की पुष्टि कर दी थी। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है और दूसरे राउंड की खोज जारी है।

इमरजेंसी मैनेजमेंट मंत्रालय ने इमरजेंसी बचाव प्रयासों में मदद के लिए एक्सपर्ट्स को मौके पर भेजा है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि कंपनी के इंचार्ज को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और दुर्घटना के कारण की जांच की जा रही है।

बचाव दल को पटाखे के प्लांट के 3 किलोमीटर (1.9 मील) के दायरे में सभी को निकालना पड़ा। उन्होंने लोगों को रेस्क्यू करने के दौरान दूसरे हादसों को रोकने के लिए इलाके में नमी बनाए रखने जैसे उपाय भी किए।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन लोगों को ढूंढने के लिए पूरी कोशिश करने को कहा है जो अभी भी लापता हैं और घायलों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। सरकारी मीडिया ने बताया कि शी ने हादसे की जांच की भी मांग की ताकि जिम्मेदार लोगों को जिम्मेदार ठहराया जा सके।

लियुयांग शहर पटाखे बनाने के लिए जाना जाता है, रिपोर्ट्स में इसे दुनिया का सबसे बड़ा पटाखे बनाने वाला शहर बताया गया है।

चीन में पटाखों की फैक्ट्रियों और दुकानों में धमाकों की घटनाएं पहले भी हुई है और ये अक्सर जानलेवा होते हैं। इससे पहले फरवरी में, हुबेई प्रांत में एक पटाखों की दुकान में हुए धमाके में 12 लोग मारे गए थे।

ईरानी संसद के स्पीकर गालिबाफ की अमेरिका को चेतावनी, बोले- हमने तो अभी शुरुआत भी नहीं की

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्धविराम के बीच होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान की नौसेना लगातार नजर बनाए हुए है। ईरान ने मंगलवार को दावा किया। अमेरिकी विध्वंसक पोतों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में प्रवेश करने की जब कोशिश की तो ईरानी नौसेना ने उन पर चेतावनी के तौर पर गोलियां दागीं। इस बीच ईरान ने बताया कि अमेरिका ने उसकी नागरिक नौकाओं पर हमला किया, जिसमें उसके पांच नागरिक मारे गए। हालांकि अमेरिका ने दावा किया कि उसने जिन नौकाओं पर हमला किया, वे ईरान के आईआरजीसी की हैं।

अमेरिका के साथ बातचीत कर रहे ईरान के मुख्य वार्ताकार और ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबफ ने मंगलवार को चेतावनी दी कि होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जारी गतिरोध में उनके देश ने अभी शुरुआत भी नहीं की है।

गालिबफ ने एक्स पर पोस्ट किया, हम भली-भांति जानते हैं कि यथास्थिति का जारी रहना अमेरिका के लिए असहनीय है, जबकि हमने अभी शुरुआत भी नहीं की है। अमेरिका और उसके सहयोगियों की कार्रवाइयों ने जहाजरानी सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है, लेकिन उन्होंने कहा कि उनकी हानिकारक उपस्थिति कम हो जाएगी।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, यह पता चला है कि अमेरिकी सेना ने दो छोटी सिविलियन कार्गो बोट पर हमला किया था, जो ओमानी तट के साथ खासाब से ईरान की ओर जा रही थीं। हमले में बोट पर सवार पांच सिविलियन मारे गए।

इससे पहले सोमवार को एबीसी न्यूज को दिए एक अन्य फोन इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह कहने से परहेज किया कि ईरान के सोमवार के हमलों ने अमेरिका-ईरान संघर्षविराम का उल्लंघन किया। ट्रंप ने हमलों को कमतर बताते हुए कहा, 'यह कोई भारी गोलीबारी नहीं थी।' अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख ब्रैड कूपर ने सोमवार को पत्रकारों को बताया था कि ईरानी बलों ने कई क्रूज मिसाइलें, ड्रोन और छोटी नावें उन जहाजों पर दागीं जिनकी हम सुरक्षा कर रहे थे।' अमेरिकी बलों ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में नागरिक जहाजों को निशाना बनाने वाली छह ईरानी छोटी नावों को डुबो दिया और कई मिसाइलों व ड्रोन को रोक दिया।

चीनी जेल में बंद पत्रकार की बिगड़ती सेहत पर प्रेस फ्रीडम ग्रुप ने जताई चिंता

पेरिस। एक बड़े अंतर्राष्ट्रीय प्रेस फ्रीडम संगठन ने चीनी पत्रकार डोंग युयु की बिगड़ती सेहत पर गहरी चिंता जताई है। उनके परिवार ने बताया कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया तो पता चला कि उन्हें एक ट्यूमर है।

रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) ने अंतरराष्ट्रीय बिरादरी से अपील की कि वे बीजिंग पर दबाव डालें ताकि मेडिकल पैरोल पर उनकी रिहाई पक्की हो सके और उन्हें इलाज के लिए विदेश जाने और अपने परिवार से मिलने की इजाजत मिल सके। संगठन ने पत्रकार के परिजनों का हवाला देते हुए कहा कि डोंग युयु को 28 अप्रैल को चीन के तियानजिन शहर में जेल से जुड़े एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां एक कंप्यूटेड टोमोग्राफी स्कैन में कथित तौर पर 'उनके बाएं फेफड़े के निचले हिस्से में एक बड़ा ट्यूमर' दिखा, जिसका नेचर पता लगाने के लिए और कंट्रास्ट-एन्हांस्ड इमेजिंग की जरूरत है। आरएसएफ ने बताया कि मेडिकल जांच में एरिथमिया भी सामने आया, जिसमें समय से पहले एट्रियल कॉन्ट्रैक्शन और समय से पहले वेंट्रिकुलर कॉन्ट्रैक्शन (हृदय की अतिरिक्त या समय से पहले होने वाली धड़कनें जो सामान्य हृदय लय को बाधित करती हैं) शामिल हैं।

उन्हें आगे की जांच के लिए 24 घंटे के होल्टर मॉनिटर (एक छोटा पहनने योग्य उपकरण) पर रखा गया है, लेकिन नतीजे अभी तक उनके परिवार को नहीं बताए गए हैं। आरएसएफ ने उनके परिवार के हवाले से कहा, 'पिछले चार सालों में गलत तरीके से हिरासत में रखे जाने के मुश्किल हालात ने युयु की सेहत पर बहुत बुरा असर डाला है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि मेडिकल आधार पर उन्हें तुरंत रिहा कर दिया जाएगा ताकि युयु को जरूरी इलाज मिल सके।'

भारत और सूडान ने द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हितों के क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की

पोर्ट सूडान। भारत और सूडान ने पोर्ट सूडान में विदेश कार्यालय परामर्श का नौवां राउंड आयोजित किया। इसमें अलग-अलग क्षेत्र में आपसी संबंधों में हुए विकास पर चर्चा हुई। दोनों देशों के अधिकारियों ने पारस्परिक हितों के क्षेत्रीय मुद्दों पर भी बात की।

विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'भारत-सूडान विदेश ऑफिस परामर्श का 9वां राउंड 4 मई 2026 को पोर्ट सूडान में हुआ, जिसकी सह-अध्यक्षता जॉइंट सेक्रेटरी (डब्ल्यूएएनए) और सूडान के विदेश मामलों और विदेशी सहयोग के अवर सचिव ने की।'

इसमें आगे कहा गया, 'दोनों पक्षों ने पिछले एफओसी के बाद से आपसी संबंधों में हुए विकास की समीक्षा की और व्यापार, कैपेसिटी बिल्डिंग, मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की, जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, माइनिंग, कृषि और एसएमईएस पर खास ध्यान दिया गया। दोनों पक्षों ने आपसी फायदे के क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचार साझा किए।' जनवरी की शुरुआत में, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने नई दिल्ली में अपने सूडानी समकक्ष मोहिल्डिन सलीम अहमद इब्राहिम के साथ मीटिंग की और सूडान में हिंसा खत्म करने और बातचीत पर लौटने के लिए भारत का रुख दोहराया।

एक्स पर एक पोस्ट में, विदेश मंत्री जयशंकर ने लिखा, 'सूडान के विदेश मंत्री मोहिल्डिन सलीम अहमद इब्राहिम के साथ आज दोपहर अच्छी मीटिंग हुई। सूडान में हिंसा खत्म करने और बातचीत पर लौटने के लिए भारत का रुख दोहराया। हमारे चल रहे मानवीय सपोर्ट और शिक्षा और कैपेसिटी बिल्डिंग में लेन-देन पर चर्चा हुई। इस बारे में आगे की गतिविधियों के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

जनवरी में, मोहिल्डिन सलीम अहमद इब्राहिम नई दिल्ली में दूसरी भारत अरब विदेश मंत्रियों की मीटिंग में शामिल होने के लिए भारत के आधिकारिक दौरे पर थे।

फुजैराह पर हमला: कई देशों ने की निंदा, यूएई बोला- 'समर्थन के लिए आभार'

अबू धाबी। संयुक्त अरब अमीरात के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रपति के सलाहकार अनवर मोहम्मद गर्गश ने फुजैराह पोर्ट पर हुए हमले की निंदा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने विभिन्न देशों से मिले समर्थन और एकजुटता के संदेशों की सराहना की।

सोशल मीडिया पर अपने बयान में गर्गश ने कहा कि खाड़ी, अरब देशों और वैश्विक समुदाय द्वारा दिखाई गई एकजुटता सराहनीय है। उन्होंने ईरान पर आरोप लगाते हुए कहा कि इस तरह के कृत्य क्षेत्र में तनाव बढ़ाने वाले हैं और खाड़ी की सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा पैदा करते हैं।

सोमवार रात हुए कथित हमले में संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह स्थित ऑयल इंडस्ट्री जोन में भीषण आग लग गई। अधिकारियों के अनुसार, ड्रोन और मिसाइलों से किए गए इस हमले को एयर डिफेंस सिस्टम ने काफी हद तक नाकाम कर दिया और 19 हमलावर उपकरणों को मार गिराया। इसके बावजूद एक ड्रोन हमले में आग लगने से तीन भारतीय नागरिक घायल हो गए। इस घटना की भारत ने कड़े शब्दों में निंदा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि नागरिकों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना अस्वीकार्य है। उन्होंने यूएई के साथ एकजुटता जताते हुए कूटनीतिक समाधान और क्षेत्रीय शांति की आवश्यकता पर जोर दिया, साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित नौवहन को वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने भी इस हमले की आलोचना करते हुए यूएई के साथ समर्थन जताया और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। उन्होंने ईरान से क्षेत्र में संघर्ष विराम बनाए रखने के लिए वार्ता का आह्वान किया। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने भी हमलों की निंदा करते हुए कहा कि यूएई एक बार फिर ईरानी हमलों का शिकार बना है।

भारत-जमैका के बीच साझेदारी की समीक्षा, एस. जयशंकर ने विकास सहयोग को बताया मुख्य आधार

किंग्स्टन। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत-जमैका संबंधों में विकास सहयोग (डेवलपमेंट कोऑपरेशन) एक प्रमुख आधार बना हुआ है और दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए नए अवसरों की तलाश कर रहे हैं।

सोमवार (स्थानीय समय) को जमैका की समकक्ष कामिना जे. स्मिथ के साथ अपनी मीटिंग के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, 'आज हमारी बातचीत पूरी और बहुत अहम थी और हमने भारत-जमैका संबंधों के पूरे दायरे की समीक्षा की। हमने अपनी साझेदारी को और मजबूत करने के लिए नए रास्तों की पहचान की।'

उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने कई एग्रीमेंट साइन किए हैं और एमओयू के असरदार इम्प्लीमेंटेशन पर चर्चा की है। हाल ही में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, कल्चरल एक्सचेंज, स्पोर्ट्स और डिजिटल पेमेंट के क्षेत्र में इन समझौतों पर हस्ताक्षर हुए थे, ताकि जमीन पर ठोस नतीजे सुनिश्चित हो सकें।

एस जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि विकास सहयोग हमारी को पार्टनरशिप का एक बहुत जरूरी स्तंभ बना हुआ है। उन्होंने मार्च में किंग्स्टन टाउन में इम्प्रूविंग रूरल लाइवलीहुड्स प्रोजेक्ट के सफलतापूर्वक पूरा होने और हैंडओवर होने का स्वागत किया। इस प्रोजेक्ट को भारत-यूएन विकास साझेदारी फंड के तहत दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओएसएससी) के जरिए भारत ने 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर से समर्थन किया था। उन्होंने कहा, 'इस प्रोजेक्ट से 200 से ज्यादा लोगों को सीधे फायदा हुआ है और किंग्स्टन टाउन कम्युनिटी के हजारों लोगों पर इसका बड़ा सकारात्मक असर हुआ है।'

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों ने भारत-सीएआरआईसीओएम डेवलपमेंट पार्टनरशिप के तहत नई दिल्ली के प्रतिबद्धता के हिस्से के तौर पर जमैका के लिए एक आर्टिसन एम्पावरमेंट हब बनाने की संभावना पर विचार किया। आर्टिसन एम्पावरमेंट हब का मुख्य उद्देश्य स्थानीय शिल्पकारों को सशक्त बनाना, उनके कौशल को विकसित करना और उन्हें वैश्विक बाजार से जोड़ना है। उन्होंने पिछले साल हरिकेन मेलिसा के बाद जमैका की रिकवरी और रिकंस्ट्रक्शन की कोशिशों में भारत की भूमिका पर भी खुशी जताई। भारत के स्वास्थ्य पहलों पर जोर देते हुए जयशंकर ने कहा, '10 भीष्म क्यूब्स की एक खेप को सिंबॉलिक तौर पर सौंपा गया।

अमेरिका-ईरान में सीजफायर के बाद बढ़ा तनाव, यूएई पर ईरानी हमले के बाद ऑयल फैसिलिटी में लगी भीषण आग

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच दो हफ्ते के सीजफायर के बाद एक बार फिर से तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। दोनों देशों के बीच बीते 24 घंटे में हमलों का सिलसिला फिर से शुरू हो गया है। ईरान की ओर से संयुक्त अरब अमीरात पर किए गए हमले के बाद यूएई की ऑयल फैसिलिटी में भीषण आग लग गई है।

यूएई के अधिकारियों ने बताया कि ईरान ने सोमवार को संयुक्त अरब अमीरात में टारगेट पर ड्रोन और रॉकेट हमले किए। यूएई के एयर डिफेंस ने 19 ईरानी मिसाइलों और ड्रोन को मार गिराया। हालांकि, फुजैराह ऑयल इंडस्ट्री जोन में ड्रोन हमले से बड़ी आग लगने के बाद तीन भारतीय नागरिक घायल हो गए। इसके अलावा, अमेरिका ने दावा किया कि ईरान ने दक्षिण कोरिया के जहाज पर भी हमला किया है। कोरियाई सरकार ने हमले की जांच का आदेश दिया है।

बांग्लादेशी विदेश मंत्री खलीलुर रहमान का चीन दौरा, बीजिंग को उम्मीद 'द्विपक्षीय संबंध होंगे

नई दिल्ली/बीजिंग। बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान तीन दिवसीय यात्रा पर चीन जाएंगे। बीजिंग को उम्मीद है कि ये दौरा द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूती देगा। भारत में चीन के राजदूत शू-फी-होंग ने एक्स पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। रहमान चीन के न्योते पर जा रहे हैं, और यहां उनकी गणमान्य जनों से मुलाकात प्रस्तावित है।

होंग ने एक्स पर लिखा, 'सीपीसी सेंट्रल कमिटी के पॉलिटिकल ब्यूरो सदस्य और विदेश मंत्री वांग यी के बुलावे पर, बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान 5 से 7 मई तक चीन का दौरा करेंगे।' होंग को विश्वास है कि चीन बांग्लादेश के साथ अपने रिश्तों को बहुत अहमियत देता है और वो दौरे को लेकर उत्सुक है। बीजिंग को उम्मीद है कि बांग्लादेश की नई सरकार के साथ मिलकर द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत किया जाएगा और चीन-बांग्लादेश की 'कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रेटेजिक कोऑपरेटिव पार्टनरशिप' को मजबूत करने में मदद मिलेगी। इससे पहले बीजिंग ने सोमवार को इस दौरे को लेकर बड़ा ऐलान किया। चीन के विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, विदेश मंत्री वांग यी के बुलावे पर रहमान मंगलवार से अपना दौरा शुरू करेंगे।

फरवरी में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की नई सरकार बनने के बाद से यह रहमान का तीसरा विदेश द्विपक्षीय दौरा होगा।

चीन और बांग्लादेश ने 2024 में संबंधों को 'कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रेटेजिक कोऑपरेटिव पार्टनरशिप' में अपग्रेड किया। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा, 'चीन और बांग्लादेश लंबे समय से एक-दूसरे के दोस्त और करीबी पड़ोसी रहे हैं।' द्विपक्षीय संबंधों में 'लगातार और स्थिर प्रगति हुई है और दोनों लोगों के लिए ठोस नतीजे मिले है।' और ढाका के साथ संबंधों को बीजिंग 'बहुत महत्व' देता है।

अमेरिका ने 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' के तहत दो छोटी नावों को बनाया निशाना, पांच की मौत : ईरान

तेहरान/वाशिंगटन। खाड़ी क्षेत्र के संवेदनशील स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। ईरान ने अमेरिका के 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को निशाने पर लिया है। आरोप लगाया है कि उसके हमले में पांच नागरिकों की मौत हो गई है, जिससे दोनों देशों के बीच हाल ही में हुआ संघर्ष विराम खतरे में पड़ता नजर आ रहा है।

ईरान के अनुसार, अमेरिकी बलों ने उन यात्री नौकाओं को निशाना बनाया, जो ओमान के खासाब तट से ईरान की ओर जा रही थीं। ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने एक अज्ञात सैन्य कमांडर के हवाले से बताया कि इन हमलों में दो छोटी नावें पूरी तरह नष्ट हो गईं और उनमें सवार पांच आम नागरिकों की मौत हो गई। ईरान ने इस घटना को

'अपराध' करार देते हुए अमेरिका को इसके लिए जवाबदेह ठहराने की मांग की है। तेहरान ने कहा कि इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है और शुरुआती जांच में यह पाया गया है कि हमला इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नावों पर नहीं, बल्कि आम लोगों को ले जा रही नौकाओं पर हुआ। वहीं, अमेरिकी पक्ष का दावा इससे बिल्कुल अलग है। अमेरिकी एडमिरल ब्रैड कूपर ने इससे पहले कहा था कि सेंट्रल कमांड की कार्रवाई में आईआरजीसी की छह नौकाओं को डुबो दिया गया, जो अमेरिकी मिशन में बाधा डालने की कोशिश कर रही थीं। यह मिशन होर्मुज में फंसे जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए चलाया गया था, जिसे 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' नाम दिया गया है। अमेरिका का तर्क है कि उसकी कार्रवाई आत्मरक्षा और समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई थी। हालांकि, ईरान के आरोपों पर अमेरिकी सेना की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

मध्य प्रदेश कैबिनेट की बैठक में साढ़े 38 हजार करोड़ रुपए के विकास कार्य मंजूर

भोपाल। मध्य प्रदेश की कैबिनेट की बैठक में राज्य में साढ़े 38 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के विकास कार्यों को मंजूरी दी गई है, वहीं राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन का निर्णय भी लिया गया है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में मध्य प्रदेश के सर्वांगीण विकास और जन-कल्याण के लिए विभिन्न विभागों की 38 हजार 555 करोड़ रुपए की महत्वपूर्ण वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान की गई। बैठक के प्रमुख निर्णयों में 16वें वित्त आयोग की अवधि (2026-2031) के लिए सड़क निर्माण, ग्रामीण मार्गों के उन्नयन और शासकीय आवासों के रखरखाव के लिए सर्वाधिक 32 हजार 405 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

कृषि क्षेत्र को मजबूती देने के लिए 'दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन' को मंजूरी दी गई। इसमें आगामी 5 वर्षों में 2,442.04 करोड़ रुपए व्यय कर दलहन उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त महिला एवं बाल विकास के अंतर्गत नवीन आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण और 'मिशन वात्सल्य' के सुचारू संचालन के लिए 2,412 करोड़ रुपए तथा आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए 1,295 करोड़ 52 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है।

आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए मंत्रि-परिषद ने 'राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड' के गठन का भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया है, जो व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और सरकार के साथ सीधे संवाद का सशक्त माध्यम बनेगा।

यह पहल प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने और समावेशी विकास सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। मंत्रिपरिषद ने मध्य प्रदेश में दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन की आगामी 5 वर्षों, 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक, निरंतरता के लिए 2442 करोड़ 4 लाख रुपए की स्वीकृति दी। योजना के क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक नियम और दिशा-निर्देश जारी करने के लिए किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग को अधिकृत किया गया।

जम्मू-कश्मीर में फर्जी नियुक्ति घोटाला, स्वास्थ्य विभाग का कर्मचारी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में फर्जीवाड़े और अवैध नियुक्तियों के लंबित मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जम्मू-कश्मीर पुलिस की क्राइम ब्रांच ने स्वास्थ्य विभाग के एक सरकारी कर्मचारी को गिरफ्तार किया है।

क्राइम ब्रांच जम्मू के अधिकारियों के मुताबिक, आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) कश्मीर ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। यह गिरफ्तारी वर्ष 2017 में दर्ज एफआईआर के तहत की गई है। यह मामला पहले पुलिस स्टेशन क्राइम ब्रांच कश्मीर में दर्ज था, जिसे अब ईओडब्ल्यू कश्मीर के रूप में नामित किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान श्रीनगर के टंकीपोरा, शहीद गंज निवासी शहनवाज अहमद मीर के रूप में हुई है, जो स्वास्थ्य विभाग में सीनियर असिस्टेंट के पद पर कार्यरत है। यह पूरा मामला तब सामने आया जब कश्मीर के डिप्टी डायरेक्टर हेल्थ सर्विसेज की ओर से एक शिकायत मिली। इसमें बताया गया था कि बडगाम के मझामा निवासी बशीर अहमद सोफी ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए हेल्थ एजुकेटर के पद पर नियुक्ति हासिल की थी। आरोप है कि उसने नकली ट्रांसफर ऑर्डर और फर्जी 'लास्ट पे सर्टिफिकेट' प्रस्तुत कर सरकारी नौकरी पाई।

जांच में सामने आया कि बशीर अहमद सोफी ने बारामुला के ब्लॉक शीरी में अवैध रूप से नौकरी हासिल की और लंबे समय तक वेतन भी लिया, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचा। इसी जांच के दौरान शहनवाज अहमद मीर की भूमिका भी उजागर हुई, जिसे इस पूरे फर्जीवाड़े में सहयोगी या कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि शहनवाज एक आदतन आरोपी है और इस तरह के कई मामलों में उसकी संलिप्तता पहले भी सामने आ चुकी है। कुछ मामलों में जांच जारी है, जबकि कुछ में चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है।

संक्षिप्त खबर

सबरीमाला फैसले वाली पीआईएल पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन के उस जनहित याचिका (पीआईएल) को दायर करने के अधिकार और इरादे पर सवाल उठाया, जिसके कारण सबरीमाला पर बहुचर्चित फैसला आया था। नौ जजों की संविधान पीठ ने बार-बार यह पूछा कि वकीलों के एक संगठन ने धार्मिक रीति-रिवाजों से जुड़े मामले में दखल देने का फैसला क्यों किया। सबरीमाला समीक्षा संदर्भ की सुनवाई करते हुए, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें जस्टिस बी.वी. नागरत्ना, एम.एम. सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमनुल्लाह, अरविंद कुमार, ए.जी. मसीह, प्रसन्ना बी. वराले, आर. महादेवन और जॉयमाल्य बागची शामिल थे, ने याचिकाकर्ता संघ की ओर से पेश वकील रवि प्रकाश गुप्ता से तीखे सवालों की एक श्रृंखला पूछी। 'आप कौन हैं? आपको इन सब बातों से क्या लेना-देना है?' जस्टिस नागरत्ना ने पूछा, और बार-बार यह सवाल उठाया कि कोई 'ज्यूरिस्टिक एंटिटी' (कानूनी संस्था) पूजा के अधिकार का दावा कैसे कर सकती है या मंदिर की रीतियों को चुनौती कैसे दे सकती है।

'इससे क्या भला हुआ है?' जज ने आगे पूछा, और जिस तरीके से यह जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई थी, उस पर अपनी कड़ी नाराजगी जाहिर की। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर चिंता जताई कि क्या संघ ने किसी औपचारिक प्रस्ताव के जरिए इस मुकदमे को अधिकृत किया था। जब वकील ने इस पहलू पर स्पष्टता की कमी जाहिर की, तो जस्टिस सुंदरेश ने टिप्पणी की कि यह मामला 'कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग करने के अलावा और कुछ नहीं' लगता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर भी गौर किया कि संघ के तत्कालीन अध्यक्ष, नौशाद अली, कथित तौर पर केवल 'नाम के लिए अध्यक्ष' थे, जिन्हें इस मुकदमे के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। जस्टिस सुंदरेश ने टिप्पणी की कि अगर वह इसमें सक्रिय रूप से शामिल होते, तो 'वह यह जनहित याचिका दायर करने के लिए उपलब्ध नहीं होते।' इस बात का ज़िक्र करते हुए कि यह जनहित याचिका अखबारों की रिपोर्टों और मंदिर की रीतियों से जुड़े दावों पर आधारित थी, सीजेआई सूर्यकांत ने टिप्पणी की कि ऐसी सामग्री को 'सीधे-सीधे खारिज कर दिया जाना चाहिए था।' सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर भी आपत्तियां जाहिर कीं कि जो लोग किसी देवी-देवता में विश्वास नहीं रखते, वे धार्मिक रीतियों पर सवाल कैसे उठा सकते हैं। जस्टिस नागरत्ना ने टिप्पणी की कि जिन लोगों की किसी देवी-देवता में आस्था नहीं है, वे स्थापित 'नियमों' (रीतियों) को खत्म करने की कोशिश नहीं कर सकते; उन्होंने आगे कहा कि इस तरह के प्रयासों को कोई संवैधानिक अदालत बढ़ावा नहीं दे सकती।

श्रीनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कुख्यात ड्रग तस्कर की 1.20 करोड़ की संपत्ति जब्त

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 100 दिनों के विशेष अभियान 'नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर' के तहत श्रीनगर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए कुख्यात ड्रग तस्कर की करीब 1.20 करोड़ रुपए मूल्य की अचल संपत्ति को जब्त कर लिया है।

पुलिस स्टेशन नौहट्टा की टीम ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ के तहत यह कार्रवाई की है। यह संपत्ति वर्ष 2019 के एफआईआर नंबर 61/2019, जो एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत दर्ज है, में आरोपी के नाम पर पाई गई थी।

जब्त की गई संपत्ति में पूरी तरह से नवीनीकृत तीन मंजिला रिहायशी मकान, तीन शौचालयों सहित एक अलग एक मंजिला कंक्रीट किचन ब्लॉक तथा लगभग नौ मरला जमीन शामिल हैं। यह संपत्ति श्रीनगर के हवाल इलाके के शेख मोहल्ला, कनी देवर निवासी निसार अहमद शेख (पुत्र हबीबुल्लाह शेख) की बताई जा रही है।

पुलिस की जांच में सामने आया है कि उक्त संपत्ति अवैध मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित धन से खरीदी गई थी। इसी आधार पर इसे एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत अवैध रूप से अर्जित संपत्ति घोषित कर जब्त किया गया।

श्रीनगर पुलिस ने इस कार्रवाई को नशे के खिलाफ अपनी सख्त नीति का हिस्सा बताते हुए कहा कि ड्रग तस्करों के आर्थिक नेटवर्क को तोड़ना बेहद जरूरी है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी ऐसे अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही, पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे नशे के दुरुपयोग और तस्करी से जुड़ी किसी भी जानकारी को साझा कर इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

इससे पहले अप्रैल में इसी अभियान के तहत श्रीनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कुख्यात तस्कर की लगभग 1.50 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त कर ली थी। जानकारी के अनुसार, श्रीनगर पुलिस ने पुलिस स्टेशन रैनावारी के माध्यम से यह कार्रवाई की थी। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ के तहत आरोपी बिलाल अहमद पटू की 11 मरला जमीन पर बने एक मंजिला रिहायशी मकान को जब्त किया था। आरोपी बिलाल अहमद पटू एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामले में शामिल रहा है।

गिरिडीह में तेज रफ्तार वैन ने तीन मजदूरों को कुचला, दो की मौके पर मौत, एक गंभीर

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह जिले के बिरनी थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो बुजुर्ग मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया।

यह दुर्घटना सरिया-राजधनवार मुख्य मार्ग पर माखमरगो पंचायत भवन के समीप घटी। मृतकों की पहचान बिरनी थाना क्षेत्र के जितकुंडी गांव निवासी 70 वर्षीय बासदेव साव और 65 वर्षीय लखिया देवी (पति लखपत साव) के रूप में हुई है। इस हादसे में इसी गांव के 65 वर्षीय धनपत साव गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तीनों मजदूर प्रतिदिन की तरह मंगलवार की सुबह मजदूरी करने के लिए पैदल माखमरगो इलाके की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार पिकअप वैन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बासदेव साव और लखिया देवी ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि धनपत साव लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े।

हादसे को अंजाम देने के बाद चालक पिकअप वैन लेकर मौके से फरार होने में सफल रहा। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना बिरनी थाना पुलिस को दी और घायल धनपत साव को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। सूचना पाकर बिरनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

एमके स्टालिन ने सीएम पद से दिया इस्तीफा, राज्यपाल ने कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहने को कहा

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद डीएमके प्रमुख एम.के. स्टालिन ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को भेज दिया।

राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और उनके मंत्रिपरिषद का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। साथ ही उन्होंने स्टालिन से नई सरकार के गठन तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में पद पर बने रहने का अनुरोध किया है।

मंगलवार को लोक भवन से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, राज्यपाल ने संवैधानिक परंपरा के तहत स्टालिन से तब तक कार्यभार संभालने को कहा है, जब तक नई सरकार शपथ नहीं ले लेती। स्टालिन का इस्तीफा हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में डीएमके नीत सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस (एसपीए) को मिली करारी हार के बाद आया है। सूत्रों के मुताबिक, जैसे ही चुनाव परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि गठबंधन बहुमत से काफी पीछे रह गया है, उसके तुरंत बाद इस्तीफा राज्यपाल को सौंप दिया गया। 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में डीएमके गठबंधन को केवल 73 सीटें मिलीं, जो बहुमत के 118 के आंकड़े से काफी कम है।

पश्चिम बंगाल भाजपा का फरमान- चुनाव बाद किसी भी तरह की हिंसा में शामिल न हों कार्यकर्ता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की निर्णायक जीत के एक दिन बाद राज्य भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने मंगलवार को पार्टी कार्यकर्ताओं को चुनाव के बाद हिंसा में शामिल न होने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ऐसा करने पर उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा तृणमूल कांग्रेस सरकार के कृत्यों को नहीं दोहराएगी।

206 सीटों के साथ भाजपा ने राज्य विधानसभा चुनावों में शानदार जीत दर्ज की, जबकि तृणमूल कांग्रेस को केवल 81 सीटें मिलीं। कांग्रेस ने दो सीटें, सीपीआई-एम ने एक सीट जीती, जबकि एआईएसएफ और आम जनता उन्नयन पार्टी ने क्रमशः एक और दो सीटें हासिल कीं। आईएएनएस से बात करते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने जो किया, भाजपा उसे नहीं दोहराएगी। यदि कोई भाजपा कार्यकर्ता चुनाव के बाद किसी भी प्रकार की हिंसा में शामिल पाया जाता है, तो उसे पार्टी से निकाल दिया जाएगा।

उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि ऐसी घटनाएं किसी भी हालत में न हों। भट्टाचार्य ने कहा कि इस पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए; अन्यथा, ऐसी घटनाओं के लिए प्रशासन ही जिम्मेदार होगा।

इसके अलावा, बंगाल भाजपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि कल दमदम, आसनसोल और राजारहाट गोपालपुर में तृणमूल के भीतर की प्रतिद्वंद्विता साफ दिखाई दी, जब तृणमूल कांग्रेस के एक गुट ने भाजपा का झंडा उठाकर पार्टी के ही दूसरे गुट के कार्यालय में तोड़फोड़ की। उन्होंने कहा कि वे भाजपा के झंडे का इस्तेमाल करके कार्यालय पर कब्जा करना चाहते हैं। इसके अलावा, उन्होंने तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर ई-रिक्शा चालकों और बाजार से जबरन वसूली को लेकर आपस में लड़ने का आरोप लगाया। भट्टाचार्य ने जोर देकर कहा कि यह ऐसे नहीं चल सकता। कोई भी रिक्शा चालक किसी को पैसे नहीं देगा। सड़क पर सब्जी बेचने वाले, भले ही उनके पास नगर पालिका से अनुमति न हो, जबरन वसूली के लिए मजबूर नहीं किए जा सकते। भाजपा की जीत पर राज्य में मछली और मांस पर प्रतिबंध लगाने के तृणमूल के आरोपों पर उन्होंने कहा कि राजनीतिक रूप से दिवालिया हो चुके लोग ही ऐसे मुद्दों पर बोलते हैं।

पुणे जिले के दौंड में पिता ने 9 वर्षीय बेटी की हत्या कर शव जलाया

पुणे। पुणे के नसरापुर में बच्ची से रेप और हत्या का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि अब जिले के दौंड तालुका के देउलगांव राजे गांव में एक बेहद दुखद और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है।

यहां एक पिता ने अपनी ही 9 साल की नाबालिग बेटी की हत्या कर दी। आरोपी नेबच्ची पर लकड़ी काटने वाली मशीन से हमला किया। हत्या के बाद सबूत मिटाने के लिए उसने शव को कपड़ों में लपेटकर घर में आग लगा दी। घटना हनुमान बस्ती, काले वस्ती इलाके में हुई। आरोपी शांताराम दुर्योधन चव्हाण (33) ने अपनी बेटी पर शक किया कि उसने भाई की स्कूल मार्कशीट में कुछ बदलाव किए हैं। इसी शक के चलते वह इतना गुस्सा हो गया कि उसने बच्ची की जान ले ली। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी ने बच्ची की हत्या के बाद शव को छिपाने और नष्ट करने के इरादे से घर में आग लगा दी।

इस मामले में एक महिला चिंगू शिंदबाद भोसले पर घटना को छुपाने और मदद करने का आरोप है। दौंड पुलिस स्टेशन में इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस आरोपी शांताराम चव्हाण को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक सुनील उगले कर रहे हैं। इस घटना की खबर फैलते ही पूरे इलाके में आक्रोश और शोक की लहर दौड़ गई है। स्थानीय लोगों ने कहा कि ऐसी घटना सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। एक छोटी सी बच्ची को अपने ही पिता के हाथों इस तरह मौत का शिकार बनना बेहद दुखद है। लोग न्याय की मांग कर रहे हैं और जल्द से जल्द सख्त कार्रवाई की अपील कर रहे हैं।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस 2023) की धारा 103(1), 238 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। इन धाराओं में हत्या, सबूत नष्ट करना और अन्य अपराध शामिल हैं। पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर सबूत इकट्ठा कर रही है।

बेंगलुरु में ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़ : 20 करोड़ रुपए का एमडीएमए और हाइड्रो गांजा जब्त

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने मंगलवार को शहर के यशवंतपुर और नंदिनी लेआउट इलाकों में कथित तौर पर अवैध नशीले पदार्थ बेचने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो अंतर-राज्यीय ऑपरेटिव और चार स्थानीय लोग शामिल हैं। ये गिरफ्तारियां यशवंतपुर पुलिस स्टेशन (दो अलग-अलग मामलों में) और नंदिनी लेआउट पुलिस स्टेशन (एक मामले में) की सीमा के भीतर, अलग-अलग तारीखों पर मुखबिरों से मिली विश्वसनीय जानकारी के आधार पर की गई कई छापेमारी के बाद हुई।

पुलिस ने ऑपरेशन शुरू करने से पहले नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंसेस (एनडीपीएस) एक्ट के प्रावधानों के तहत मामले दर्ज किए।

पुलिस के अनुसार, आरोपी एमडीएमए और हाइड्रो गांजा जैसी प्रतिबंधित दवाएं अज्ञात अंतर-राज्यीय और स्थानीय सप्लायरों से कम कीमतों पर खरीदते थे और उन्हें ऊंची कीमतों पर बेचते थे; वे खास तौर पर आम जनता और कॉलेज के छात्रों को निशाना बनाकर अवैध मुनाफा कमाते थे। छापेमारी के दौरान, पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 8 किलो 58 ग्राम एमडीएमए और 5 किलो 700 ग्राम हाइड्रो गांजा जब्त किया। इसके अलावा, नशीले पदार्थों के व्यापार में बातचीत के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले चार मोबाइल फोन और एक कार भी जब्त की गई। जब्त की गई सामग्री का कुल मूल्य 10.05 करोड़ रुपए आंका गया है, जबकि इसका बाजार मूल्य लगभग 20.10 करोड़ रुपए बताया जा रहा है, जो इस अवैध ऑपरेशन के बड़े पैमाने को दर्शाता है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उन अज्ञात सप्लायरों (स्थानीय और अंतर-राज्यीय दोनों) का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं, जो कथित तौर पर आरोपियों को नशीले पदार्थ उपलब्ध करा रहे थे। जांच अभी जारी है।

नासा के हबल ने कैद की स्पेस में 'लाइटसेबर' की तस्वीरें, जानें क्या है ये

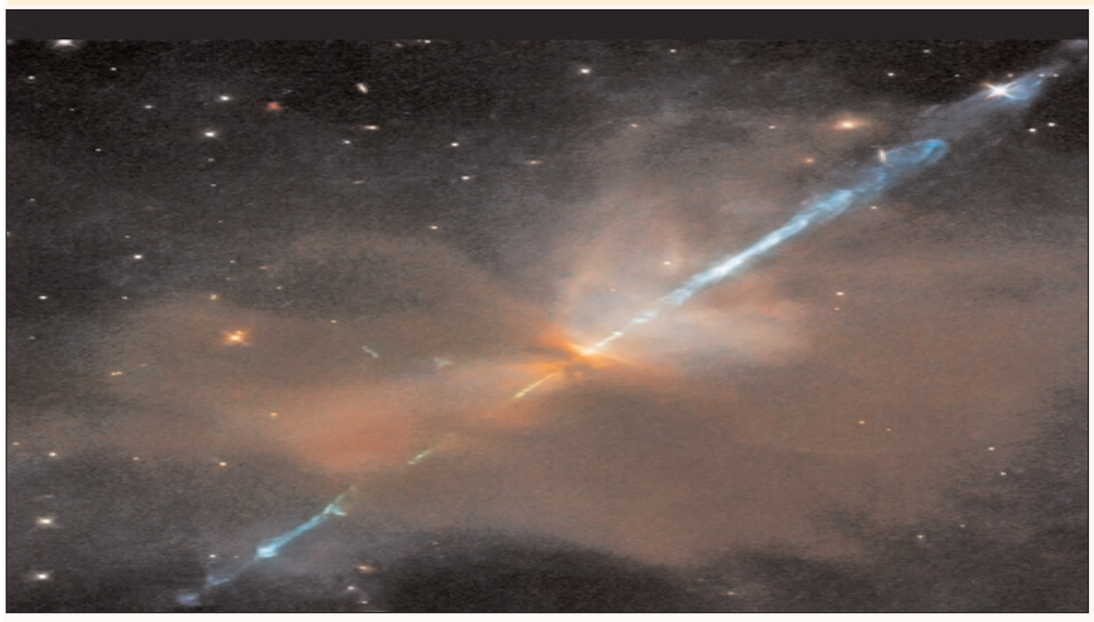

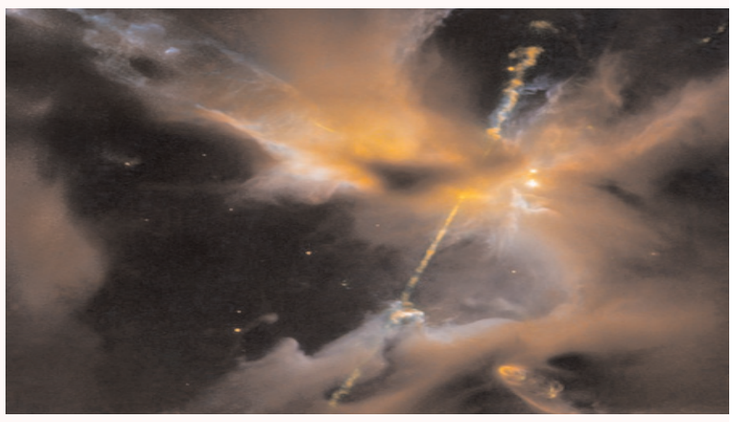

नई दिल्ली। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा (नासा) के हबल स्पेस टेलीस्कोप ने ब्रह्मांड की एक अद्भुत तस्वीर साझा की है। इस दृश्य में प्रकाश की दो किरणें किसी रहस्यमयी तलवार की तरह चमकती दिखाई दे रही हैं, जो फिल्म 'स्टार वॉर्स' के 'लाइटसेबर' की याद दिलाती हैं।

वैज्ञानिक रूप से, ये चमकती किरणें नवजात तारों से निकलने वाली ऊर्जा की शक्तिशाली धाराएं (जेट्स) हैं। जब ये जेट्स अंतरिक्ष में मौजूद गैस और धूल के बादलों से तीव्र गति से टकराते हैं, तो 'हरबिग-हारो ऑब्जेक्ट्स' का निर्माण होता है। हबल ने इनमें से एचएच 24 और एचएच 111 नामक ऑब्जेक्ट्स की खास तस्वीरें ली हैं। धूल की मोटी परतों के बीच से निकलते ये प्रकाश पुंज ऐसे प्रतीत होते हैं, मानो किसी योद्धा ने अंधेरे के बीच अपनी चमकती तलवार लहराई हो।

वैज्ञानिकों के अनुसार, नए जन्मे तारों में शक्ति जागृत होने पर ये शक्तिशाली जेट निकलते हैं। ये जेट आस-पास की सामग्री से टकराकर चमकीले और रंगीन पैटर्न बनाते हैं।

हबल ने दो तस्वीरें ली हैं, जिसमें से पहली तस्वीर में अंतरिक्ष का एक बादल भरा क्षेत्र नारंगी रंग में चमकता दिख रहा है। इसमें से एक जेट की रोशनी तिरछी दिशा में गुजर रही है, जो बेहद आकर्षक नजर आ रही है। दूसरी तस्वीर में गैस और धूल की हल्की लाल धुंध के बीच से काली पृष्ठभूमि पर एक तिरछा नीला धागा जैसा प्रकाश यानी फिलामेंट स्पष्ट दिखाई दे रहा है। ये नीला फिलामेंट लाइटसेबर की तरह चमकता हुआ प्रतीत होता है।

हबल स्पेस टेलीस्कोप इन ऑब्जेक्ट्स को पहले भी देख चुका है, लेकिन नई तस्वीरों में रंगों और विवरण की स्पष्टता बेहतर है।

ये तस्वीरें युवा तारों के निर्माण प्रक्रिया और उनके आस-पास के वातावरण को समझने में वैज्ञानिकों की मदद करती हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि ऐसे जेट तारों के विकास के शुरुआती चरण में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये जेट न केवल आस-पास की गैस को प्रभावित करते हैं बल्कि नए तारा निर्माण की प्रक्रिया को भी आकार देते हैं।

संतुलित थाली ही है स्वस्थ जीवन का आधार, जानिए क्या और कितना खाएं?

नई दिल्ली। हमारी सेहत की असली नींव हमारी रोज की थाली में रखी होती है। हम रोज क्या खाते हैं और कितना खाते हैं उसका सीधा असर हमारे शरीर पर पड़ता है। इसलिए जरूरी है कि हम समझें कि एक संतुलित थाली आखिर होती कैसी है और उसमें क्या-क्या होना चाहिए।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर बताया कि अपनी थाली को तीन हिस्सों में बांटना चाहिए। थाली का आधा हिस्सा मौसमी फल और सब्जियों से भरा होना चाहिए। ये हमारे शरीर को जरूरी विटामिन, मिनरल और फाइबर देते हैं, जिससे पाचन भी अच्छा रहता है और रोगों से लड़ने की ताकत मिलती है। हरी सब्जियां, गाजर, टमाटर, लौकी, पालक और मौसमी फल जैसे सेब, केला, पपीता आदि रोज खाने चाहिए।

इसके बाद थाली का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा अनाज या मोटे अनाज का होना चाहिए। इसमें गेहूं की रोटी, चावल, रागी, बाजरा और ज्वार जैसी चीजें शामिल हो सकती हैं। ये हमें ऊर्जा देती हैं ताकि हम दिनभर एक्टिव रह सकें। आजकल मोटे अनाज को फिर से अपनाने पर जोर दिया जा रहा है क्योंकि ये ज्यादा पौष्टिक और सेहत के लिए अच्छे होते हैं।

बाकी 25 प्रतिशत हिस्सा प्रोटीन से भरपूर चीजों का होना चाहिए। इसमें दालें, चना, राजमा, सोयाबीन शामिल किए जा सकते हैं। अगर आप नॉनवेज खाते हैं तो अंडा, मछली, चिकन या मीट भी इस हिस्से में आ सकता है। प्रोटीन शरीर की मांसपेशियों को मजबूत करता है और शरीर की मरम्मत में मदद करता है।

इसके साथ ही थोड़ी मात्रा में अच्छे फैट्स भी जरूरी होते हैं। जैसे मूंगफली, बादाम, अखरोट, तिल, अलसी के बीज और सीमित मात्रा में तेल या घी। ये दिमाग और हार्मोन के लिए जरूरी होते हैं। साथ ही अगर संभव हो तो थोड़ा दूध या दही भी रोज की डाइट में शामिल करें, क्योंकि ये कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हर दिन एक ही तरह का खाना न खाएं, बल्कि अलग-अलग अनाज, सब्जियां और दालें शामिल करें। इससे शरीर को हर तरह के पोषक तत्व मिलते हैं।

स्किन से लेकर डाइजेशन तक, हर समस्या का हल है बेल

नई दिल्ली । बेल (बिल्व) एक ऐसा फल है जो पुराने समय से ही घरेलू इलाज का हिस्सा रहा है। दादी-नानी के नुस्खों में इसका नाम अक्सर सुनने को मिलता है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब लोग पाचन, त्वचा और बदलती लाइफस्टाइल से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं, ऐसे में बेल एक आसान और प्राकृतिक समाधान है।

अगर आपको अक्सर अपच, गैस या पेट दर्द की शिकायत रहती है, तो बेल का सेवन काफी फायदेमंद हो सकता है। बेल का शरबत खासतौर पर गर्मियों में पेट को ठंडक देता है और पाचन क्रिया को मजबूत बनाता है। जिन लोगों को कब्ज की समस्या होती है, उनके लिए भी यह काफी असरदार माना जाता है।

बेल वात और कफ को संतुलित करने में मदद करता है। आयुर्वेद के अनुसार, जब शरीर में ये दोनों दोष बढ़ जाते हैं, तो कई तरह की समस्याएं शुरू हो जाती हैं, जैसे भारीपन, सुस्ती या सर्दी-जुकाम। बेल इन दोनों को नियंत्रित करके शरीर को हल्का और संतुलित बनाए रखने में मदद करता है।

आजकल मधुमेह और मेटाबॉलिज्म से जुड़ी समस्याएं भी काफी आम हो गई हैं। ऐसे में बेल का सेवन धीरे-धीरे शरीर के शुगर लेवल को संतुलित करने में सहायक हो सकता है। यह मेटाबॉलिक एक्टिविटी को बेहतर करता है, जिससे शरीर में ऊर्जा का सही उपयोग होता है और थकान कम महसूस होती है।

त्वचा के लिए भी बेल किसी वरदान से कम नहीं है। अगर आपको हल्की जलन, सूजन या स्किन पर रैशेज की समस्या रहती है, तो बेल का गूदा या उसका रस लगाने से राहत मिल सकती है। यह त्वचा को ठंडक देता है और अंदर से भी उसे पोषण प्रदान करता है, जिससे त्वचा स्वस्थ और साफ नजर आती है।

खांसी-जुकाम जैसी आम समस्याओं में भी बेल मददगार साबित होता है। इसका सेवन शरीर की इम्युनिटी को मजबूत करता है, जिससे मौसमी बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है। खासकर बदलते मौसम में बेल का इस्तेमाल शरीर को सुरक्षित रखने में मदद करता है।

बायोकॉन की संस्थापक किरण मजूमदार-शॉ ने भतीजी क्लेयर को उत्तराधिकारी नामित कियाः रिपोर्ट

नई दिल्ली। बायोकॉन की संस्थापक किरण मजूमदार-शॉ ने अपनी भतीजी क्लेयर मजूमदार को अपना उत्तराधिकारी नामित किया है। यह पहला मौका है जब शॉ ने किसी व्यक्ति का नाम उत्तराधिकारी के तौर पर लिया है। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

फॉर्च्यून इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में 73 वर्षीय मजूमदार-शॉ ने कहा कि वह बायोकॉन को आगे ले जाने के लिए क्लेयर को एक सही उत्तराधिकारी के तौर पर देखती है।

मजूमदार-शॉ की कोई संतान नहीं है।

इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'बायोकॉन का स्वामित्व केवल मेरे पास है और मुझे यह सुनिश्चित करना होगा कि मैं इसे अच्छे हाथों में सौंपूं। मैंने अपनी भतीजी क्लेयर को अपना उत्तराधिकारी माना है क्योंकि मुझे लगता है कि उसने मुझे यह साबित कर दिया है कि वह एक कंपनी चला सकती है।'

क्लेयर मजूमदार वर्तमान में नैस्डैक में सूचीबद्ध कंपनी बिकारा थेरेप्यूटिक्स की संस्थापक और सीईओ हैं, इस कंपनी को बायोकॉन द्वारा सपोर्ट किया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि एक व्यापक पारिवारिक ढांचा कंपनी के भविष्य के विकास में भी सहायक हो सकता है।इसमें क्लेयर के भाई एरिक मजूमदार शामिल हैं, जो कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में प्रोफेसर और एआई एक्सपर्ट हैं, साथ ही उनके पति थॉमस रॉबर्ट्स भी हैं, जो मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल में ऑन्कोलॉजिस्ट हैं।

व्यापक संगठनात्मक पुनर्गठन के तहत, बायोकॉन ने अपने जेनेरिक और बायोलॉजिक्स व्यवसायों का विलय कर दिया है, अपनी संरचना को सरल बनाया है और कर्ज कम किया है।

मजूमदार-शॉ ने बताया कि कंपनी बायोसिमिलर्स पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है, जो राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। कंपनी के कई उत्पाद पहले से ही बाजार में हैं और कई अन्य उत्पाद पाइपलाइन में हैं।

इसके अलावा, चुने गए उत्तराधिकारी के पास मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग में डिग्री, स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस से एमबीए और स्टैनफोर्ड स्कूल ऑफ मेडिसिन से कैंसर बायोलॉजी में पीएचडी है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि समूह की सभी कंपनियों में नेतृत्व परिवर्तन हो रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि श्रीहास तांबे ने बायोकॉन बायोलॉजिक्स के सीईओ और प्रबंध निदेशक का पदभार संभाला है, जबकि सिद्धार्थ मित्तल 1 जुलाई से सिंजीन इंटरनेशनल का नेतृत्व करेंगे। मंगलवार को बीएसई पर बायोकॉन के शेयर 1 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 365.55 रुपए पर कारोबार कर रहे थे।

घुटनों में दर्द, अकड़न और कमजोरी को दूर करने में कारगर 'नी मूवमेंट', आयुष मंत्रालय ने बताए फायदे

नई दिल्ली। आजकल घुटनों का दर्द, कूल्हों में अकड़न और शरीर के निचले हिस्से की कमजोरी आम समस्या बन गई है। खासकर उम्र बढ़ने के साथ या कम शारीरिक गतिविधि के कारण ये परेशानियां बढ़ जाती हैं। ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय, इन समस्याओं को दूर करने में कारगर 'नी मूवमेंट' नामक आसान व्यायाम के अभ्यास की सलाह देता है।

विश्व योग दिवस में कुछ ही दिन शेष हैं। ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय लगातार योगासन व उसके फायदों से अवगत करा रहा है। इसी कड़ी में मंत्रालय घुटनों की मूवमेंट के बारे में जानकारी देते हुए इसके रोजाना अभ्यास की सलाह देता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि नियमित अभ्यास से न केवल दर्द में

राहत मिलती है बल्कि स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। यह व्यायाम खासकर उन लोगों के लिए उपयोगी है जिन्हें लंबे समय तक बैठे रहने या कम चलने-फिरने की आदत है। शुरुआत में धीरे-धीरे करें और अगर तेज दर्द हो तो डॉक्टर या योग विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

यह अभ्यास जोड़ों को मजबूत बनाता है और रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाता है। घुटनों की सरल गति के व्यायाम करने से जोड़ों की मजबूती और गतिशीलता बढ़ती है। साथ ही, घुटनों और कूल्हों के आसपास की मांसपेशियों को सक्रिय करता है। इससे जोड़ों में प्राकृतिक चिकनाई बढ़ती है, लचीलापन आता है और दर्द व अकड़न कम होती है। इसके नियमित अभ्यास से चलने, बैठने, खड़े होने और सीढ़ियां चढ़ने जैसी सामान्य गतिविधियां बिना परेशानी के की जा सकती हैं।

'नी मूवमेंट' के अभ्यास से जोड़ों की कमजोरी दूर व कूल्हों और घुटनों की अकड़न कम होती है। शरीर के निचले हिस्से में स्थिरता और संतुलन बढ़ाता और मुद्रा सुधारकर समन्वय बेहतर करता है। चोट या खिंचाव का जोखिम घटाता है। गति की सीमा बढ़ाता है और लंबे समय तक स्थायी राहत देता है।

तेजपत्ताः स्वाद बढ़ाने के साथ सेहत के लिए भी वरदान, जानिए फायदे

नई दिल्ली। आजकल लोग छोटी-छोटी बीमारियों के लिए भी दवाओं पर निर्भर हो जाते हैं, लेकिन तेजपत्ता जैसे प्राकृतिक उपाय कई समस्याओं में राहत देने में मदद कर सकते हैं। यह हमारी रसोई का एक अहम हिस्सा है, जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद हो सकता है। जरूरत बस इसे सही तरीके से और संतुलित मात्रा में इस्तेमाल करने की है।

तेजपत्ता सिर्फ एक मसाला नहीं, बल्कि सेहत का खजाना भी है। पुराने समय से ही भारतीय घरों में इसका इस्तेमाल सिर्फ खाने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसे कई तरह की बीमारियों में घरेलू इलाज के तौर पर भी अपनाया जाता रहा है। खासकर पाचन तंत्र के लिए यह बहुत फायदेमंद माना जाता है। अगर किसी को गैस, अपच या पेट फूलने की समस्या रहती है, तो तेजपत्ते का काढ़ा या इसका इस्तेमाल खाने में करने से आराम मिल सकता है। यह पेट की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने में मदद करता है।

सिर्फ पाचन ही नहीं, तेजपत्ता सांस से जुड़ी समस्याओं में भी उपयोगी माना जाता है। सर्दी-जुकाम, हल्की खांसी या गले में खराश जैसी दिक्कतों में यह राहत दे सकता है। आयुर्वेद में इसे कफ को कम करने वाला बताया गया है, इसलिए बदलते मौसम में इसका सेवन काफी मददगार हो सकता है।

आधुनिक रिसर्च में भी तेजपत्ते के कुछ संभावित फायदे सामने आए हैं। माना जाता है कि यह ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है, इसलिए डायबिटीज के मरीजों के लिए यह उपयोगी हो सकता है। हालांकि इसे किसी दवा का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए, लेकिन सपोर्टिव हर्ब के रूप में यह फायदा दे सकता है।

इसके अलावा तेजपत्ता में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं, जो शरीर में सूजन और जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं में राहत पहुंचा सकते हैं।

डच क्रूज शिप पर हंटावायरस के दूसरे मामले की पुष्टि, कुल संक्रमित लोगों की संख्या दो हुई

हेग। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पुष्टि की है कि अटलांटिक महासागर में एक जहाज पर हंटावायरस संक्रमण का दूसरा मामला मिला है। इसके साथ ही जहाज पर कुल संक्रमित लोगों की संख्या दो हो गई है। यह जानकारी डच क्रूज शिप ऑपरेटर 'ओशनवाइड एक्सपीडिशंस' ने एक बयान में दी।

कंपनी के अनुसार, नया मामला एक डच महिला यात्री का है, जिसकी 27 अप्रैल को मौत हो गई। इससे पहले एक डच दंपत्ति और एक जर्मन नागरिक की भी मौत हो चुकी है। इसके अलावा जहाज के दो क्रू सदस्य बीमार हैं। करीब 150 लोग अभी भी जहाज पर मौजूद हैं। एक और संक्रमित यात्री, जो ब्रिटेन का नागरिक है, जहाज छोड़कर दक्षिण अफ्रीका के जोहानेसबर्ग में आईसीयू में इलाज करा रहा है।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, कंपनी ने बताया कि जहाज पर दो क्रू सदस्य अभी भी सांस से जुड़ी गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। इनमें एक की हालत हल्की और दूसरे की ज्यादा गंभीर है। दोनों को तुरंत इलाज की जरूरत है। ये दोनों क्रू सदस्य ब्रिटेन और नीदरलैंड के नागरिक हैं। अभी तक किसी और में लक्षण नहीं मिले हैं।

हंटावायरस ऐसे वायरसों का समूह है, जो आमतौर पर चूहों जैसे रोडेन्ट्स में पाया जाता है और इंसानों में गंभीर बीमारी पैदा कर सकता है। यह संक्रमण आमतौर पर संक्रमित चूहों या उनके पेशाब, मल या लार के संपर्क में आने से फैलता है। इंसान से इंसान में इसका फैलना बहुत कम होता है।यह वायरस तब फैलता है जब कोई व्यक्ति संक्रमित चूहों के पेशाब, मल या लार को छूता है या उनसे दूषित सतह के संपर्क में आता है। अक्सर यह तब होता है जब लोग ऐसे स्थानों की सफाई करते हैं, जहां चूहों का ज्यादा प्रकोप होता है। गांवों, जंगलों, खेतों और फार्म जैसे इलाकों में यह बीमारी ज्यादा देखने को मिलती है, क्योंकि वहां चूहों की संख्या अधिक होती है।हंटावायरस पल्मोनरी सिंड्रोम से होने वाली बीमारी (एचपीएस) में शुरुआत में सिरदर्द, चक्कर आना, ठंड लगना, बुखार और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण दिखते हैं। इसके साथ ही उल्टी, दस्त, जी मिचलाना और पेट दर्द जैसी पेट से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं।

आईपीएल 2026: चेन्नई सुपर किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराया

नई दिल्ली। संजू सैमसन और कार्तिक शर्मा के बीच अटूट शतकीय साझेदारी की मदद से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ 8 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का 48वां मैच अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया, जिसे जीतकर सीएसके ने प्लेऑफ की उम्मीदों को कायम रखा है।

चेन्नई सुपर किंग्स 10 में से 5 मैच जीतकर प्वाइंट्स टेबल में छठे पायदान पर बनी हुई है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने 10 में से 6 मैच गंवा दिए हैं। यह टीम फिलहाल सातवें स्थान पर है।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने 7 विकेट खोकर 155 रन बनाए। इस टीम को पथुम निसांका और केएल राहुल (12) की सलामी जोड़ी ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 4 ओवरों में 29 रन जोड़े। पथुम 15 गेंदों में 4 बाउंड्री के साथ 19 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद विकेटों का पतझड़ लग गया।

आलम ये रहा कि टीम ने 69 के स्कोर तक 5 विकेट खो दिए थे। यहां से ट्रिस्टन स्टब्स ने समीर रिजवी के साथ छठे विकेट के लिए 47 गेंदों में 65 रन की साझेदारी करते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

स्टब्स 31 गेंदों में 2 छक्कों और 1 चौके के साथ 38 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि समीर रिजवी ने 24 गेंदों में 4 छक्कों के साथ 40 रन की नाबाद पारी खेली। विपक्षी खेमे से नूर अहमद ने 2 विकेट निकाले। इनके अलावा, अकील हुसैन, मुकेश चौधरी, गुरजपनीत सिंह और जेमी ओवरटन ने 1-1 विकेट हासिल किया।

इसके जवाब में चेन्नई सुपर किंग्स ने 17.3 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। 3.5 ओवर में टीम को कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (6) के रूप में पहला झटका लगा। 6.3 ओवर में उर्विल पटेल (1) स्टंप आउट हुए। टीम ने 45 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा दिए थे।

सेविला ने रियल सोसिएदाद को 1-0 से हराया, एलेक्सिस सांचेज ने दागा एकमात्र गोल

सेविला । रियल सोसिएदाद को सेविला एफसी के खिलाफ 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। दूसरे हाफ की शुरुआत में एलेक्सिस का एक गोल निर्णायक साबित हुआ। इससे टक्सुरी उर्दिन के पास पांचवां स्थान हासिल करने का बहुत कम मौका बचा।

रियल ने अच्छी शुरुआत की लेकिन मौकों को गोल में बदल पाने में सफलता नहीं मिली। सेविला, अपनी स्थिति की गंभीरता और अपने घरेलू दर्शकों के समर्थन से उत्साहित होकर, ब्रेक से पहले ज्यादा खतरनाक लग रहा था।

दूसरे हाफ की शुरुआत रियल सोसिएदाद के लिए एक अच्छे मौके के साथ हुई जब ओस्कारसन ने एक क्रॉस दिया जिसे ओयारजाबल आसानी से नहीं पहुंचा पाए। लेकिन सेविला ने अपने पहले असली मौके का पूरा फायदा उठाया, एलेक्सिस ने मेजबान टीम को आगे कर दिया।

उस पॉइंट से, रियल सोसिएदाद का अटैक फीका रहा, और वे कभी भी ऐसे मौके नहीं बना पाए जिनसे बराबरी हो सकती थी। एक हार जिससे पांचवें नंबर पर रहने की उनकी उम्मीदें लगभग खत्म हो गईं। चार मैच बाकी हैं, और उनका मकसद सीजन को मजबूती से खत्म करना है।

सेविला के कोच लुइस गार्सिया प्लाजा ने कहा, 'लेवांटे के खिलाफ पहले हाफ में टीम बहुत बुरी हालत में थी। तब से, हमने पांच गेम खेले हैं और मुझे लगता है कि हमने जो पॉइंट्स कमाए हैं, उन्हें देखते हुए हमने बहुत बुरा नहीं खेला है।

हॉकी एशिया कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी भारत की अंडर-18 पुरुष और महिला टीम

भोपाल । भारतीय पुरुष और महिला अंडर-18 हॉकी टीमें 15 से 20 मई तक उद्धव दास मेहता सेंट्रल सेंटर में ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीमों के साथ चार मैचों की सीरीज खेलेंगी। यह सीरीज अंडर-18 नेशनल कोचिंग कैंप के बाद हो रही है, जो 19 अप्रैल, 2026 को साई भोपाल में शुरू हुआ था। इस महीने के आखिर में काकामिगाहारा में होने वाले अंडर-18 एशिया कप से पहले हो रही यह सीरीज काफी अहम है।

महिला टीम के लिए, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की सीरीज 15 मई से शुरू होगी। दूसरा मैच 17 मई, तीसरा मैच 18 मई को और चौथा मैच 20 मई को खेला जाएगा।

पुरुषों की टीम अपनी सीरीज 15 मई से शुरू करेगी। दूसरा मैच 17 मई, तीसरा मैच 18 मई और चौथा मैच 20 मई को खेला जाएगा।

पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कैंप के दौरान हुई प्रगति और आने वाले मैचों की अहमियत पर जोर देते हुए कहा, 'साई भोपाल में हमारा दौर बहुत अच्छा रहा है।

खिलाड़ियों ने जोश और उम्मीदों पर अच्छी प्रतिक्रिया दी है। इस कैंप के दौरान मुख्य फोकस सभी पोजीशन पर बुनियादी तरीकों को मजबूत करना रहा, ताकि वे मॉडर्न हॉकी की मांगों के लिए बेहतर तरीके से तैयार हों और सीनियर लेवल की ओर लगातार आगे बढ़ सकें।'

उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीमों के खिलाफ आने वाले एक्सपोजर मैच हमारी तैयारी में एक अहम कदम हैं। यह ग्रुप के लिए उच्च-क्षमता का अंतरराष्ट्रीय अनुभव लेने का मौका है।

सीरीज में हम अपनी टीम के बेहतर संयोजन को तलाश सकते हैं। अंडर-18 एशिया कप आने वाला है, इसलिए ये मैच भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए सबसे अच्छी टीम चुनने में हमारी मदद करेंगे।'

महिला टीम की कोच रानी रामपाल ने कहा, 'साई भोपाल में कैंप हमारे लिए खिलाड़ियों के साथ काम करने का एक अच्छा अवसर रहा है।

हम खुश हैं कि उन्होंने इसका फायदा उठाया। ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीम के खिलाफ मैच उन्हें ऊंचे स्तर पर खेलने और अंडर-18 एशिया कप की तैयारी करने का शानदार मौका देंगे। यह हर खिलाड़ी के लिए अपनी काबिलियत को दिखाने का एक मौका है।

खजान सिंह: महान तैराक, वैश्विक खेलों में देश के लिए जीते पदक

नई दिल्ली। भारत में तैराकी एक पारंपरिक खेल है। आधुनिक समय में वैश्विक स्तर पर इस खेल को पेशेवर रूप में खेला जाता है। एक पेशेवर खेल के तौर पर तैराकी भारत में विकासशील अवस्था में है। भारत में तैराकी को एक पेशेवर खेल के रूप में स्थापित करने में जिन तैराकों ने अहम भूमिका निभाई है, उसमें खजान सिंह का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

खजान सिंह का जन्म 6 मई 1964 को दिल्ली के मुनिरका गांव में हुआ था। उनका पूरा नाम खजान सिंह टोकस है। खजान सिंह ने अपनी स्कूली शिक्षा के दौरान ही तैराकी में रुचि लेनी शुरू कर दी थी। 1981-82 की नेशनल स्कूल चैंपियनशिप में खजान सिंह ने अपनी पहचान बनाई। इस प्रतियोगिता में उन्होंने पांच स्वर्ण पदक जीते थे। इसके बाद, 1982 में दिल्ली में आयोजित नेशनल एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने पांच स्वर्ण, दो रजत, और एक कांस्य पदक अपने नाम किए। इसके अगले साल त्रिवेंद्रम में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उन्होंने सात स्वर्ण, दो रजत, और एक कांस्य पदक जीते।

1987 में अहमदाबाद में आयोजित राष्ट्रीय जलीय चैंपियनशिप में खजान सिंह ने न केवल सात स्वर्ण पदक जीते, बल्कि 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 55.21 सेकंड का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होंने 1984 के दक्षिण एशियाई खेलों में बनाया गया अपना पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। 1988 में कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय खेलों में उन्होंने आठ व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जिनमें से पांच नए रिकॉर्ड भी शामिल थे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खजान सिंह ने 1986 के सियोल एशियाई खेलों में 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में रजत पदक जीता। यह उपलब्धि विशेष थी। इस पदक के बाद भारत को एशियाई खेल में अगला पदक 24 साल बाद वीरधवल खाड़े ने 2010 में आयोजित एशियाई खेलों में दिलाया। खाड़े ने कांस्य पदक जीता।

खजान सिंह का दक्षिण एशियाई खेलों में प्रदर्शन शानदार रहा।

प्रीमियर लीग: मैनचेस्टर सिटी ने एवर्टन के साथ 3-3 से ड्रॉ खेला, खिताब की रेस में पिछड़ी

लिवरपूल । मैनचेस्टर सिटी और एवर्टन के बीच खेला गया मुकाबला 3-3 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। ड्रॉ मैनचेस्टर सिटी के लिए एक बड़ा झटका है। ड्रॉ के बाद मैनचेस्टर सिटी खिताब जीतने के रेस में पिछड़ गई है। सिटी, आर्सेनल से पांच अंक पीछे है और उसके पास केवल एक मैच बचा है। अगर आर्सेनल अपने बाकी तीन मुकाबले जीत लेता है, तो खिताब उसी के नाम हो जाएगा।

मैच की शुरुआत में सिटी ने पूरी तरह दबदबा बनाया और पहले 20 मिनट में 86 प्रतिशत से अधिक गेंद अपने नाम रखा। इसी दबाव का फायदा उठाते हुए जेरेमी डोकू ने 43वें मिनट में शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। उनके इस गोल ने एवर्टन की रणनीति को झटका दिया और सिटी हाफ-टाइम तक 1-0 से आगे रही।

दूसरे हाफ में मैच ने पूरी तरह करवट ले ली। एवर्टन ने 13 मिनट के भीतर तीन गोल दागकर मुकाबले को पलट दिया।

सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर आए थिएर्नो बैरी ने दो गोल किए, जबकि जेक ओ'ब्रायन ने कॉर्नर पर हेडर से एक और गोल जोड़ दिया। इस दौरान सिटी की डिफेंस पूरी तरह बिखरी नजर आई और टीम 3-1 से पीछे हो गई।

दबाव में सिटी ने वापसी की। 83वें मिनट में एर्लिंग हालैंड ने गोल कर अंतर कम किया। इसके बाद टीम ने आक्रामक रुख अपनाया और इंजरी टाइम में एक और मौका बनाया। स्टॉपेज टाइम के सातवें मिनट में फिर से डोकू ने शानदार फिनिश कर अपना दूसरा गोल किया और मैच को 3-3 से बराबर कर दिया।

एवर्टन के लिए यह ड्रॉ भी खास रहा, क्योंकि टीम 48 अंकों के साथ 10वें स्थान पर पहुंच गई है और यूरोपीय क्वालिफिकेशन की उम्मीदें बनाए हुए है।

मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरपूर रहा, जिसमें दोनों टीमों ने शानदार जज्बा दिखाया, लेकिन अंत में सिटी के लिए यह ड्रॉ हार के समान साबित हुआ।

हमने बोली वापस नहीं ली, हमें राजस्थान रॉयल्स की बिक्री प्रक्रिया से बाहर किया गया: कल सोमानी ग्रुप

नई दिल्ली । मित्तल परिवार और अदार पूनावाला के आईपीएल फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स (आरआर) खरीदने के कुछ दिनों बाद, अमेरिका की कल सोमानी ग्रुप ने कहा है कि उन्होंने राजस्थान रॉयल्स पर लगाई अपनी बोली वापस नहीं ली। उन्हें बिक्री प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया।

मार्च में, कल सोमानी कथित तौर पर राजस्थान रॉयल्स में रिकॉर्ड 1.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर में प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए सहमत हुए थे। यह डील आईपीएल 2026 के बाद पूरी होने की उम्मीद थी। लेकिन, रविवार को, लक्ष्मी एन. मित्तल और आदित्य मित्तल ने घोषणा की कि मनोज बडाले और उनके ग्रुप से अदार पूनावाला के साथ साझेदारी में राजस्थान रॉयल्स को खरीदने के लिए एक पक्का समझौता कर लिया गया है।

कंसोर्टियम के चार निवेशकों—कल सोमानी, रॉब और जॉर्डन वॉल्टन, और माइकल हैम्प—ने एक संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा, 'हम राजस्थान रॉयल्स के स्वामित्व का हिस्सा न बन पाने से बहुत निराश हैं। हम पिछले छह महीने की लंबी प्रक्रिया के दौरान शुरू से आखिर तक लीड बिड थे।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में चामरी अटापट्टू की बड़ी छलांग, इन खिलाड़ियों को भी फायदा

दुबई। श्रीलंकाई कप्तान चामरी अटापट्टू ने हालिया शानदार प्रदर्शन के साथ आईसीसी विमेंस टी20 रैंकिंग में शानदार बढ़त हासिल की है। अटापट्टू को टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में तीन स्थान का फायदा मिला है, जबकि ऑलराउंडर्स की सूची में उन्होंने 2 स्थानों की छलांग लगाई है।

चामरी अटापट्टू को बांग्लादेश के खिलाफ श्रीलंका की 3-0 की शानदार जीत में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया था। इस अनुभवी खिलाड़ी ने तीन पारियों में कुल 115 रन बनाने के अलावा, चार विकेट भी लिए थे।

इस हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में चामरी 41वें स्थान पर पहुंच गई हैं। इसके अलावा, ऑलराउंडर्स की सूची में भी उन्होंने तीसरे स्थान पर कब्जा जमा लिया है। इसी के साथ अटापट्टू ने भारत की दीप्ति शर्मा और ऑस्ट्रेलिया की एश गार्डनर को पछाड़ दिया है। ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में अब उनसे आगे सिर्फ न्यूजीलैंड की कप्तान एमी केर और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज ही हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ इसी सीरीज में श्रीलंकाई टीम की सफलता का इनाम कई अन्य खिलाड़ियों को भी मिला है। टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में हर्षिता समरविक्रमा पांच स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 20वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि इमेषा दुलानी ने 23 स्थानों की लंबी छलांग लगाते हुए 49वां स्थान हासिल किया है।

वहीं, गेंदबाजी रैंकिंग की बात करें तो कविशा दिलहारी दो स्थान ऊपर चढ़कर 17वें स्थान पर पहुंच गई हैं, और माल्की मदारा 11 स्थान ऊपर चढ़कर 44वें स्थान पर पहुंची हैं।

सीरीज हारने के बावजूद, बांग्लादेश के भी कई खिलाड़ियों की रैंकिंग में उत्साहजनक सुधार देखने को मिला है। टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में शर्मिन अख्तर 10 स्थान ऊपर चढ़कर 37वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि दिलारा अख्तर और शोर्ना अख्तर क्रमश: 55वें और संयुक्त रूप से 62वें स्थान पर पहुंच गई हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में सुल्ताना खातून ने सबसे बड़ी छलांग लगाई है।

चीन के वू यिजे बने वर्ल्ड स्नूकर चैंपियन, स्टीफन हेंड्री के बाद दूसरे सबसे कम उम्र के विजेता

शेफील्ड । वू यिजे ने शॉन मर्फी को अब तक के सबसे बड़े फाइनल मुकाबलों में से एक में 18-17 से हराते हुए पहली बार वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप का खिताब जीता।

22 साल और 202 दिन की उम्र में, वह स्टीफन हेंड्री के बाद दूसरे सबसे कम उम्र के वर्ल्ड चैंपियन हैं। हेंड्री ने 1990 में 21 साल की उम्र में खिताब जीता था। वह क्रूसिबल में यह मशहूर सिल्वरवेयर जीतने वाले 25वें खिलाड़ी बन गए हैं, और पहली बार लगातार चार मेडन विनर रहे हैं। वू 2023 में लुका ब्रेसेल (उम्र 28), 2024 में कायरेन विल्सन (उम्र 32) और 2025 में झाओ (उम्र 28) के बाद पहले नंबर पर हैं।

यह वू का दूसरा खिताब है। वह वर्ल्ड रैंकिंग में दसवें से चौथे नंबर पर आ गए हैं। इस साल से पहले उन्होंने क्रूसिबल में कभी कोई मैच नहीं जीता था।2023 और 2025 में अपने पिछले मैचों में वे पहले राउंड में ही हार गए थे.

लेई पेइफान, मार्क सेल्बी और होसैन वफाई पर जीत ने उन्हें सेमी-फाइनल में पहुंचाया, जहां उन्होंने मर्फी के खिलाफ एक और क्लासिक जीत से पहले मार्क एलन के साथ 17-16 से रोमांचक मुकाबला जीता।

Final एक शानदार मुकाबला था, जिसमें तीन सेंचुरी, 50 से ज्यादा 29 और ब्रेक और औसत फ्रेम टाइम सिर्फ 17 मिनट था, क्योंकि दोनों खिलाड़ियों ने आक्रामक रणनीति अपनाई थी। वू की हिम्मत वाली पॉटिंग सबसे ज्यादा निर्णायक फ्रेम में साफ दिखी—2002 के बाद क्रूसिबल फाइनल में पहली बार—जब उन्हें सेंटर में एक मुश्किल रेड मिली, तो उन्होंने उसे पॉकेट के बीच में गिरा दिया, और 85 का शानदार ब्रेक लगाकर ट्रॉफी और 500,000 पाउंड का की पुरस्कार राशि जीती।

जीत के बाद वर्ल्ड स्नूकर के हवाले से वू के कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मैं ऐसा खेल सका। मैंने अपने परिवार के लिए, अपने लिए और चीन के लिए खेला। मेरे माता-पिता असली चैंपियन हैं। जब से मैंने स्कूल छोड़ने का फैसला किया है, मेरे पिताजी मेरे साथ रहे हैं। मेरी मां ने भी इतने सालों में बहुत कुछ झेला है। वे मेरी ताकत का स्त्रोत हैं। मैं उनसे बहुत प्यार करता हूं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415